राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 117
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 10 नवंबर 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 10 नवंबर को करेंगे दिल्ली विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उद्घाटन
पेज 5 अखिलेश-जयंत साथ मिलकर लड़ेंगे उपचुनाव, खतौली में रालोद तो मैनपुरी-रामपुर में सपा का होगा प्रत्याशी
पेज 7 बंगलादेश की स्पीकर ने कानून में महिलाओं की भागीदारी की वकालत की

केंद्र से नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट

नोटबंदी पर केंद्र सरकार का नहीं आया जवाब, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2016 की नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विस्तृत हलफनामा दायर करने के निर्देश पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अमल नहीं करने और एक बार फिर अतिरिक्त समय की मांग करने पर बुधवार को उनके प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की।

न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना, न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरथ्ना की संविधान पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि के अनुरोध पर मामले को फिलहाल स्थगित कर दिया, लेकिन एक सप्ताह के भीतर हलफनामा विस्तृत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। अटॉर्नी जनरल ने इस मामले में एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय की मांग करते हुए पिछले निर्देश पर ऐसा नहीं कर पाने के लिए पीठ से माफी मांगी।

पीठ ने इस सुनवाई स्थगन की स्थिति को 'शर्मनाक' बताते हुए केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का फिर निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने स्थगन की अनुमति देने और अगली सुनवाई के लिए 24 नवंबर की तारीख मुकर्रर करते हुए स्पष्ट कर दिया कि सरकार और आरबीआई को एक सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा जमा करना होगा। न्यायमूर्ति नजीर अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, आम तौर पर संविधान पीठ इस तरह कभी भी स्थगित नहीं होती है। हम कभी ऐसे नहीं उठते। यह अदालत के लिए भी बहुत शर्मनाक है।

केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे श्री वेंकटरमणि ने भी कहा कि यह उनके लिए भी शर्मनाक है।

शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने पिछली सुनवाई 12 अक्टूबर के दौरान केंद्र सरकार और आरबीआई को 9 नवंबर से पहले विस्तृत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया था। सर्वोच्च अदालत नोटबंदी को चुनौती देने वाली 50 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

संविधान पीठ ने पिछली सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षों की दलीलों से उठे सवालों पर स्पष्ट तौर पर पर कहा था कि यह अदालत सरकार की नीतियों की न्यायिक समीक्षा पर अपनी लक्ष्मण रेखा से अवगत है। अदालत ने कहा था कि याचिकाकर्ताओं का मुख्य तर्क यह है कि आरबीआई अधिनियम की धारा 26, जो केंद्र को विशेष मूल्यवर्ग की करेंसी नोटों को पूरी तरह से रद्द करने के लिए अधिकृत नहीं करता है। पचास से याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिकाओं में इस तथ्य पर भी जोर दिया है कि सरकार के पास एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से करेंसी नोटों को रद्द करने की शक्ति नहीं है।

हरियाणा के दंपति ने मांगी अजीबोगरीब मन्नत

कैथल के डेरे को दान किया बेटा; पिता बोले- बाबा की कृपा से बच्चे होते रहेंगे

चंडीगढ़। हरियाणा के एक दंपति ने अजीबोगरीब मुराद मांग ली। मन्नत पूरी हुई तो दंपति ने अपने डेढ़ साल के बेटे को डेरे को दान कर दिया। जब इस मामले का खुलासा हुआ तो पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। यह मामला कैथल के बाबा राजपुरी के डेरे का है।

वहीं, डेरे को बेटा देने वाले पिता संजय चौहान ने बताया कि उन्होंने अपनी मर्जी से बेटे का दान किया है। हमने पहले ही यह बात तय कर दी थी। बच्चा बाद में बड़ा होकर नहीं जाता, इसलिए अभी दे दिया है। बाबा का उनके ऊपर कोई दबाव नहीं है। संजय ने कहा कि बाबा की कृपा रही तो आगे और भी बच्चे होते रहेंगे।

अंबाला का रहने वाले दंपत्ति

इस अजीबो गरीब मन्नत मानने वाला दंपत्ति अंबाला का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी मिली है कि अंबाला जिले के बलदेव नगर में पति पत्नी रहते हैं। अभी तक की पुलिस जांच में पिता की पहचान हो चुकी है। उसका नाम संजय चौहान बताया जा रहा है।

डेरा पहुंची पुलिस

जैसे ही इस सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ तो पुलिस मौके पर पहुंची। जहां बाबा राजपुरी के डेरे के संचालक और अन्य लोगों से पूछताछ की। अभी तक की जांच में बेटे का दान करने वाले दंपत्ति और डेरे के संचालकों की भूमिका संदिग्ध मान रही है। हालांकि जांच से पहले पुलिस इस बारे में खुलकर कुछ नहीं कह रही है।

सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से खुलेगा राज

कैथल में बाबा राजपुरी के डेरे में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच में पुलिस जुट गई है।

पुलिस पिछले 15 दिनों की फुटेज खंगाल रही है। कैथल जिले के पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टीवी चैनल्स रोज राष्ट्र हित से जुड़ा कंटेंट दिखाएंगे

केंद्र सरकार ने जारी किया गाइडलाइन; स्पोर्ट्स, वाइल्ड लाइफ और विदेशी चैनल्स को छूट

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय टीवी चैनल्स के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। अब टीवी चैनल्स को हर दिन 30 मिनट के लिए राष्ट्रीय हित से जुड़े कार्यक्रम दिखाना अनिवार्य होगा। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अपलिंकिंग और डाउनलोडिंग नियमों में बदलाव करते हुए ये फैसला लिया है। हालांकि स्पोर्ट्स, वाइल्ड लाइफ और विदेशी चैनल्स को इस मामले में छूट दी गई है। मंत्रालय जल्द ही इस संबंध में सर्कुलर जारी करेगा।

सर्कुलर से पहले चैनल्स से भी बात करेंगे

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सेक्रेटरी अपूर्व चंद्रा ने हाल ही में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा - हम जल्द ही इस बारे में एक सर्कुलर जारी करेंगे लेकिन इससे पहले हस

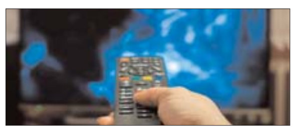

सभी स्टेक होल्डर्स से मिलकर इस मामले पर चर्चा भी करेंगे। चंद्रा ने कहा कि इस प्रसारण की टाइमिंग क्या होगी इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

किसी भी सब्जेक्ट पर हो सकता है कार्यक्रम

गाइडलाइन में ये भी बताया गया है कि राष्ट्रीय हित की थीम में शिक्षा और साक्षरता, कृषि और ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, महिला कल्याण, समाज के कमजोर वर्गों का उत्थान, पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता की सुरक्षा से जुड़े विषय शामिल होंगे। गाइडलाइन के मुताबिक, टीवी चैनल्स बिना एयरवेव्स और फ्रीक्वेंसी के ऑपरेट नहीं हो सकते। ये सार्वजनिक संपत्ति में गिनी जाती हैं तो इसका कुछ इस्तेमाल भी कुछ हद तक आम जनमानस के लिए किया जाना चाहिए।

चैनल्स को एडवाइजरी का पालन करना होगा

गाइडलाइंस में ये भी कहा गया है कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हित के कंटेंट के प्रसारण को लेकर समय-समय पर चैनल्स के लिए एडवाइजरी जारी कर सकती है। टीवी चैनल्स के लिए इनका पालन करना जरूरी होगा। नई गाइडलाइन के मुताबिक, किसी चैनल को अपनी भाषा में बदलाव करने के लिए या ट्रांसमिशन मोड को स्टैंडर्ड डेफिनेशन से हाई डेफिनेशन में बदलने के लिए पहले से परमिशन नहीं लेनी होगी। सिर्फ इसकी सूचना देना काफी होगी।

देश में कोरोना से स्वस्थ होने वालों की संख्या में हुई वृद्धि

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 संक्रमण से 1,271 मरीजों की सेहत में सुधार हुआ है, जिससे अब कोरोना से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,41,18,882 हो गयी है और स्वस्थ दर 98.78 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 811 नये मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,46,62,952 तक पहुंच गयी है और राहत की बात यह है इस अवधि में किसी मरीज की मौत नहीं हुयी। देश में कोरोना सक्रिय दर 0.03 प्रतिशत है। इस अवधि में दो मरीजों की मौत होने से मृतकों का संख्या बढ़कर 530511 पर बरकरार है और मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है।

फरीदाबाद में निर्भया जैसी दरिंदगी

युवती की रेप के बाद हत्या, प्राइवेट पार्ट में रॉड डाली; अर्धनग्न हालत में शव पार्क में फेंका

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में दिल्ली की निर्भया जैसी दरिंदगी देखने को मिली है। यहां एक युवती की रेप के बाद हत्या कर दी गई। दरिंदों ने उसके प्राइवेट पार्ट में रॉडनुमा कोई चीज डाली हुई थी। युवती की लाश पार्क में अर्धनग्न हालत में मिली। मृतका की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है। क्राइम ब्रांच की टीम को इसकी जांच सौंप दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, फरीदाबाद पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-7 में ए ब्लॉक गुरुद्वारे के पीछे वाले एक पार्क में 30 साल की युवती की लाश पड़ी हुई है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो नजारा देख पुलिस के भी होश उड़ गए। युवती का शव अर्धनग्न अवस्था में था। साथ ही उसके प्राइवेट पार्ट में लोहे की पाइप

जैसी कोई चीज डली हुई थी।

सिर, चेहरे समेत शरीर में कई चोट के निशान

आशंका यह जाहिर की जा रही है कि युवती के साथ दरिंदगी कर उसके शव को यहां लाकर फेंका गया। युवती के सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान हैं। जिससे आशंका जाहिर की जा रही है कि लड़की के सिर पर चोट मारकर हत्या की गई। इसके अलावा गला घोंटने के भी निशान मिले हैं।

पार्क में ही मिले कपड़े

युवती के कपड़े भी पार्क में ही पड़े मिले। जिससे आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कहीं और की गई। फिर रात के अंधेरे में उसकी लाश को ठिकाने लगाने के मकसद से यहां फेंक दिया गया। पुलिस अब आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि इसका कोई सुराग मिल सके। डॉग स्क्वायड और फारेंसिक टीमों की मदद से भी सुराग ढूंढा जा रहा है।

हाथ में ऊं और आरएम गुदा हुआ

पुलिस ने शव का निरीक्षण कर संभावना जताई कि मरने वाली युवती की उम्र करीब 30 साल के आसपास है।

उसके दोनों हाथ पर ऊं और आरएम गुदा हुआ है। लड़की के हुलिए से लग रहा है कि वह किसी दूसरे राज्य की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की सच्चाई पता चल पाएगी।

छत्तीसगढ़ के कई शहरों में व्यापारीयों पर आईटी का छापा

कोयला कारोबारियों के यहां 50 गाड़ियों में पहुंची टीम; बिलासपुर में तेंदूपत्ता व्यापारी के ठिकानों पर कार्रवाई जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने छापा मारा है। बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा और रायपुर में कोयला कारोबार से जुड़े कारोबारियों के घर कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि, एक दिन पहले ही 50 से ज्यादा अफसरों की टीम राजधानी पहुंची थी।

बिलासपुर में तेंदूपत्ता व्यापारी बजरंग अग्रवाल, बनवारी अग्रवाल के घर आईटी का छापेमार कार्रवाई जारी है। दोनों व्यापारियों के ऑफिस और घर में एक साथ आईटी की टीम तलाशी कर रही है। बताया जा रहा है कि, 10 से 12 की संख्या में आईटी के अधिकारी जांच कर रहे हैं।बजरंग अग्रवाल, बनवारी अग्रवाल राइस मिल और रियल स्टेट का काम भी करते हैं।

रायगढ़ में एनआर ग्रुप के मालिक संजय अग्रवाल के ठिकानों पर जांच जा रही है। 50 से ज्यादा गाड़ियों में आईटी की टीम पहुंची है। शहर के गजानंद नगर में कोयला कारोबारी राकेश शर्मा के घर भी कार्रवाई जारी है। रायपुर में लॉ विस्टा सोसायटी में रामगोपाल अग्रवाल सहित कई कोयला कारोबारियों के घर में आईटी टीम दस्तावेज खंगाल रही है।

5000 करोड़ का एमओयु करने की चर्चा

एनआर इस्पात के मालिक संजय अग्रवाल ने पिछले दिनों राज्य सरकार से 5000 करोड़ रुपए का एमओयु साइन किया था। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 2 साल में अपने प्लांट का एक्सटेंशन 2,000 करोड़ रुपए की लागत से कराया था। इसके बाद से ही वह आईटी के रडार पर थे। ऐसा माना जा रहा है कि इन्हीं बड़े लेन-देन के इनपुट पर आईटी ने छापा मारा है।

आयकर विभाग ने सत्तीगुड़ी चौक में एनआर ग्रुप के अकाउंटेंट के घर में भी दबिश दी। आयकर की कार्रवाई सुबह 5 बजे से चल रही है। कारोबारी संजय अग्रवाल के घर और फैक्ट्री पर एक दर्जन से ज्यादा आईटी के अफसर दस्तावेजों की जांच में जुटे हैं।

50 से ज्यादा गाड़ियों में पहुंची टीम

रायगढ़ शहर में एनआर ग्रुप के घर और ऑफिस में आईटी की टीम कार्रवाई कर रही है। अधिकारी सुबह 5 बजे से CRPF के जवानों के साथ रायगढ़ पहुंची। एनआर ग्रुप के बाहर बड़ी संख्या में आईटी की गाड़ियां मौजूद हैं। गाड़ियों की संख्या 50 से ज्यादा बताई जा रही है।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सहित 6 लोगों के यहां छापा

सक्ती शहर में आयकर विभाग की टीम ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सहित 6 लोगों के यहां छापा मारा है। आयकर विभाग की टीम इन सबसे पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार सक्ती में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कांग्रेस नेता श्यामसुंदर अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि कांग्रेस नेता आनंद अग्रवाल, अनुराग कपड़ा दुकान के संचालक कमलेश अग्रवाल, स्टांप वेंडर जगदीश बंसल, प्रियंका मोबाइल दुकान के संचालक राहुल अग्रवाल और सत्यविद्या ज्वेलर्स के संचालक अरुण अग्रवाल के यहां कार्रवाई जारी है।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने ली भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ ने बुधवार को भारत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वरिष्ठतम न्यायाधीश को राष्ट्रपति भवन में मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 17 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया था।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ (धनंजय यशवंत चंद्रचूड.) का जन्म 11 नवंबर 1959 को हुआ था।

वह 10 नवंबर 2024 को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद लिए

निर्धारित 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होंगे।

भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश यू. यू. ललित ने 11 अक्टूबर को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को अपना उत्तराधिकारी बनाने की सिफारिश केंद्र सरकार से की थी।

शीर्ष अदालत की परंपरा के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में वरिष्ठतम न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश बनाने की परंपरा रही है। इस क्रम में न्यायमूर्ति ललित के बाद में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ आते हैं।

न्यायमूर्ति ललित ने 27 अगस्त 2022 को भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली थी।

वह मुख्य न्यायाधीश के रूप में 74 दिनों के अपने संक्षिप्त कार्यकाल के बाद आठ नवंबर 2022 को 65 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हो गए।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ के पिता न्यायमूर्ति वाई. वी. चंद्रचूड़ सबसे अधिक समय - लगभग सात साल और चार महीने- तक भारत के मुख्य न्यायाधीश रहे।

न्यायमूर्ति वाई. वी. चंद्रचूड़ 22 फरवरी 1978 से 11 जुलाई 1985 तक मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहे।

यू-ट्यूब देखकर इलाज करने से युवक की मौत

हाथ का दर्द दूर करने के लिए पी लिया था जंगली लौकी का जूस

इंदौर। इंदौर में यूट्यूब देखकर इलाज करना एक शख्स के लिए जानलेवा साबित हुआ। उसे हाथ में दर्द था। उसने यूट्यूब पर इलाज सर्च किया और उसमें बताए अनुसार जंगली लौकी का जूस पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इंदौर की विजयनगर पुलिस के मुताबिक जान गंवाने वाला धर्मेन्द्र पेशे से ड्राइवर था। उम्र 35 साल थी। वह मूल रूप से खंडवा का रहने वाला था और इंदौर में स्वर्ण बाग कॉलोनी में रहता था। पुलिस के मुताबिक शॉर्ट पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ पाएगी। फिलहाल परिवार ने लौकी का जूस पीने के बाद तबीयत बिगड़ने की बात कही है।

यू-ट्यूब पर वीडियो देखा

मृतक के परिजन ने बताया कि कुछ दिन पहले धर्मेन्द्र के हाथ में चोट लग गई थी, जिससे उसे काफी दर्द हो रहा था। उसने अपने इलाके के एक डॉक्टर से इलाज कराया, लेकिन आराम नहीं हुआ। इसके बाद धर्मेन्द्र ने मोबाइल में यूट्यूब पर इलाज सर्च किया। यहां उसे एक वीडियो मिला। इसमें बताया गया था कि जंगली लौकी का जूस पीने से शरीर से किसी भी तरह का दर्द चला जाता है।

जूस पीते ही शुरू हुए उल्टी-दस्त

धर्मेन्द्र मंगलवार दोपहर खुद जंगल से लौकी लाया। इसका जूस निकालकर पीया। इसके बाद उसे उल्टी-दस्त होने लगे। उसे गीता भवन में निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए कहा। तब उसे सरकारी एमवाई अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गांव में रहते हैं माता-पिता और भाई

धर्मेन्द्र के परिवार में उसकी पत्नी और दो बेटे हैं। जो उसके साथ ही रहते हैं। वहीं माता-पिता और बड़ा भाई खंडवा के पास गांव में रहते हैं।

जासुस

पंजाब के युवक को हनीट्रैप किया, नोएडा में रखा है सामान...2019 में पकड़ाई थी उत्तराखंड से

बिहार से पकड़ी गई महिला आईएसआई एजेंट, मुखबिरी का आरोप

पटना। भारत-नेपाल बॉर्डर पर किशनगंज से पकड़ी गई संदिग्ध महिला फरीदा मलिक पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए मुखबिरी करने का आरोप लग रहा है। वो भारत में चोरी-छिपे रह कर बॉर्डर वाले इलाकों में हनीट्रैप के जरिए लोगों को फंसा रही थी। इस काम में कई लोग इसकी मदद कर रहे हैं। वो मददगार बाहर नहीं, बल्कि भारत के अंदर ही मौजूद हैं। इससे पहले 2019 में ठीक इसी तरह फरीदा को उत्तराखंड से भी पकड़ा गया था। फरीदा पर पंजाब के युवक को भी हनीट्रैप करने का आरोप लग रहा है।

बिहार एटीएस और देश की खुफिया एजेंसी की टीम इस मामले में अपनी जांच पड़ताल कर रही है। जेल में बंद फरीदा मलिक से पूछताछ भी हुई है। सूत्रों के जरिए जो जानकारी हासिल हुई है, उसमें दो बड़े आधार के जरिए इन बातों को माना जा रहा है।

पहला आधार यह है कि वीजा खत्म होने के बाद भी फरीदा मलिक लगातार भारत में रह रही थी।दूसरा आधार यह है कि नोएडा में एक ठिकाने पर इसका सामान रखा है। वो सामान क्या है? जिस जगह पर रखा है, वो ठिकाना किसका है? देश के अंदर कौन लोग इसकी मदद कर रहे हैं? इसके कितने कॉन्टैक्ट हैं? किससे मिलने आती थी? भारत में इससे जुड़े

लोगों की क्या गतिविधि है? ये सवाल जांच एजेंसियों के सामने भी घूम रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि सामने आए इन सवालों का जवाब जानने के जांच एजेंसी की टीम जुट गई है।

दिखावा है साइबर सिक्योरिटी में इंजीनियरिंग और लाइव कंसर्ट

जांच एजेंसियों की पड़ताल में यह बात सामने आई है कि नाम बदलने में माहिर फरीदा मलिक ने साइबर सिक्योरिटी में इंजीनियरिंग कर रखा है। साथ ही ये खुद को एक यूट्यूबर बताती है। खुद को म्यूजिक और सिंगिग से जोड़ रखा है। ये लोगों को मोटिवेट करने का दावा करती है।

लाइव कंसर्ट के साथ ही इसके कुछ मोटिवेशनल वीडियो भी सामने आए हैं। लेकिन, जांच एजेंसी की मानें तो यह सब एक दिखावा है। यह सिर्फ पकड़े जाने पर जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए है।

नेपाल के रास्ते कई बार आई भारत

जांच एजेंसियों के लिए यह महिला अब भी पूरी तरह से संदिग्ध है। फरीदा मलिक के नाम वाला अमेरिका से बने पासपोर्ट और भारत के अंदर सना अख्तर के नाम से मिले कई बोर्डिंग पास ने महिला की असलियत पर संशय बरकरार रखा है। भले ही इसने पाकिस्तान की नागरिकता को छोड़ने का प्रमाण पत्र जांच एजेंसियों के सामने रखा, पर जिस तरह से भारत और नेपाल को अपना ठिकाना बना रखा है। इससे कई सवाल उठ रहे हैं।

शार्ट न्यूज

दुर्घटनावश चली गोली से सैनिक की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को दुर्घटनावश चली गोली से सेना के एक जवान की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मनकोट इलाके में राष्ट्रीय राइफल्स के एक जवान की बंदूक से गलती से चली गोली उन्हीं को लग गयी। पुलिस ने कहा, उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीरेन ने शुरू की 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पॉलिसी'

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बुधवार को यहां मणिपुर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पॉलिसी 2022 को जारी किया। मुख्यमंत्री ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति को तेज करने के लिए, मणिपुर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पॉलिसी, राज्य में 2026 तक कम से कम 20 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखती है। इस नीति के तहत ईवी खरीदने के लिए पंजीकरण के समय मोटर वाहन कर में 30 प्रतिशत तक की छूट के रूप में प्रोत्साहन भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार वाहनों की खरीद करते समय ईवी को प्राथमिकता देने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात की भीड़ के कारण वाहनों के उत्सर्जन में वृद्धि परिवेशी वायु गुणवत्ता को प्रभावित करती है जो जनता के स्वास्थ्य के लिए चिंता का एक मुख्य कारण है। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों के महत्व को समझाते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वाहन वाहन प्रदूषण की समस्याओं को दूर करने के लिए विश्व स्तर पर अपनाया जा रहा एक प्रमुख समाधान है। श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में भी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

डंडे से पीट कर की बुजुर्ग कुष्ठ रोगी की हत्या

नैनीताल। उत्तराखंड के हाथीखाल कुष्ठ रोग आश्रम में मंगलवार की देर रात को एक कुष्ठ रोगी ने डंडे से पीट कर बुजुर्ग कुष्ठ रोगी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। साथ ही शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार नैनीताल जनपद के ओखलकांडा के कुंडल गांव निवासी बुजुर्ग नैनराम पिछले कई वर्षों से मोतीनगर स्थित हाथीखाल कुष्ठ रोग आश्रम में निवास कर रहा था। इसी आश्रम में खटीमा निवासी सिकंदर भी रहता था। बताया जा रहा है कि घटना से पहले दोनों साथ बैठ कर शराब पी और इस दौरान हुए विवाद में सिकंदर ने नैनराम के सिर पर डंडे से कई वार कर दिये। नैनराम मौके पर ही गिर गया। तत्काल पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस उसे सुशील तिवारी अस्पताल ले गयी जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। इस घटना के बाद आश्रम में दहशत फैल गयी।

ब्रह्मपुत्र नदी में डूबे दो व्यक्ति, एक की मौत

गुवाहाटी। असम के डिब्रूगढ़ जिले में एक व्यक्ति में ब्रह्मपुत्र नदी में डूबने से मौत हो गयी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के परियोजना अधिकारी (डिब्रूगढ़) दीपज्योति हटिकाकोटी ने कहा कि यह घटना कार्तिक पूर्णिमा के दिन उस वक्त घटी, जब दो व्यक्ति स्नान करने के लिए डिब्रूगढ़ शहर में एसपी कार्यालय के पास नदी तट गए, उसी दौरान दोनों नदी की धारा में बह गए। स्थानीय लोगों ने दोनों में से एक व्यक्ति का शव बरामद किया जबकि एक अन्य व्यक्ति मंटू बसफोर को बचा लिया। घायल व्यक्ति को असम के एक मेडिकल, अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि मृतक न्यू मार्केट हरिजन कॉलोनी के मिठू बसफोर का रहने वाला है।

बालिका से दुष्कर्म का प्रयास करने के आरोपी को पांच सजा

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश सुरेंद्र खरे ने एक ढोंगी बाबा को बालिका से अश्लील हरकतें करने का दोषी करार देते हुए आज 5 वर्ष साधारण कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक गुरचरणसिंह रुपाणा एडवोकेट ने प्रकरण के तथ्यों की जानकारी देते बताया कि केसरीसिंहपुर थाना में 22 अप्रैल 2019 को 7 वर्षीय पीड़ित बालिका के पिता द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर लगभग 50 वर्षीय ढोंगी बाबा के खिलाफ दुष्कर्म का प्रयास करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। लोगों ने पीछा कर बाबा को दबोच लिया था, जिसकी पहचान बाद में बूटासिंह रामदासिया (50) निवासी दोवण थाना सदर बठिंडा (पंजाब) के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि आज न्यायाधीश ने निर्णय देते हुए बूटासिंह को धारा 354 में 3 वर्ष साधारण कारावास और 5 हजार का जुर्माना लगाया। जुर्माना अदा नहीं करने पर एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पोक्सो एक्ट के तहत 5 वर्ष साधारण कारावास और 10 हजार का अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर 2 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

रोडवेज बस चालक की हार्ट अटैक से मौत

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के कस्वा डीग में आज सुबह रोडवेज बस के एक ड्राइवर की चलती हुई बस में हार्ट अटैक से मौत हो जाने का समाचार प्राप्त हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान की एक रोडवेज बस सिनसिनी से बाजना जा रही थी तभी डीग पहुंचने के बाद बिजली घर के पास 56 वर्षिय ड्राईवर शीशपाल को हार्ट अटैक आ गया। इस दौरान बस झटके लेकर बंद हो गई। हार्ट अटैक के बाद ड्राइवर के निढाल होकर बस की स्टीरिंग पर लुढ़क जाने बस के झटके के साथ बंद हो जाने से बस में सवार सवारियो में अफरातफरी मच गई। मामले को समझने के बाद कंडक्टर और बस की सवारियां ड्राईवर को लेकर राजकीय चिकित्सालय पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया लेकिन परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ड्राइवर के शव को अपने साथ ले गए। बताया गया कि यह गनीमत रही चालक को अटैक आने के बाद बस मौके पर ही बंद हो गई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

दुष्कर्म एवं लुटपाट का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर में गंगापुर सिटी के बामनवास थाना क्षेत्र में एक अध्यापिका के साथ दुष्कर्म एवं लुटपाट करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफतार किया है। थानाधिकारी बृजेश मीणा ने बताया कि पीड़ित अध्यापिका ने पांच नवंबर को बामनवास थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह स्कूल से घर जाने के लिए निकली थी। उसी दौरान लालसोट तक जाने के लिए बाइक सवार से लिफ्ट मांगी थी। आरोपी उसे बीहड़ों में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और कुंडल, पाजेब, मोबाइल और 4 हजार रुपए लूटकर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने मुख्य सड़क पर आकर किसी के मोबाइल से अपने पति को मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी भगवान सिंह उर्फ राकला पर बाटोदा थाने में चोरी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी से घटना में इस्तेमाल की गई बाइक और लूटा हुआ मोबाइल बरामद कर लिया है और उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

गौ मांस, अवशेषों से भरा कैंटर काबू, दो गिरफ्तार

जींद। हरियाणा के जींद जिले के बद्दोवाला गांव के टोल प्लाजा पर मंगलवार रात गौ मांस और अवशेषों से भरा कैंटर पकड़ कर इसके साथ दो तस्करों गिरफ्तार किया गया है। शहर थाना नरवाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों तस्करों के खिलाफ गोवंश संरक्षण तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौ सेना पुत्र के भगत सिंह कालोनी निवासी प्रमोद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया की उन्हें सूचना मिली थी कि हिसार की तरफ से कैंटर में गौमांस तस्करी कर उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। इसके आधार पर गौ पुत्र सेना ने बद्दोवाला गांव के निकट टोल प्लाजा पर नाकेबंदी कर दी। कुछ समय के बाद गौ सेना पुत्रों ने सामने से आ रहे कैटर को रोक कर तलाशी ली तो उसमें गौ मांस और अवशेष पाए गए। गौ सेना पुत्रों ने कैटर सवार दो तस्करों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।

संजय राउत 102 दिन बाद जेल से बाहर

मुंबई की पीएमलए कोर्ट से मिली जमानत

एजेंसी

मुंबई। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को मुंबई की पीएमलए कोर्ट से 102 दिन बाद जमानत मिल गई है। वह शाम आर्थर रोड जेल से बाहर आए। जेल के बाहर शिवसेना समर्थकों ने नारेबाजी कर और गुलाल उड़ाकर उनका स्वागत किया। राउत की जमानत के फैसले को प्रर्वतन निदेशालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस भारती डांगरे इस पर कल सुनवाई करेंगे। कोर्ट ने रिहाई का आदेश तुरंत रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा- सेशन कोर्ट ने फैसला लेने में एक महीना लिया है तो आप हमसे एक दिन में फैसले की उम्मीद कैसे कर सकते हैं।

शाम पांच बजे सेशन कोर्ट से मिले जमानत आदेश की कॉपी लेकर संजय राउत के भाई सुनील राउत और उनकी लीगल टीम आर्थर रोड जेल पहुंचे थे। उन्होंने कागजी कार्यवाही पूरी कराई। सुनील राउत ने बताया कि संजय की तबीयत ठीक नहीं है। जेल से रिहा होते ही वे शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे से मिलेंगे और एक-दो जगह जाएंगे। इसके बाद अस्पताल में भर्ती हो जाएंगे।

31 जुलाई को अरेस्ट हुए थे शिवसेना सांसद

ईडी ने राउत को 31 जुलाई को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 9 घंटे पूछताछ की थी। राउत से 28 जून को भी ईडी ने पूछताछ की थी। उनके घर की तलाशी के दौरान ईडी को 11.5 लाख रुपए नकद मिले थे। राउत या उनके परिवार के लोग इन पैसों का सोर्स नहीं बता पाए थे। संजय पर 1,039 करोड़ के पात्रा चॉल जमीन घोटाले का आरोप है।

सिरसा में 72 फीसदी हुआ मतदान

सिरसा। हरियाणा में दूसरे दौर के पंचायत चुनाव के दृष्टिगत शिक्षा जिला में शाम साढ़े 5 बजे तक 72 फ़ीसदी मतदान हुआ। कुल सात लाख 28 हजार143 मतदाताओं में से पांच लाख 12 हजार 386 मतदाता अपने मत का प्रयोग कर चुके थे। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला ने गांव चौटाला के राज्य के स्कूल में अपना मतदान किया जबकि उनके दोनों पुत्रों कर्ण चौटाला व अर्जुन चौटाला ने सपत्नीक आसा खेड़ा में मतदान किया। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार जिले के साथ पंचायत समितियों में से सबसे ज्यादा मतदान नाथूसरी चौपटा में 76.06 फिसदी, रनिया में 73.07 फ़ीसदी ,ओढ़ां में 72.0 3 फ़ीसदी बड़ागुड़ा में 68.05 फ़ीसदी, ऐलनाबाद में 66.0 5 फ़ीसदी, डबवाली में 67.0 7 फ़ीसदी जबकि सिरसा में 66 .02 फ़ीसदी सबसे कम मतदान हुआ। गांव चौटाला में मतदान करने के उपरांत मीडिया से रूबरू होते हुए इनेलो प्रदेश महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि उनकी पार्टी धरातल से जुड़ी पार्टी है इसलिए जिला परिषद में बहुमत से अधिक प्रत्याशी उनके पार्टी की विजय की ओर बढ़ रहे हैं तथा जिला प्रमुख हरगिज इनेलो का ही बनेगा। गौरतलब है कि अभय सिंह चौटाला के बड़े पुत्र करण चौटाला जिला परिषद के जॉन संख्या 6 से चुनाव लड़ रहे हैं तथा इन्हें जिला प्रमुख के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है।

हिंदू संगठनों की याचिका पर होगी सुनवाई, मलाली मस्जिद की याचिका खारिज

मंगलुरु (कर्नाटक)। कर्नाटक के मंगलुरु में तीसरी अतिरिक्त दीवानी अदालत ने बुधवार को मलाली मस्जिद की याचिका खारिज कर दी, जिसमें हिंदू संगठनों द्वारा दायर मूल मुकदमे की स्थिरता को चुनौती दी गई थी। हिंदू संगठनों की ओर से मस्जिद के सर्वेक्षण की मांग की गई है। हिंदू संगठनों की ओर से कहा गया है कि इस साल अप्रैल में मस्जिद का नवीनीकरण करने के दौरान एक हिंदू मंदिर जैसी संरचना मिली थी।

मलाली मस्जिद प्रबंधन समिति ने मूल मुकदमे की स्थिरता को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि इस मामले को वक्फ अधिनियम के अनुसार वक्फ ट्रिब्यूनल द्वारा सुना जाना चाहिए क्योंकि मस्जिद वक्फ बोर्ड की है।

अदालत ने अपने फैसले में मस्जिद के वकीलों की इस मामले की सुनवाई वक्फ ट्रिब्यूनल द्वारा की जानी वाली दलील को खारिज कर दी। अदालत का यह फैसला उत्तर प्रदेश के वाराणसी की एक अदालत की तर्ज पर है, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद द्वारा दायर किए गए मुकदमे को वक्फ अधिनियम द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया था, क्योंकि वादी (मस्जिद के अंदर प्रार्थना करने की अनुमति की मांग करने वाली पांच महिलाएं) गैर-मुस्लिम हैं और विवादित संपत्ति को लेकर बनाए गए कथित वक्फ के लिए अजनबी हैं।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में मलाली मस्जिद के जीर्णोद्धार के दौरान एक हिंदू मंदिर जैसी संरचना मिलने के बाद विवाद खड़ा हो गया। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों ने अदालत द्वारा नियुक्त आयुक्त के माध्यम से एक सर्वेक्षण की मांग की।

श्री टी.ए. धनंजय और श्री बी.ए. मनोज कुमार ने थर्ड एडिशनल सिविल कोर्ट में एक याचिका दायर कर मस्जिद के सर्वे की मांग की थी।

भूकम्प के तेज झटकों से सहमा उत्तराखंड

नैनीताल। उत्तराखंड में मंगलवार देर रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए। रिएक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.3 रही। उत्तराखंड में इससे लोगों में दहशत पैदा हो गयी। कुमाऊँ में फिलहाल जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके ठीक 1.57 मिनट पर महसूस किये गये। लोग उस समय गहरी नींद में थे। यकायक धरती में तेज कंपन हुआ। कुछ सेकंड के लिए भूमि हिली। लोग खूले स्थानों के लिए भागे। भूंकप का केन्द्र भारत-नेपाल सीमा बताया जा रहा है। साथ ही इसकी गहराई सतह से दस किमी नीचे रही। भूकंप का केंद्र नेपाल सीमा पर होने के चलते चीन, नेपाल व भारत में इसका असर देखने को मिला। उत्तराखंड के नेपाल सीमा से सटे पिथौरागढ़, चंपावत, बागेश्वर जनपदों में फिलहाल कोई नुकसान की सूचना नहीं है। इन जनपदों में आपदा प्रबंधन केन्द्र सक्रिय हो गए हैं।

'मतदाता पंजीकरण' को बढ़ावा देने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने शुरू किए कई कार्यक्रम

पुणे। निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और ईसी अनूप चंद्र पांडे ने बुधवार को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में मतदाता पंजीकरण, लोकतंत्र के लिए पहला कदम विषय पर एक मल्टी-मीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी अगले तीन दिनों के लिए प्रदर्शित की जाएगी। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) और डीईओ पुणे द्वारा किया गया था।

राजीव कुमार ने महाराष्ट्र के पुणे शहर में मतदाता सूची के विशेष सारांश संशोधन की भी राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत की। उन्होंने मतदाता पंजीकरण के बारे में जागरुकता फैलाने के वास्ते एक साइकिल रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि भारतीय मतदाता सूची में लगभग 2.49 लाख

मतदाता हैं, जिनकी उम्र 100 साल से अधिक है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, 1.80 करोड़ मतदाता 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की इस पहल का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं के पंजीकरण में वृद्धि करना है।

भारतीय मतदाता सूची की मजबूती और सुंदरता के बारे में बताते हुए, कुमार ने कहा कि देश में हिमालय की सबसे ऊंची चोटियों, दक्षिण में तटी इलाकों, पश्चिम में रेगिस्तान और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के भी मतदाता हैं। उन्होंने कहा, "आपको यह जानकर खुशी होगी कि मतदाता सूची में करीब 2.49 लाख मतदाता हैं, जिनकी उम्र 100 से अधिक है। जब आप उनके साथ बातचीत करेंगे तो पाएंगे कि वह जीवन भर मतदान करते रहे हैं और इससे क्या राहत और उत्साह महसूस होता है।" उन्होंने रैली के बाद संवाददाताओं से कहा, इसके अलावा, 1.80 करोड़ मतदाता हैं जिनकी उम्र 80 वर्ष से अधिक है।

कुमार ने भारत के पहले मतदाता श्याम सरन नेगी की ज़िक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मृत्यु से तीन दिन पहले डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया था। "यही ज़ज़्बा है।" उन्होंने कहा, "सारांश संशोधन हर साल होता है, लेकिन इस साल हम एक बहुत ही केंद्रित गतिविधि कर रहे हैं और इसे आज पुणे से पूरे देश में शुरू कर रहे हैं।"

नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ

लंदन हाईकोर्ट ने कहा- प्रत्यर्पण का फैसला न तो नाइंसाफी न ही इसमें कोई दबाव

लंदन। नीरव मोदी पर मेहुल चौकसी के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक से करीब 14 हजार 500 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। उसे वापस लाने के लिए भारतीय एजेंसियों ने सरकारी और कानूनी स्तर पर अर्जी दायर की थी। इनमें कहा गया था कि नीरव ने भारत के बैंकिंग सिस्टम के साथ फ्रॉड किया है, इसलिए उसे कानूनी प्रक्रिया के लिए भारतीय एजेंसियों के हवाले किया जाए।

लंदन में ऐश-ओ-आराम की जिंदगी गुजार रहे इस भगोड़े ने अपने बचाव में कई तर्क दिए। नीरव ने यहां तक कहा

कि वो भारतीय कानून का सामना करने को तैयार है, लेकिन उसे भारतीय एजेंसियों के हवाले न किया जाए। जब निचली अदालत ने उसे भारत को सौंपने का फैसला किया तो उसने हाईकोर्ट का रुख किया और अब हाईकोर्ट ने भी उसकी पिटीशन खारिज कर दी है।

नीरव ने कहा था- भारत में जेलों की हालत बेहद खराब

नीरव ने पिटीशन में कहा था- भारत में जेलों की हालत बेहद खराब है और वहां उसे जान का खतरा भी हो सकता है। इसके जवाब में भारतीय एजेंसियों ने लंदन की अदालत को विस्तार से जानकारी दी और बताया कि नीरव सिर्फ बचने का रास्ता खोज रहा है। अदालत ने इसी आधार पर उसे भारत के हवाले करने का आदेश सुनाया है। अदालत ने कहा- नीरव को भारत के हवाले करने का फैसला न तो नाइंसाफी है और न ही इसे किसी दबाव के तौर पर लिया जाना चाहिए।

लूट के बाद पति-पत्नी के हत्यारों को उम्रकैद की सजा

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले के उमरा गांव में लूटपाट के उपरांत पति-पत्नी की हत्या के तीन दोषियों को स्थानीय अदालत ने बुधवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। उमरा गांव निवासी विजेंद्र, जॉनी उर्फ अनिल और बंटी ने करीब छह साल पहले सेवानिवृत्त हेडमास्टर रामकुमार और उसकी पत्नी गायत्री की घर में लूटपाट करने के बाद तेजधार हथियार से हत्या कर दी थी। इस मामले में आज अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित शेरावत की अदालत ने दोषियों को सजा सुनाई। तीनों को उम्रकैद के साथ 10-10 हजार रुपए जुर्माना भी किया गया है। पुलिस ने दम्पति के पुत्र राजेश कुमार की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया था।

खाद न मिलने से नाराज किसानों ने हांसी-हिसार रोड पर लगाया जाम

हिसार। हरियाणा में डीएपी खाद की किल्लत से नाराज़ किसानों ने बुधवार को हिसार जिले के हांसी में रोड जाम कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार किसानों ने हांसी-हिसार रोड पर काली देवी मंदिर के पास दोपहर साढ़े 12 बजे जाम लगाया था और बाद में इफको किसान सेवा केन्द्र पर खाद मिलनी शुरू होने के बाद ही किसानों ने जाम को खोला। जाम के दौरान एक एंबुलेंस भी फंस गई जिसको किसानों ने जाम में फंसी रोड़वेज की बस को रास्ते से हटवाकर एंबुलेंस को रास्ता दिलवाया। किसानों ने आरोप लगाया कि वह हर रोज सुबह चार बजे ठंड के मौसम में खाद लेने के लिए कई घंटों तक लाईन में लगे रहते हैं जब खाद मिलने की बारी आती हैं तो कोई ना कोई समस्या बता कर उन्हें बिना खाद के वापस भेज दिया जाता है। उन्होंने बताया कि गेहूं की बिजाई के लिए डीएपी खाद की कमी से किसानों को खासी परेशानी हो रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि पिछले तीन सालों से हरियाणा में डीएपी खाद की किल्लत हो रही है। उधर, इफको किसान सेवा केंद्र के प्रभारी आज्ञा राम ने बताया कि अभी तक डीएपी खाद का सिर्फ एक ही ट्रक आया है। उन्होंने सुबह आते ही टोकन काट दिए थे लेकिन मशीन ना चलने के कारण किसानों को खाद देने में दिक्कत आई थी जैसे ही मशीन चलनी शुरू हुई तो उन्होंने खाद का वितरण करना शुरू कर दिया था।

बदमाशों ने सरेआम बाजार में मारी युवक को गोली

फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के टोहाना के किला मोहल्ला में मंगलवार रात मोटरसाईल पर सवार बदमाशों ने सरेआम बाजार में एक युवक को गोली मार दी और फरार हो गये।

पुलिस ने बताया कि घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, लेकिन इसमें गोली चलाने वाला दिखाई नहीं दे रहा। गोली लगने से घायल युवक सागर को हिसार जिले के अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सागर के भाई विनोद ने बताया कि वह अपने भाई और मोहल्ले के ही एक अन्य युवक रजत के साथ वाल्मीकि चौक नया बाजार मोड़ पर सब्जी खरीद रहे थे। इसी दौरान मोटरसाईल पर सवार तीन युवकों में दमकोरा रोड निवासी सुनील उर्फ डब्लू और कनहडी निवासी शुभम उर्फ लफ्टी उसके भाई पर गोली चला दी। एक गोली सागर की पीठ पर लगी और वह वहीं पर गिर गया।

लाहौल स्पीति में बर्फबारी, लोसर-कुंजुम सहित एनएच-505 वाहनों की आवाजाही बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम के करवट लेते ही ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात हुआ जिससे राज्य में ठंड़ शुरू हो गई है।

प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले के ऊंचे दरों पर लगातार हो रही बर्फबारी के चलते जिला प्रशासन ने एहतियातन लोसर और कुंजम पास और शिंकुला पास के दारचा शिंकुला मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही आगामी आदेशों तक बंद कर दी है। बर्फबारी से एनएच 505 (ग्रांफु-काजा) फिलहाल वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। बीआरओ सड़क को खोलने में जुट

गया है। मौसम खराब होने के कारण अभी एनएच खुलने में वक्त लग सकता है। मौसम विभाग ने नौ और 10 नवंबर को प्रदेश के कई इलाकों में मौसम खराब रहने का अलर्ट जारी किया है जिसमें लोसर स्पीति में बर्फबारी होने का अनुमान है। केंलाग से उपायुक्त लाहौल स्पीति एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सुमित खिमटा ने आदेश जारी करते हुए कहा कि एनएच-505 ग्रामफू-काजा हाईवे और शिंकुला टॉप दारचा शिंकुला रोड ग्रामफू से लोसर दारचा से शिंकुला सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगी। उपायुक्त सुमित खिमटा ने बताया की बीआरओ द्वारा सड़क बहाल करने के उपरान्त एवं बीआरओ से मंजूरी के बाद ही वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। उपायुक्त खिमटा ने खराब मौसम के कारण स्थानीय लोगों और पर्यटकों को घाटी में यात्रा करते समय बहुत सतर्क रहने की सलाह दी है। सभी होटल और होमस्टे मालिकों से भी अनुरोध किया है कि वे अपने मेहमानों को भी इसी तरह सलाह दें।

डबल इंजन सरकार ने बदली हरियाणा की दिशा,दशा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि वर्ष 2014 में राज्य में बनी डबल इंजन सरकार की विकासात्मक सोच का परिणाम राज्य में दिखने लगा है और गत आठ वर्षों में इसे विकास के स्तर पर रिकॉर्ड कायम किया है।

मनोहर लाल ने कहा कि राज्य की आधारभूत संरचना के विकास में न केवल धन की उपलब्धता बढ़ाई गई है, बल्कि पूरे प्रदेश में सभी क्षेत्रों में नए प्रोजेक्ट लगाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नीतिगत बदलाव कर लम्बी अवधि की परियोजनाओं के लिए 8700 करोड़ रुपये का मध्यम अवधि खर्च आरक्षित कोष बनाया है। राज्य में 59 रेलवे ओवर ब्रिज और रेलवे अंडर ब्रिज बनाए गए हैं तथा 40 का काम प्रगति पर है। सरकार ने 7717 करोड़ रुपये की लागत से 18,470 किलोमीटर लम्बी सड़कों का सुधार किया है। राज्य में 17 नए राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित हुए हैं जिनमें से सात का कार्य पूरा हो चुका

है और 10 प्रगति पर हैं। लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की लागत से सराय कालेखां-करनाल और सराय-कालेखां से अलवर राजस्थान बॉर्डर के बीच रिजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम क्नेक्टिविटी परियोजना शुरू की गई। पलवल-सोनीपत और सोहना-मानेसर के लिए 5,618 करोड़ रुपये की लागत से हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर का भी शिलान्यास किया गया है। रोहतक में देश की पहली एलिवेटिड रेलवे लाइन बनाई गई कुरुक्षेत्र में भी एलिवेटेड रेलवे लाइन का कार्य शुरू हो चुका है। दिल्ली के चारों तरफ यातायात को सुगम करने के लिए कुंडली-मानेसर-पलवल और कुण्डली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे बनाये गए, जिन पर यातायात शुरू हो चुका है। सोनीपत-जींद रेलवे लाइन पर भी यातायात शुरू तथा रोहतक -महम-हांसी और करनाल यमुनानगर रेलवे लाइन का कार्य शुरू हो गया है।

इसके अलावा, नरेला से कुण्डली, सोनीपत हुडा सिटी सेंटर रेलवे स्टेशन सेक्टर-22, साइबर सिटी फरीदाबाद और गुरुग्राम व रेजांगला चौक से सेक्टर-21 द्वारका तक भी दिल्ली मेट्रो विस्तार को मंजूरी मिल गई है। राज्य ने गत आठ वर्षों में अम्बाला और भिवानी के रिंग रोड तथा हिसार, करनाल, कुरुक्षेत्र, पिंजौर तथा जींद नगरों के बाइपास बनाए गए हैं।

मुख्यमंत्री का दृढ़ विश्वास है कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में जिस गति से विकास के कार्य ?हुए हैं, उस गति से आगे बढ़ते हुए आने वाला हरियाणा 21वीं सदी का विकसित और समृद्ध प्रदेश होगा, जहां शांति, सद्भावना और आपसी भाईचारे की कड़ियां और भी मजबूत होंगी। राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका सम्मान की आदर्श नीति पर चलते हुए कार्य करती रहेगी।

बांका : अपराधियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला, दो जवान घायल

बाँका। बिहार में बांका जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र के मोलनचक गांव में अपराधियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर किए गए हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि पुलिस दल के जवान एक वांटेड अपराधी को गिरफ्तार करने गए। संयोग से घर के पास ही अपराधी लालमोहन गोस्वामी मिल गया, पूछने पर उसने अपने नाम लालमोहन बताया, जिसे पुलिस ने पकड़ने की कोशिश की तो वह भागने लगा। इस पर पुलिस ने पिस्तौल निकाल ली। सिविल ड्रेस में रहने के कारण ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों को बदमाश समझ कर पकड़ा और दोनों जवान से पिस्तौल एवं मोबाइल छीन लिया और मारपीट करते हुए लिखनीपोखर गांव पहुंचा दिया। घटना की सूचना मिलते ही गांव को जिला पुलिस बल ने घेर लिया और ग्रामीणों के साथ मारपीट किया। पुलिस की पिटाई में कई ग्रामीणों के घायल होने की सूचना है।

रिसॉर्ट में युवती के रक्त रंजित शव मिलने मामले में जांच जारी

मौके से मिली आईडी निकली फर्जी

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के तिलवारा थाना क्षेत्र स्थित एक रिसॉर्ट से एक युवती के रक्त रंजित शव मिलने मामले की जांच में घटना स्थल से मिली आईडी फर्जी निकली है। हालांकि युवती की शिनाख्त हो गयी है, वह जिले के कुंडम थाना क्षेत्र की रहने वाली है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना की जांच में मौके से दो ब्लैड मिले थे तथा युवती के पास रखे बैग की जांच करने पर आधार कार्ड मिला, जिससे उसका नाम रेखा था। आधार कार्ड के आधार पर शिनाख्त के लिए उसकी बुआ को बुलाया गया था। जिसने फोटो देखकर मृतिक के भतीजी होने से इंकार कर दिया है। जांच में पाया गया कि युवक और युवती के आईडी कार्ड फर्जी हैं। युवती की शिनाख्त हो गयी है और वह कुंडम निवासी है। युवती ने परिजनों को बताया कि वह जबलपुर में नौकरी करती थी। युवती ने जिस संस्थान का नाम लिया था, वास्तव में वहां नौकरी नहीं करती थी। रिसॉर्ट के फुटेज से युवक की तस्वीर मिल गयी है और उसकी तलाश जारी है।

तिलवारा थाना क्षेत्र के घाना स्थित एक रिसॉर्ट में रविवार को एक प्रेमी युगल आकर रूके थे। युवक ने आईडी के रूप में अभिजीत पाटीदार निवासी गुजरात का आधार कार्ड दिया था। रिसॉर्ट में रूकने के बाद युवक और युवती साथ में घूमने के लिए के लिए निकल गये और रात को वापस आये थे। सोमवार की शाम तक युवक को देखा गया था। इसके बाद वह कहीं चला गया था। युवती रात के समय कमरे में अकेले रूकी थी और खाने का ऑर्डर नहीं दिया था। मंगलवार की सुबह भी कुछ आर्डर नहीं देने पर रिसॉर्ट के मैनेजर को शंका हुयी ।उसने दोपहर में पुलिस को सूचित किया।

शार्ट न्यूज

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 10 नवंबर को करेंगे दिल्ली विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उद्घाटन

नई दिल्ली। भारत के उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ 10 नवंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इन्फ्रास्ट्रक्चर, इनफॉर्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत का उद्धटन करेंगे। विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, गांधी स्मृति एवम दर्शन समिति तथा दिल्ली पुस्तकालय संघ और S.R.F.L.I.S. द्वारा संयुक्त रूप आयोजित इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री जगदीप सिंह धनखड़ होंगे। इस अवसर पर कौशल विकास, उद्द्यमशीलता एवम् इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना मंत्रालय, भारत सरकार के राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर तथा गांधी स्मृति एवम दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह के द्वारा की जाएगी। सम्मलेन के आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी एवं गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक तथा दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. केपी सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में देश-विदेश से 600 से अधिक प्रतिभागी, प्रतिनिधी, शिक्षाविद, वैज्ञानिक, कुलपति, आचार्य पुस्तकालयध्यक्ष आदि भाग लेंगे और इन्फ्रास्ट्रक्चर, इनफॉर्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार विमर्श और परिचर्चा करेंगे।

भारतीय युवा कांग्रेस के नए राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बने वरुण कुमार पांडेय

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी ने और राष्ट्रीय प्रभारी एवम् एआईसीसी के ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री कृष्णा अल्लवरू ने श्री वरुण कुमार पांडेय को भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। वरुण कुमार पांडेय मूलत: मध्य प्रदेश के रहवासी है, और पूर्व में भारतीय युवा कांग्रेस के मीडिया विभाग के सह प्रभारी थे, इस ही दौरान उन्होंने संगठनात्मक चुनाव में भी हिस्सा लिया, जिसमे वो विजय होकर प्रदेश के महासचिव भी नियुक्त हुए, ये चुनाव श्री राहुल गांधी जी द्वारा शुरू किए गए थे, तब से लेके आज तक श्री वरुण कुमार अनेकों पदो पर पदस्थ रहे है पहले एनएसयूआई और बाद में भारतीय युवा कांग्रेस में।

युवती के हत्यारोपी को जेल भेजा

नोएडा। होशियारपुर बाजार में चौथी मंजिल से धक्का देकर युवती की हत्या करने वाले सिरफिरे गौरव को पुलिस ने बुधवार को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया। आरोप है कि उसने अपनी शादी के बाद से ही युवती को परेशान करना शुरू कर दिया था। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर उसे उसके पिता ने भी घर से भगा दिया था। थाने में युवती से माफी मांगने के बाद भी उसकी हरकतों में सुधार नहीं आया। होशियारपुर की शर्मा मार्केट में 22 वर्षीय युवती शीतल इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी करती थी। वह मंगलवार दोपहर मार्केट की चौथी मंजिल से नीचे गिर गई थी। गौरव ने तकरार होने के बाद उसे धक्का दिया था। आरोपी उसके शव को जलाने के लिए बिजनौर लेकर जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे मेरठ के कंकरखेड़ा से गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गौरव की शादी अप्रैल 2022 में हुई थी। उसकी पत्नी बिजनौर स्थित उसके गांव में रहती है। शादी के बाद युवती ने उससे बात करना बंद कर दिया। तब से ही आरोपी उसे लगातार परेशान कर रहा था। इसको लेकर गौरव के खिलाफ 29 सितंबर को भी सेक्टर-49 थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। यहां पर आरोपी ने शीतल से माफी मांगी थी। इसके बाद भी वह युवती को परेशान करता था।

बुलडोजर चला करोड़ों की सरकारी जमीन मुक्त कराई

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार को धूम मानिकपुर में अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया और 33 हजार वर्ग मीटर सरकारी जमीन को खाली करा लिया। प्राधिकरण द्वारा कब्जा मुक्त कराई गई जमीन की कीमत करीब 66 करोड़ बताई गई है। कॉलोनाइजर ने जमीन पर कब्जा कर लिया था। प्राधिकरण के प्रभारी जीएम प्रोजेक्ट सलिल यादव ने बताया कि धूम मानिकपुर के खसरा नंबर 1974, 1975, 1985 में पूर्ण और खसरा नंबर 2020, 2014 और 2018 के आंशिक भू भाग की 33 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा था। कॉलोनाइजर यहां अवैध निर्माण कर रहे थे। प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों की मदद से बुधवार को इन खसरा नंबरों की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को हटा दिया गया। करीब 33 हजार वर्ग मीटर जमीन खाली कराई गई, जिसकी कीमत करीब 66 करोड़ रुपये आंकी गई है। प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने अधिसूचित अथवा अधिग्रहित एरिया में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

डॉक्टर ने किया महिला से डिजिटल रेप किया

नोएडा। भंगेल स्थित क्लीनिक में इलाज कराने आई महिला से डॉक्टर ने डिजिटल रेप किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी डॉक्टर को सेक्टर-92 से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उसे जेल भेज दिया है। फेज-2 थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला सात सितंबर को भंगेल स्थित आयुर्वेदिक के डॉक्टर के क्लीनिक पर इलाज कराने गई थी। महिला का आरोप है कि आरोपी डॉक्टर ने पहले तो उनके साथ डिजिटल रेप किया। फिर उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही, मामले के बारे में किसी को कुछ न बताने की धमकी दी। आरोपी के क्लीनिक से निकलकर महिला ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ डिजिटल रेप सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद ही आरोपी फरार हो गया था। तभी से पुलिस उसकी तलाश में थी। पुलिस ने उसे बुधवार को डॉक्टर को सेक्टर-92 से गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा कार्यकर्ता लोकमन प्रधान को पुलिस ने नजरबंद किया

ग्रेटर नोएडा। भाजपा कार्यकर्ता सिंगा पंडित पर हुए जानलेवा हमले का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार सुबह पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देने जा रहे भाजपा नेता लोकमन प्रधान को पुलिस ने उनके समर्थकों के साथ लखनावली स्थित उनके आवास पर नजरबंद रखा। लखनावली गांव में सुबह से ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। ब्राह्मण समाज के लोगों ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन लखनावली गांव पहुंचे एसीपी को सौंपा। भाजपा के मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ता सिंगा पंडित पर हुए हमले के मामले में रविवार को लखनावली गांव में लोकमन प्रधान के आवास पर एक पंचायत का आयोजन किया गया था। पंचायत में तय हुआ था कि ब्राह्मण समाज के लोग बुधवार को नोएडा सेक्टर 108 स्थित पुलिस कमिश्नर के कार्यालय पर पहुंचकर उन्हें ज्ञापन सौंपेंगे। अपने तय कार्यक्रम के अनुसार बुधवार की सुबह लोकमन प्रधान अपने समर्थकों के साथ सेक्टर-108 स्थित पुलिस आयुक्त के दफ्तर पर ज्ञापन देने जा रहे थे।

दुष्कर्म के आरोपी ने सिक्योरिटी इंचार्ज को कार से टक्कर मारी

नोएडा। सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में पुलिस से बचने के लिए दुष्कर्म के आरोपी ने अपनी कार दौड़ा दी। उसने सोसाइटी के गेट पर तैनात सिक्योरिटी इंचार्ज को कार से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस ने उसके खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की है। आरोपी एक कंपनी में जीएम के पद पर कार्यरत है। सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में नीरज सिंह रहता है। वह गुरुग्राम की कंपनी में जीएम के पद पर कार्यरत है। सेक्टर-113 थाना प्रभारी ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले नीरज के खिलाफ उसके साथ कंपनी में काम करने वाली महिलाकर्मी ने दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। उस समय दोनों नोएडा की एक कंपनी में कार्यरत थे।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया का बड़ा योगदान : प्रो. योगेश सिंह

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म द्वारा 'मीडिया एंड अकाउंटेबिल्टी' पर आयोजित सेमिनार में बोले कुलपति

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया का बड़ा योगदान है। प्रो. योगेश सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म द्वारा आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। गौरतलब है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के आयोजनों की कड़ी में वरिष्ठ पत्रकार के. आर. मलकानी के जन्म दिवस शताब्दी समारोह के अवसर पर बुधवार को मीडिया एंड अकाउंटेबिल्टी विषय पर इस सेमिनार का आयोजन किया गया था।

सेमिनार के दौरान कुलपति ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि इस सेमिनार के माध्यम से पत्रकारिता के विद्यार्थियों को वरिष्ठ पत्रकार के. आर. मलकानी के बारे में गहनता से जानने का मौका मिलेगा। उन्होने कहा कि मलकानी ऐसे पत्रकार थे जो एक साथ हिन्दी और अंग्रेजी समाचार पत्रों के संपादक रहे। मीडिया के विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि आज के दौर में भी प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया की अकाउंटेबिल्टी बहुत है, लेकिन शोसल मीडिया में अकाउंटेबिल्टी की कमी नज़र आती है। उन्होने कहा कि समय के साथ धीरे-धीरे यह भी स्ट्रीम लाइन हो जाएगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ऐसी चीजें बहुत दिनों तक नहीं चला करती।

कुलपति ने कहा कि पत्रकार किसी से घबराते नहीं हैं, लेकिन वह भी देश के लोगों से घबराते हैं। पत्रकार देश के प्रति जवाबदेह हैं। वह खुद की क्रेडिबिल्टी से घबराते हैं। लोकतंत्र में बहुत से सिस्टम कमजोर हुए हैं, लेकिन पत्रकारिता कमजोर नहीं हुई है। पत्रकारिता का काम लोगों की चेतना को जगाए रखना है। उन्होने मीडिया के विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे निर्भीक और सच्चे पत्रकार बनें। यह समाज सेवा का काम है और बहुत ही अच्छा काम है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्यातिथि व दिल्ली विश्वविद्यालय एक्सक्यूटिव काउंसिल के सदस्य राजकुमार भाटिया ने अपने संबोधन में बताया कि वरिष्ठ पत्रकार के. आर. मलकानी के साथ उनका बहुत लंबा संबंध रहा है। जब मलकानी आपात काल के दौरान जेल में रहे तो वह स्वयं भी उनके साथ 19 महीने जेल में रहे। उन्होने अपने संबोधन के दौरान मीडिया एंड अकाउंटेबिल्टी पर चर्चा करते हुए कहा कि यह वास्तव में गहन चर्चा का विषय है। समारोह के विशिष्ट अतिथि, इंटीग्रल ह्यूमेनिजम के आर एंड डी फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ महेश चंद्र शर्मा ने के. आर. मलकानी के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि मलकानी की पत्रकारिता राष्ट्रीय की परिचायक रही है। सेमिनार के मुख्य वक्ता, प्रसार भारती बोर्ड के सदस्य अशोक कुमार टंडन ने के. आर. मलकानी के लेखों के उदाहरणों द्वारा पत्रकारिता के मानदंडों पर प्रकाश डाला। उन्होने मीडिया की स्वतंत्रता की व्याख्या करते हुए बताया कि भारतीय संविधान की धारा 19 (1) के अंतर्गत जो अभियक्ति की स्वतंत्रता आम नागरिकों को है वही मीडिया को है। उन्होने विभिन्न आदालती निर्णयों की चर्चा करते हुए कहा कि मीडिया को स्व-नियंत्रण की जरूरत है। सेमिनार के शुरू में दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म के निदेशक प्रो. जय प्रकाश दुबे ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अरविंद केजरीवाल लांच करेंगे एमसीडी के लिए 'केजरीवाल की 10 गारंटी' : मनीष सिसोदिया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में एमसीडी चुनाव को लेकर आज सुबह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की अहम बैठक हुई। बैठक में हुई चर्चा की जानकारी देते हुए आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी कल एमसीडी के लिए केजरीवाल की 10 गारंटी लांच करेंगे। दिल्ली के लोग मांग कर रहे हैं कि एमसीडी में अब ऐसी सरकार आनी चाहिए कि भाजपा के कुशासन, भ्रष्टाचार, कूड़े के पहाड़ों और अव्यवस्था से उनको मुक्ति मिल सके। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले 15 साल में दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। दिल्ली में चारों तरफ कूड़े के पहाड़ बना दिए गए हैं।

दिल्ली के हर कोने, हर गली, हर पार्क में कूड़ा फैला हुआ है। इसके अलावा, व्यापारियों और छोटे-छोटे दुकानदारों का शोषण हो रहा है। दिल्ली में एक आम आदमी को तब तक अपना मकान बनाने नहीं दिया जाता है, जब तक कि भाजपा के किसी व्यक्ति को पैसा नहीं चढ़ा दिया जाए।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर पार्टी की आज हुई अहम बैठक में आप के वरिष्ठ नेता एवं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एमसीडी चुनाव से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर पार्टी नेताओं के साथ विस्तार से चर्चा की।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बैठक में हुई चर्चा के बारे मीडिया को जानकारी साझा करते हुए कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं सीएम अरविंद केजरीवाल जी की अध्यक्षता में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की आज बैठक हुई। बैठक में चर्चा हुई कि किस तरह से दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 15 साल में दिल्ली नगर निगम को बर्बाद कर दिया है। भाजपा ने एक तरह से दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। दिल्ली के हर कोने में, हर गली में, हर पार्क में कूड़ा फैला हुआ है। दिल्ली में पार्कों की हालत बहुत ही खराब है। सड़कों के ऊपर आवारा पशु हैं और बहुत बुरी तरह से सड़कों की हालत खराब कर रहे हैं। दिल्ली में किस तरह से व्यापारियों और छोटे-छोटे दुकानदारों का शोषण हो रहा है और उनसे पैसा ले लिया जाता है। किस तरह से दिल्ली में कोई आम आदमी अपना मकान बनाना शुरू करता है, तो बिना पैसा दिए उसको मकान बनाने नहीं दिया जाता है, जब तक कि भाजपा के किसी व्यक्ति को पैसा नहीं चढ़ा दिया जाए। किस तरह से पूरी दिल्ली में चारों तरफ कूड़े के पहाड़ बना दिए गए हैं। बैठक में इन सब मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। एक आम आदमी के लिए, ट्रेडर्स के लिए और स्कूल- अस्पतालों के लिए नगर निगम में क्या-क्या करना है और चुनाव के बाद जब आगे चीजें बढ़ेंगी, तो किस तरह से इन चीजों को आगे लेकर जाना है, इस पर विस्तार से चर्चा हुई।

डिस्पेंसरी के लिए नेताओं को लिखे पत्र

कटवारिया सराय में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जूझ रहे स्थानीय लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। एक तरफ दिल्ली सरकार दिल्ली में अपनी स्वास्थ्य सेवाओँ को बेहतर बनाने का दम भरती है, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के लोग क्षेत्र में डिस्पेंसरी तक नहीं होने की शिकायत कर रहे हैं।

दिल्ली के कटवारिया सराय के समाजसेवी सुनील सनसनवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और सांसद रमेश बिधूड़ी को पत्र लिखकर शिकायत की है कि उनके क्षेत्र में लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कई वर्षों से जूझ रहे हैं। इसलिए क्षेत्र में कम से कम एक डिस्पेंसरी खुलवा दी जाए। सुनील सनसनवाल ने पत्र में लिखा है कि पिछले 10 वर्षो में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के निगम पार्षद हमारे लाडो सराय वार्ड में रहे, लेकिन उन्होंने गांव की इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया लाडो सराय में 2 मोहल्ला क्लिनिक्ल आप के निगम पार्षद के द्वारा खुलवा दी गई। बेर सराय में एक मोहल्ला क्लिनिक आप के निगम पार्षद के द्वारा खुलवा दी गई एवं एक सीजीएचएस की डिस्पेंसरी भी बेर सराय में है। लेकिन कटवारिया सराय में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर कुछ भी नहीं है। कटवारिया सराय में लगभग एक लाख लोग निवास करते हैं जिनको स्वास्थ्य सेवाओं के लिए परेशानियों से गुजरना पड़ता है और दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

भाकियू ने एनपीसीएल अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया

ग्रेटर नोएडा। भारतीय किसान यूनियन की बुधवार को एनपीसीएल ऑफिस में अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई। जिसमें किसानों की बिजली संबंधी समस्याओं को एनपीसीएल के अधिकारियों को अवगत कराया गया। अधिकारियों ने किसानों की समस्या के समाधान को लेकर एक सप्ताह का समय मांगा है।

भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि किसानों की बिजली से संबंधित बहुत सारी समस्याएं हैं। इसमें बिजली रीडिंग के बिल बहुत ज्यादा आ रहे हैं। किसानों के जो पुराने कनेक्शन हैं उनके नाम ट्रांसफर होने चाहिए। नाम ट्रांसफर का कोई भी चार्ज ना लिया जाए। जिन किसानों पर गलत तरीके से चोरी के मुकदमे लगे हैं तुरंत समाप्त होने चाहिए। जो गांवों में ओवरलोड लगाकर ज्यादा बिल की वसूली के बिल बने हैं उन्हें नॉर्मल से लिया जाए। मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने कहा जिन किसानों ने काफी दिनों से बिजली के बिल नहीं भरे हैं उस पर ब्याज एवं पेनल्टी को माफ किया जाए और जर्जर तार बदले जाएं। नलकूपों पर मीटर नहीं लगाये जाए। ग्रामीणों के कनेक्शन पर ज्यादा बिल होने पर कनेक्शन नहीं कटेंगे उन लोगों से किस्तों में बिल लिया जाए।

स्कॉर्पियो की बोनट पर बैठ युवती का स्टंट, वीडियो वायरल पर पुलिस ने लिया एक्शन

नोएडा। नोएडा में कार की बोनट पर बैठ स्टंट दिखा रही एक युवती का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में युवती कार की बोनट पर बैठी हुई है और कार धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। काले रंग की स्कॉर्पियो की बोनट पर बैठी युवती के वीडियो पर पुलिस पर की भी नजर पड़ चुकी है और पुलिस ने इसपर कार्रवाई भी की है। मामला सेक्टर -24 थाना क्षेत्र का है। स्कॉर्पियो की बोनट पर स्टंट का यह वीडियो रात का लग रहा है। सड़क पर युवती को कार की बोनट पर बैठा देख वहां आसपास के लोग हैरत में पड़ जाते हैं। बहरहाल अब पुलिस ने इस कार को जब्त कर लिया है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। इससे पहले इसी साल सितंबर के महीने में नोएडा में कार और मोटरसाइकिल से खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सामने आया था। वीडियो में करीब एक दर्जन युवक एक साथ बाइक और दो कार पर बैठे हुए स्टंट करते दिखाई दे रहे थे। वीडियो में साफ देखा जा सकता था कि बाइक, स्कॉर्पियो और सैंट्रो कार में युवक स्टंट कर रहे थे। स्टंटबाजी का वायरल वीडियो ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र का बताया गया था। वीडियो में स्कॉर्पियो में सवार युवक चलती गाड़ी की छत और बोनट पर नजर आए थे जबकि बुलेट पर आगे चल रहा एक युवक अचानक हाथ छोड़कर बाइक चलाने लगता है।

दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को जारी किया नोटिस

छावला सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों की सुरक्षा की मांग की

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सामूहिक बलात्कार की 19 वर्षीय पीड़िता के परिवार की सुरक्षा मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। लड़की छावला, दिल्ली की निवासी थी और उसका 2012 में कुतुब विहार से अपहरण कर लिया गया था। उसका मृत शरीर अपहरण के तीन दिन बाद हरियाणा में क्षत-विक्षत अवस्था में पाया गया था। बेरहमी से हत्या करने से पहले लड़की के साथ अत्यंत क्रूरता की गयी थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, उसकी आंखों में तेजाब डाला गया, उसके गुप्तांगों में कांच की बोतल डाली गई, उसे सिगरेट और लोहे की रॉड से जलाया गया और अंत में उसकी हत्या कर दी गई। 2014 में निचली अदालत ने आरोपी व्यक्तियों को दोषी ठहराया और उन्हें मौत की सजा दी। माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली ने भी इस मामले को दुर्लभतम मामला मानते हुए फैसले को बरकरार रखा।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की जांच और परीक्षण पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है और कुछ अन्य चूकों के साथ अपर्याप्त सबूत और अनुचित जांच का हवाला देते हुए सभी तीन अभियुक्तों को बरी कर दिया है। दिल्ली पुलिस को जारी नोटिस में आयोग ने कहा है कि मामला बेहद संवेदनशील है और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अपराधी खुले घूम रहे हैं, मृतक लड़की के परिवार के सदस्यों को तुरंत उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

आयोग ने पुलिस से मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है और पुलिस से पीड़िता के परिवार के सदस्यों को मुहैया कराई गई सुरक्षा की जानकारी देने को कहा है। दिल्ली पुलिस को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए अन्य कदमों के बारे में 48 घंटों में आयोग को सूचित करने के लिए भी कहा गया है।

स्वाति मालीवाल ने कहा, मैं उस जघन्य अपराध और मामले की प्रगति से बहुत दुखी हूं, जिसके कारण अंतत: मृतका और उसके परिवार को न्याय से वंचित होना पड़ा। यह कई स्तरों पर गहराई से परेशान करने वाला है और हमारे सिस्टम पर कई सवाल उठाता है। आयोग मामले में कानूनी राय ले रहा है। हालांकि, इस बीच परिवार की सुरक्षा चिंता का विषय है और इसलिए हमने इसे सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है।

पालम 360 के प्रधान चौधरी रामकरण सोलंकी जी के 70वें जयंती दिवस पर दिल्ली के मटियाला में उमड़ा जनसैलाब

चौधरी रामकरण सोलंकी जी आजीवन गांव देहात के मुद्दों और समाज सेवा से जुड़े कार्यों में समर्पित रहे

संवाददाता/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के मटियाला में पालम 360 के प्रधान चौधरी रामकरण सोलंकी जी के 70 वें जयंती दिवस पर दिल्ली और देश भर से उमड़े जनसैलाब ने उन्हें नम आंखों से याद करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की। आपको बता दें कि चौधरी रामकरण सोलंकी जी आजीवन गांव देहात के मुद्दों और समाज सेवा से जुड़े कार्यों में समर्पित रहे। लगातार 15 वर्षों तक वह उत्तर भारत की सबसे बड़ी खाप पंचायत पालम 360 के प्रधान रहे। लोग उन्हें उनकी विनम्रता, व्यवहार कुशलता और सब के दुख सुख में खड़े रहने के लिए हमेशा याद करते हैं। उनके द्वारा किए गए समाज सेवा के कार्यों को अपना आदर्श मानते हैं।

इस अवसर पर उनके सुपुत्र और पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि पिताजी ने हमेशा ही स्वयं को समाज की सेवा में समर्पित किया और गांव देहात से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष करते रहे। उन्होंने हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। उनके दिखाएं पद चिन्हों पर चलते हुए ही हम गांव देहात और समाज की सेवा में निरंतर प्रयासरत हैं।

दिल्ली नगर निगम के चुनाव हों, चाहे कोई भी पार्टी या सरकार हो हम गांव देहात के हितों को लेकर अपनी 18 सूत्री मांगों पर लगातार संघर्ष करते रहेंगे। गांव देहात और खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों पर हम लगातार लड़ते रहेंगे।

इस दौरान चौधरी रामकरण सोलंकी जी को नमन करते हुए श्रद्धांजलि देने वालों में भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, आरएलडी प्रमुख व राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत, पूर्व सांसद कंवर सिंह तंवर, झाड़सा 360 के प्रधान चौधरी महेंद्र सिंह, बवाना 52 के प्रधान चौधरी धारा सिंह, सोनीपत 360 के प्रधान राजेंद्र खत्री, लाडो सराय 96 के प्रधान चौधरी नरेश, खेकड़ा 360 के प्रधान चौधरी जितेंद्र सहित कई नेता, सांसद, विधायक, निगम पार्षद और देश भर के खापों के प्रमुख प्रतिनिधि व कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने प्रधान जी को नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके द्वारा किए गए सेवा कार्यों को स्मरण किया।

गांवों की 18 सूत्री मांगो को महा पंचायत का समर्थन

दिल्ली ग्राम पंचायत संघ आज पालम 360 के प्रधान रहे स्वर्गीय चौधरी रामकरण सोलंकी जी की 70 वें जयंती दिवस समारोह मटियाला में उपस्थित हुई। चौधरी रामकरण सोलंकी जी को नमन व याद करते हुए दिल्ली के सभी गांवों के लिए चौधरी साहब के प्रयासों को सराहया। पंचायत संघ ने उनके पुत्र चौधरी सुरेंद्र सोलंकी अध्यक्ष 360 गांव को गांव के हितों में कार्य करने के लिए उनका धन्यवाद किया और चौधरी सुरेंद्र सोलंकी जी द्वारा पंचायत संघ के 18 सूत्री मांगों को समर्थन देने पर उनका धन्यवाद किया इस मौके पर दिल्ली व पड़ोसी राज्यों की खापे व उनकी सरदारी भी उपस्थित थी। इसमें पूर्व सांसद ,पूर्व विधायक वर्तमान विधायक व पार्षद गण भी मौजूद थे इस अवसर पर दिल्ली ग्राम पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव व 360 की तरफ से सुरेश शौकीन 8 गांव के प्रमुख ने स्वर्गीय चौधरी रामकरण सोलंकी के दिल्ली के गांव के प्रति उनके अटूट समर्पण को याद किया और पंचायत संघ ने भी उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

36 दिन बाद मध्यम श्रेणी में लौटी नोएडा की आबोहवा

नोएडा। शहर में बढ़ते प्रदूषण के बीच बुधवार को लोगों ने करीब 36 दिन खुले आसमान के नीचे साफ हवा का एहसास किया। चार अक्तूबर के मुकाबले पहली बार पार्कों व सोसाइटियों में बच्चों और बुजुर्गों की आवाजाही देखी गई। कारण, बुधवार को नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स 186 दर्ज किया गया, जोकि मध्यम श्रेणी में आता है। हालांकि ग्रेटर नोएडा की आबोहवा में भी मामूली सुधार आया है, लेकिन हवा अभी भी (246) खराब श्रेणी में बरकरार हैं, जो लंबे समय से सांस की परेशानी झेल रहे मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की वेबसाइट के मुताबिक 4 अक्तूबर को नोएडा और ग्रेनो का एक्यूआई (100 से 200 के बीच) मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया था। उसके बाद से लगातार प्रदूषण में इजाफा होता रहा। दिवाली के बाद स्थिति इतनी भयावह हुई जिला प्रशासन को ग्रैप के चौथे चरण की योजना लागू करने में ज्यादा समय नहीं लगा। लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए तीन दिनों तक शहर में लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। डीजल वाहनों पर रोक के साथ ही विद्यालय को ऑनलाइन कर दिया गया। फिलहाल प्रशासन ने थोड़ी बहुत रियायत देते हुए निर्माण कार्यों समेत अनुमान्य ईंधन के भरोसे चलने वाली औद्योगिक इकाइयों पर तो अभी भी प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसी का कारण है कि नोएडा की हवा में बुधवार को काफी हद तक सुधार आया है। विशेषज्ञ के मुताबिक ताजी हवा 100 एक्यूआई तक मानी जाती हैं। 100 से 200 के बीच आबोहवा का आमजन पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन 200 से ऊपर जाने के बाद यह सीधे तौर पर लोगों के फेफड़े, हृदय, आंखों व त्वचा को प्रभावित करने लगती है।

आवासीय क्षेत्रों में भी स्थिति संतोषजनक

अभी तक शहर में सेक्टर-62 की हवा सबसे ज्यादा जहरीली बनी हुई थी। इसका सबसे बड़ा कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 24 को माना जा रहा था। यहां दिनभर में लाखों वाहनों को मेरठ से दिल्ली आना जाना होता है। हाइवे से सटे होने के चलते वाहनों से निकलने वाला धुआं सेक्टर की हवा पर प्रभाव डाल रहा था। नियमित पानी का छिडकाव समेत अन्य कार्रवाई और हवा की रफ्तार पांच किलोमीटर प्रति घंटा होने से हवा को साफ करने में मदद मिली है।

संपादकीय

आरक्षण के यक्ष प्रश्न

आखिरकार शीर्ष अदालत ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को आरक्षण देने वाली व्यवस्था को हरी झंडी दे दी है। लेकिन पांच सदस्यीय पीठ द्वारा बहुमत से दिये गये फैसले के बावजूद न्यायाधीश यू.यू. ललित और न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट्ट ने असहमति जताते हुए इसके औचित्य पर प्रश्न चिन्ह उठाये। निस्संदेह, देश में सदियों से वंचित-प्रताड़ित समाज को बराबरी के स्तर पर लाने के प्रयासों में संविधान सभा के सदस्यों ने आरक्षण की व्यवस्था की थी। जिसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, जनजातियों तथा पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण के जरिये समानता का हक देने का प्रयास किया गया था। यह माना गया कि शिक्षा और रोजगार में आरक्षण से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, वे समाज में समता का स्थान पा सकेंगे। संसद ने 103वें संविधान संशोधन के जरिये 2019 में सवर्णों में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को दस फीसदी आरक्षण देने हेतु कानून बनाया था। आरक्षण को वंचितों व पिछड़ों का अधिकार बताते हुए इस कानून को कालांतर शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई थी, जिस पर पांच सदस्यीय पीठ का फैसला अब आया है। निस्संदेह, अदालत के इस फैसले के तमाम प्रभाव सामाजिक व राजनीतिक रूप में नजर आयेंगे। हालांकि, अधिकांश राजनीतिक दलों ने इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन कई संगठनों ने इसका विरोध भी किया है। वहीं कानून के समर्थक कह रहे हैं कि जब अनुसूचित जाति,जनजाति तथा पिछड़ों के लिये निर्धारित पचास फीसदी आरक्षण में कोई बदलाव नहीं किया गया है तो इस विरोध का क्या औचित्य है। बहरहाल, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस कानून के पक्ष में फैसला देने वाले जज न्यायमूर्ति पारदीवाला ने सवाल भी उठाये हैं कि सामाजिक असमानता दूर करने में क्या वाकई आरक्षण आखिरी उपाय माना जा सकता है? सवाल यह भी कि आरक्षण की समय सीमा क्या हो क्योंकि संविधान में भी अनंत काल तक आरक्षण की वकालत नहीं की गई है।

वैसे भारतीय समाज में आरक्षण का मामला हमेशा एक पेचीदा सवाल रहा है। यह भी कि भारतीय समाज के कुछ लोगों में अनुसूचित जाति व जनजाति को लेकर जो दुराग्रह या भेदभाव रहा है क्या साढ़े सात दशक बाद आरक्षण देने से उसमें बदलाव आया है? वहीं इन समाजों का अंतिम व्यक्ति अशिक्षा व अन्य विषमताओं के चलते जहां आरक्षण के लाभ से वंचित रहा है, वहीं आरक्षण के लाभ से संपन्न हुए तबके की आने वाली पीढ़ियों को इसका लाभ दिया जाना बदस्तूर जारी है। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामाजिक असमानता को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। पहले कानून के जरिये प्रयास हों और फिर समाज में चेतना के जरिये गैर-बराबरी की व्यवस्था में बदलाव लाया जाये। वहीं इस बात का भी अध्ययन होना चाहिए कि जिस वर्ग के लिये आरक्षण की व्यवस्था की गई थी, क्या उसको वास्तव में इसका लाभ मिल रहा है? क्या उसके जीवन में वास्तविक बदलाव आया है? बहरहाल, शीर्ष अदालत के इस फैसले के बाद इंदिरा साहनी मामले के चलते जो आरक्षण की उच्चतम सीमा पचास प्रतिशत निर्धारित की गई थी, उसके खत्म होने की बात कही जा रही है। बहुत संभव है आने वाले दिनों में देश के विभिन्न राज्यों में नयी जातियों के लिये आरक्षण को लेकर मुहिम चले। सामयिक व जरूरी मुद्दों से विहीन राजनीतिक दल इस फैसले की आड़ में नई आरक्षण मुहिम के पक्ष में खड़े नजर आ सकते हैं। निस्संदेह इस फैसले के निहितार्थ दूर तक नजर आएंगे। जो इस विषय की जटिलता में और इजाफा ही करेंगे। हालांकि, कोर्ट ने कानून को संविधान सम्मत बताया है, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति की अंतहीन कथा आरंभ हो सकती है। बहरहाल, देश के राजनीतिक नेतृत्व को यह सोचना होगा कि आरक्षण सिर्फ और सिर्फ सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का साधन है, राजनीति का हथियार नहीं। वहीं यक्ष प्रश्न यह भी कि आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा देश अब तक आरक्षण के वास्तविक लक्ष्यों को क्यों हासिल नहीं कर पाया?

भारत की ताकत का रुतबा है जी-20 नेतृत्व की दिशाएं

-ललित गर्ग-

भारत के लिये यह गर्व एवं गौरव की बात है कि वह 1 दिसंबर से जी-20 की अध्यक्षता करेगा। भारत के लिए ये ऐतिहासिक अवसर है। आजादी के अमृतकाल में यह देश के लिए अभूतपूर्व उपलब्धि है, जहां से भारत के सशक्त होने एवं विश्व स्वीकार्यता की सार्थक दिशाओं का उद्घाटन होने जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्व नेता के रूप में उभर रही स्थितियों के कारण एक बड़ा अवसर देश को प्राप्त हो रहा है। जी-20 ऐसे देशों का समूह है जिनका आर्थिक सामर्थ्य विश्व की 75 प्रतिशत जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत अब इस जी-20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है, इसकी अध्यक्षता करने जा रहा है। निश्चित ही यह भारत के लिये एक नये सूरज के अभ्युदय का संकेत है। मोदी ने भारत की अध्यक्षता के शुभंकर और वेबसाइट का अनावरण करते हुए दुनिया को शांति के मार्ग पर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराया है। समूची दुनिया को सुखी होने का मार्ग दिखाते हुए भारत स्वयं भी उस मार्ग पर अग्रसर होगा, इसके लिये मोदी का नेतृत्व निश्चित ही नवीन दिशाओं को उद्घाटित करेगा।

संसार के सभी प्राणी सुखी हों, यह कामना वह व्यक्ति, वह नेता एवं वह राष्ट्र कर सकता है, जो सारी वसुधा को अपना परिवार समझता है, जो उदार होता है, जो शांतिप्रिय एवं अहिंसक होता है, जो अपने पराये की संकीर्ण सीमा को लांघकर प्राणीमात्र के सुख में सुखी और दु:ख में दु:खी होता है। यही उदात्त विचारधारा भारतीय संस्कृति और जीवन-पद्धति की विशेषता रही है, इसी विचारधारा से वसुधैव कुटुबंकम एवं सर्वे भवन्तु सुखीन के उद्घोष हुए है। इन्हीं उद्घोषों को बल देते हुए भारत विश्व में आर्थिक रूप से शक्तिशाली 20 देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता काल में गौतम बुद्ध, महावीर और महात्मा गांधी के युद्ध से मुक्ति एवं हिंसा के प्रतिरोध सिद्धांत के साथ विश्व को शांति, समाधान एवं समृद्धि की राह दिखाएगा। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदेश मंत्रालय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जी-20 के नये प्रतीक चिन्ह एवं नारे का लोकार्पण किया और कहा कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का नारा भारत के संस्कारों एवं संस्कृति से विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। नये प्रतीक चिन्ह के कमल के पुष्प पर विराजित पृथ्वी एवं कमल की सात पंखुड़ियों के माध्यम से सातों महाद्वीपों की एकजुटता और सौहार्द से समृद्धि एवं प्रगति का संदेश मिलता है।

नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में भारत की छवि लगातार बदलती जा रही है, भारत को दुनिया की महाशक्तियां भी स्थान देने लगी, उससे मार्गदर्शन लेकर अपनी नीतियों को बल देने लगी है। दुनिया को तो भारत की शक्ति का एहसास हो ही चुका है, साथ ही देशवासियों को भी भारतीय होने का गौरव महसूस होने लगा है। जी-20 यानि 20 देशों का समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच है, इस मंच की अध्यक्षता भारत को करने का अवसर

मिलता निश्चित ही एक नये, शुभ एवं श्रेयस्कर भारत का संकेत है। आज पूरी दुनिया भारत के महत्व को समझती है। दुनिया जानती है कि भारत जो कहता है वह करता है। भारत के प्रति दुनिया में बढ़ रहा विश्वास उसके प्रभावी नेतृत्व, नीतियों, नीतिपरकता, स्पष्टता और पारदर्शिता का परिणाम है।

मोदी के नेतृत्व में भारत ने नया इतिहास गढ़ा है, स्वयं को सशक्त एवं ताकतवर बनाया है।

दृढ़ता एवं साफ-सुथरी शासन-व्यवस्था से दुनिया को प्रभावित किया है। आर्थिक विकास को गति दी है। यही कारण है कि अब भारत में दुनिया के कई देश बेझिझक कारोबार के अवसर तलाश रहे हैं। भारत के सामने कई चुनौतियां भी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनियाभर में ऊर्जा और खाद्य संकट खड़ा हो चुका है। दुनिया के तमाम देशों पर मंदी का साया मंडरा रहा है।

अमेरिका, ब्रिटेन और चीन जैसी महाशक्तियां भी हांफ रहे हैं। दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का भी यही हाल है। कारोबार और व्यापार की चुनौतियों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन एवं प्रदूषण का संकट भी काफी बड़ा होता जा रहा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था पटरी पर है और पूरी दुनिया की निगाहें भारत पर लगी हुई हैं। इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को ही जाता है।

भारत जी-20 नेतृत्व में निश्चित ही दुनिया को नयी दिशा एवं दृष्टि देगा। जी-20 के इस अंतर सरकारी मंच में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं। भारत देशभर में विभिन्न स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 200 बैठकें आयोजित करेगा। अगले साल होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन, भारत द्वारा आयोजित किया जाने वाले शीर्ष स्तर के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में से एक अनूठा एवं विलक्षण होगा। इस सम्मेलन से दुनिया की नजरें भारत पर टिकेगी। दुनिया अब उम्मीद कर रही है कि अगर कोई देश उसे आर्थिक संकटों में जाने से बचा सकता है तो वह सिर्फ भारत ही है। भारत दुनिया की ग्रोथ का इंजन बनने की ताकत रखने लगा है। रूस-यूक्रेन युद्ध मसले पर भारत किसी भी खेमे में शामिल नहीं हुआ, बल्कि उसने अमेरिका के दबाव में आए बिना रूस से सस्ता तेल खरीदा क्योंकि भारत को अपनी जनता के हित पहले देखने हैं। अमेरिका और उसके मित्र देश रूस पर प्रतिबंधों का खामियाजा भुगत रहे हैं। यह भारत का आत्मविश्वास एवं दृढ़ता ही है जहां से दुनिया को अपनी सोच बदलने एवं विश्व को एक परिवार के रूप में आगे बढ़ाने की सोच को बल मिल रहा है।

भारत अपनी मौलिक सोच एवं फौलादी इरादों से अपने आजादी के अमृत महोत्सव काल को अपने अस्तित्व एवं अस्मिता में आमूल-चूल परिवर्तन का जरिया बना रहा है। भारत दुनिया की एक सशक्त आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। 2029 तक वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2027 तक उसके जर्मनी और 2029 तक जापान से आगे निकल जाने का अनुमान है। हाल ही में ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए उसने दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में जगह बना ली है। अब वह सिर्फ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी से पीछे है। 20-जी शिखर सम्मेलन की स्वागत भूमि बनकर भारत अपने सशक्त एवं विकसित होने के गौरव को नये आयाम देगा। अपनी उपस्थिति एवं नेतृत्व से दुनिया का ध्यान खींचेगा।

भारत कोरा आर्थिक विकास ही नहीं कर रहा है, बल्कि सांस्कृतिक एवं लोकतांत्रिक विकास भी कर रहा है। वह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, हरित ऊर्जा, वाणिज्य कौशल की पहचान और आर्थिक अपराधों पर नियंत्रण के लिये नयी भूमि को तैयार कर रहा है। भारत स्वच्छ ऊर्जा की ओर बहुत ध्यान दे रहा है। भारत उन देशों में है जो बहुत तेज गति से इलैक्ट्रिक वाहनों को अपना रहा है और इस दिशा में निवेश कर रहा है। डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य एवं कृषि से जुड़े विषयों में भारत ने अनूठी उपलब्धियां हासिल की है। सऊदी अरब और भारत के बीच संबंध मधुर हैं। दोनों देश तेल-गैस के व्यापार के अलावा रणनीतिक भागेदारी और प्रवासी कामगारों को लेकर भी करीब से जुड़े हैं। ऐसे में सऊदी अरब का ब्रिक्स में शामिल होना भारत के हित में होगा। आजादी के इस अमृतकाल में देश के सामने जी-20 के नेतृत्व के रूप में एक बड़ा अवसर आया है। ये हर भारतवासी के लिए गर्व की बात है, गौरव बढ़ाने वाली बात है। यह देश के सामर्थ्य का प्रतीक है। भारत इसे नई जिम्मेदारी के रूप में देख रहा है। देशवासियों को इस जिम्मेदारी पर खरा उतरना होगा। हमने गुलामी और अत्याचारों के दिन भी देखें हैं। अब भारत को विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर होते हुए दुनिया में शांति, सुख एवं समतामूलक विकास का माध्यम बनना है। शुभ के स्वप्न को आकार देने के लिये हमें भगवान महावीर के इस संदेश को जीवन से जोड़ना होगा- 'खणं जाणाहि पंडिए'- हम क्षणजीवी बने।

न अतीत की चिन्ता, न भविष्य की कल्पना। सिर्फ 'आज' को जीते हुए देश एवं दुनिया को शांति एवं सुख का परिवेश दें। मोदी जैसा भीतर से जागा हुआ चमत्कारी एवं करिश्माई नेतृत्व हर घटना, सन्दर्भ, निर्णय, सोच, शैली से देश एवं दुनिया के लिये एक नई सीख, नई ऊर्जा और नई प्रेरणा बन सकता है, इसलिये आइए, इस विश्वास और संकल्प को सचेतन करें कि आज तक जो नहीं हुआ वह अब हो सकता है, यदि उसके पीछे तीव्र प्रयत्न, ईमानदारी एवं गहरी लगन हो।

आरक्षण जरूरत के आधार पर दिया जाना चाहिए

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संसद में 2019 में जब गरीबी को आरक्षण का आधार बनाकर सरकार विधेयक लाई थी, तब 323 सांसदों ने उसका समर्थन किया था और सिर्फ 3 सांसदों ने विरोध। लेकिन किसी नेता या पार्टी की आज हिम्मत नहीं है कि वह डॉ. आंबेडकर की इच्छा को मूर्त रूप दे सके।

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले का कौन स्वागत नहीं करेगा कि सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में 10 प्रतिशत आरक्षण का आधार सिर्फ गरीबी होगी। यह 10 प्रतिशत आरक्षण अतिरिक्त है। याने पहले से चले आ रहे 50 प्रतिशत आरक्षण में कोई कटौती नहीं की गई है। फिर भी पांच में से दो जजों ने इस आरक्षण के विरुद्ध फैसला दिया है और तमिलनाडु की सरकार ने भी इसका विरोध किया है। जिन दो जजों ने इसके विरुद्ध फैसला दिया है, उनके तर्कों में दम नहीं है। उनका कहना है कि 50 प्रतिशत से

अधिक आरक्षण देना संविधान का उल्लंघन करना है।

संविधान की किसी धारा में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत निश्चित नहीं की गई है। तो मान ली गई है, 1992 में सर्वोच्च न्यायालय में आए इंदिरा साहनी मामले के कारण! अब सर्वोच्च न्यायालय क्या वहीं बैठा रहे, जहां वह 30 साल पहले बैठा हुआ था? उसी समय नरसिंह राव-सरकार ने गरीबी के आधार पर लोगों को आरक्षण देने की घोषणा की थी। उसी घोषणा को 2019 में भाजपा सरकार ने संविधान का अंग बना दिया। अब कांग्रेस और भाजपा दोनों इसका श्रेय लूटने की प्रतिस्पर्धा में हैं लेकिन मैं तो जन्म के आधार पर दिए गए सारे आरक्षणों के एकदम विरुद्ध हूं, चाहे वह अनुसूचितों या पिछड़ों या तथाकथित अल्पसंख्यकों को दिया जाए।

मेरी राय में आरक्षण जन्म के आधार पर नहीं, जरूरत के आधार पर दिया जाना चाहिए। मुझे खुशी थी कि नरसिंह राव और मनमोहन सिंह सरकार ने उस दिशा में कदम बढ़ाए और मोदी बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने इस मामले में ठोस निर्णय का साहस दिखाया। लेकिन यह काम अभी भी अधूरा है। संसद में 2019 में जब गरीबी को आरक्षण का आधार बनाकर सरकार विधेयक लाई थी, तब 323 सांसदों ने उसका समर्थन किया था और सिर्फ 3 सांसदों ने विरोध। लेकिन किसी नेता या पार्टी की आज हिम्मत नहीं है कि वह डॉ. आंबेडकर की इच्छा को मूर्त रूप दे सके। उन्होंने कहा था कि जन्म के आधार पर दिया गया आरक्षण दस साल के लिए काफी है। अब तो इसको पैदा हुए दर्जनों साल हो गए हैं। यह देश में अयोग्यता, अकर्मण्यता, भेदभाव, जातिवाद और मलाईदार वर्ग को प्रोत्साहित करने का साधन बन गया है। इसी कारण देश की सारी सरकारें रेवड़ी-संस्कृति की शिकार हो रही हैं।

थोक वोट का लालच याने कुर्सी का लोभ हमारे सारे नेताओं के लिए इतना प्रगाढ़ हो गया है कि उन्होंने राष्ट्रहित को दरी के नीचे सरका दिया है। यदि नौकरियों के बजाय शिक्षा और चिकित्सा में आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया गया होता तो सरकारी भीख पर कौन जिंदा रहना चाहता? गरीबी के आधार पर दिया गया आरक्षण जातीय और सांप्रदायिक आरक्षण से कहीं बेहतर सिद्ध होता। वह भारत में एकता और समानता का मूलाधार बनता और 75 साल में भारत की गिनती दुनिया के महासंपन्न और महाशक्तिशाली राष्ट्रों में हो जाती। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय एक अधूरी लेकिन बहुत सराहनीय शुरुआत है।

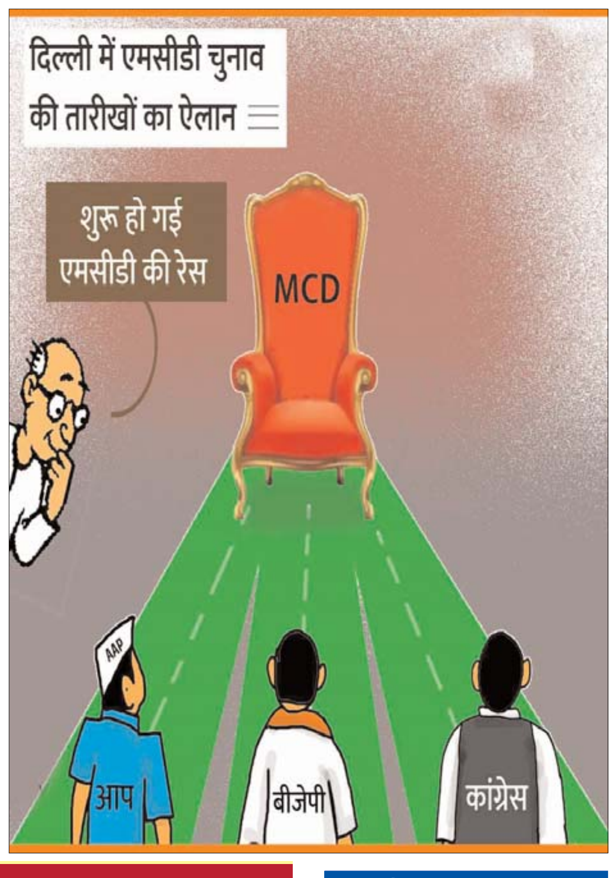

पुरुष समाज की ज्यादति सिर्फ स्त्रियों पर ही क्यों

अब नैतिक मूल्यों का क्षरण धीरे धीरे तेज होता जा रहा है धन तथा पद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैंद्य भारतीय समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री ही हर ज्यादति और अत्याचार की शिकार होती रहे।

प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही हैद्य शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय समाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है।

भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया हैद्य वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन सी हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है। मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं।

गरीबी पर भेदभाव क्यों ?

सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े समाज की श्रेणी में गरीब सवर्णों को आरक्षण सटीक कदम

सात दशक पहले शुरू हुए इस मूवमेंट की प्रक्रिया पर फ़िर से समीक्षा कर वर्तमान स्टेटस का संज्ञान लेना ज़रूरी? - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - कुदरत द्वारा रचित इस खूबसूरत सृष्टि में मानवीय योनि की रचना करते समय सृजनकर्ता नें सोचा भी नहीं होगा कि यह बुद्धिजीवी प्राणी इतना आगे बढ़ जाएगा कि अपनों के बीच ही जात पात धार्मिक भेदभाव छुआछूत जैसी अनेकों कुप्रथाओं की स्थिति पैदा करेगा और अपनों में से ही अन्य मानवीय जीवो में बैकवर्ड सवर्ण ट्रांसजेंडर सहित अनेकों वर्गों में बांटते चले जाएंगें और जाति धर्म पर दंगों से लेकर आरक्षण फिर उससे भी चार कदम आगे आरक्षण पर लड़ाई में उलझ कर रह जाएंगे। आज हम इस विषय पर सोचने को मजबूर हो गए हैं कि हम अपने साथ आर्थिक रूप से अति पिछड़े गरीबों को भी क्यों ना मुख्य विकासधारा में लाएं ? क्या उनका कसूर सिर्फ इतना है कि उन्हें आरशिक्त क्यों नहीं किया गया ? जैसे उनके प्रश्न आज अनेकों के मन में घूम रहे हैं कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े समाज के साथ हमारे गरीब सवर्ण समाज को भी मुख्यधारा में लाना है, जिसके लिए सरकार द्वारा एक रोडमैप लाया गया था, जिसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अनेकों पिटीशन दाखिल की गई थी जिसपर माननीय उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई पूरी कर 27 सितंबर 2022 को फैसला सुरक्षित रख लिया था और अब 7 नवंबर 2022 को 5 जजों की संविधान पीठ ने 5:3 से आर्थिक रूप से पिछड़े (ईडब्ल्यूएस) के लिए शिक्षा और शासकीय सेवाओं में 10 फ़ीसदी आरक्षण के फैसले पर मुहर लगा दी। इसीलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों परआई जानकारी के सहयोग से चर्चा करेंगे कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े समाज की श्रेणी में गरीब सवर्णों को आरक्षण सटीक कदम है।

साथियों बात अगर हम इस मामले की करें तो उच्चतम न्यायालय द्वारा शासन द्वारा लाए 103 वें संविधान संशोधन ईडब्ल्यूएस को 10 फ़ीसदी आरक्षण लागू करने के फैसले पर मुहर लगा दी है। जिसका कुछ राजनैतिक वर्ग विरोध कर रहे हैं जिसमें एक बड़ी पार्टी के नेता द्वारा दिए गए बयान को रेखांकित किया जाना समय की मांग है कि क्या गरीब पर भी भेदभाव जरूरी है? आखिर गरीब की हम जात पात क्यों देखें? अगर गरीब को देश के विकास की मुख्यधारा में लाया जाता है तो उस में हर्ज क्या है ? जैसे अनेकों सवाल लोगों के दिलों में हैं मेरा मानना है कि बिना किसी जात पात के हर वर्ग के गरीब को हाथ से हाथ मिला कर उसको आगे बढ़ाने में हर वर्ग को आगे आना चाहिए।

साथियों बात अगर हम ईडब्ल्यूएस लागू करने की करे तो,ये व्यवस्था 2019 में यानें पिछले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्री सरकार ने लागू की थी और इसके लिए संविधान में 103 वां संशोधन किया गया था। 2019 में लागू किए गए ईडब्लूएस कोटा को तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी समेत कई याचिकाकर्ताओं ने इसे संविधान के खिलाफ बताते हुए अदालत में चुनौती दी थी। आखिरकार, 2022 में संविधान पीठ का गठन हुआ और 13 सिंतबर को चीफ जस्टिस यूयू ललित, जस्टिस दिनेश महेश्वरी, जस्टिस रवींद्र भट्ट, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस जेबी पादरीवाला की संविधान पीठ ने सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखने का फैसला 7 नवंबर 2022 को सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईडब्ल्यूएस कोटे से संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं हुआ। संविधान पीठ ने ये फैसला 3-2 से सुनाया है। कोर्ट में सरकार की ओर से कहा गया कि ईडब्ल्यूएस तबके को समानता का दर्जा दिलाने के लिए ये व्यवस्था जरूरी है. केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि इस व्यवस्था से आरक्षण पा रहे किसी दूसरे वर्ग को नुकसान नहीं है। साथ ही 50 प्रतिशत की जो सीमा कही जा रही है, वो कोई संवैधानक व्यवस्था नहीं है, ये सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से आया है, तो ऐसा नहीं है कि इसके परे जाकर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है।

हालांकि इस केस में आरक्षित वर्ग को कोई फर्क नहीं पड़ेगा और सीमा 50 फ़ीसदी ही रहेगी। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि आरक्षण का मकसद सामाजिक भेदभाव झेलने वाले वर्ग का उत्थान था, अगर गरीबी आधार तो उसमें एससी एसटी ओबीसी को भी जगह मिले। ईडब्लूएस कोटा के खिलाफ दलील देते हुए कहा गया कि ये 50 फीसदी आरक्षण की सीमा का उल्लंघन है।

संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए 50 प्रतिशत कोटा को किसी भी रूप में बाधित नहीं करता है।

कोर्ट ने कहा कि गरीब सवर्णों को समाज में बराबरी तक लाने के लिए सकारात्मक कार्रवाई के रूप में संशोधन की आवश्यकता थी। टीवी चैनलों के अनुसार जस्टिस माहेश्वरी ने अपने फैसले में कहा कि आरक्षण गैरबराबरी को बराबरी पर लाने का लक्ष्य हासिल करने का एक औजार है। इसके लिए न सिर्फ सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग को समाज की मुख्य धारा में शामिल किया जा सकता है बल्कि किसी और कमजोर क्लास को भी शामिल किया जा सकता है। जबकि जस्टिस पारदीवाला- मैं इस संशोधन को बरकरार रखने का फैसला देता हूं। ईडब्ल्यूएस कोटा सही है। मैं जस्टिस माहेश्वरी और जस्टिस त्रिवेदी के फैसले के साथ हूं।

मैं ना रहूंगा तो क्या होगा।

हम ना होंगे तो क्या होगा।
मैं ना रहूंगा तो क्या होगा।

सब कुछ वही होगा
जो होता आया है।

समय के आप एक पल,
एक क्षण, समय समग्र।

यह मन की एक मिथ्या,
दिग्भ्रम,द्व
मेरे ना रहने से क्या होगा।

एक सितारे के टूटने से
आसमान खाली नहीं होता।

जुगनू के रहने ना रहने से
रात का अंधेरा नहीं छटता।

मेरा अहम, मेरा मुगालता
केवल मिथ्या और भ्रम,
श्रेष्ठ सबसे मानव धर्म।
कर्म ही मानव का
अंतिम सत्य और धर्म है।
मैं और मेरे होने का मतलब
एक जीव का संसार में होना,
नहीं होना,
एक जंतु के होने,
नहीं होने जैसा है।

नई दिल्ली
गुरुवार 10 नवंबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

उन्नाव सीएमओ में हेल्थ सर्टिफिकेट बनाने के नाम पर घूस लेने का वीडियो वायरल, डिप्टी सीएम ने कार्रवाई करने का दिया निर्देश

उन्नाव। उन्नाव में सीएमओ दफ्तर में हेल्थ सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर रिश्वत लेने का मामला सामने आया है। किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया डाल दिया। वहीं अब इस वीडियो का संज्ञान में लेते हुए उपमुख्यमंत्री ने निदेशक प्रशासन को जांच कर कर्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम ने 11 नवंबर तक इस पर रिपोर्ट भी मांगी है। उन्नाव में सीएमओ कार्यालय में सोमवार को कर्मी के रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में कर्मी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के नाम पर रुपये ले रहा है। वहीं वीडियो वायरल होने के बाद भी सीएसओ ने कोई कार्रवाई नहीं की। हालांकि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठ ने मामले की गंभीरता से लेते हुए ट्वीट भी किया है। उन्होंने ट्वीट किया कि सीएमओ कार्यालय उन्नाव में लिपिक द्वारा रिश्वत लेने संबंधी वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए प्रशासन से दोषी के विरुद्ध कार्रवाई कर 11 नवंबर तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। वरिष्ठ सहायक रामतेज के घूस लेने का मामला शासन तक पहुंचने पर सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश ने जांच के बाद रिपोर्ट भेज दी है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वरिष्ठ सहायक को निलंबित किए जाने के लिए शासन को पत्र भेज दिया गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के थाना सिधौली अंतर्गत ग्राम जतौरा के पास बुधवार सुबह एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने के बाद मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार थाना कमलापुर अंतर्गत ग्राम उमरिया निवासी 20 वर्षीय सरोज पुत्र कमलेश प्रतिदनि की तरह आज भी सुबह टहलने के लिए निकला था। घर से पांच किलोमीटर दूरी पर सिधौली थाना क्षेत्र के जतौरा ग्राम के पास लखनऊ मैलानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस और थाना सिधौली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस कार्रवाई कर रही है।

बस्ती मण्डल में 13056 श्रमिकों को मनरेगा के तहत 100 दिनों का रोजगार मिला

बस्ती। उत्तर प्रदेश मे बस्ती मण्डल के बस्ती, सिद्वार्थनगर तथा संतकबीरनगर तीनों जिलों में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के तहत 13 हजार 56 श्रमिकों को उनके ही गांवों में 100 दिनों का रोजगार दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुद्धवार को यहां यह जानकारी देते हुए कहा है कि मनरेगा योजना के तहत बस्ती मण्डल के बस्ती जिलें में पांच हजार 187 श्रमिकों को, सिद्वार्थनगर जिले में चार हजार 994, संतकबीरनगर जिले में दो हजार 875 श्रमिकों को उनके ही गांवों में इस अभियान के तहत रोजगार दिया गया है। श्रमिकों के खातों में 213 रुपया प्रतिदिन के हिसाब से उनके खाते मे सीधे भुगतान किया जा रहा है और श्रमिकों को रोजगार देने के लिए सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश प्रदान किया गया है। मण्डल में सबसे ज्यादा धन खर्च करने वाले ग्राम पंचायतों की सूची बना कर कार्यों के गुणवत्ता की जांच करायी जा रही है। सूत्रों ने यह भी बताया कि बारिश के कारण मनरेगा का कार्य सही ढंग से नहीं चल पाया था।

गोरखपुर में डेंगू से महिला कांस्टेबल की मौत

गोरखपुर। गोरखपुर के चौरी-चौरा थाने में तैनात सिपाही प्रियंका सिंह की बुधवार को डेंगू से मौत हो गई। 6 नवंबर को तबीयत खराब होने पर उन्हें शहर के प्राइवेट अस्पताल पल्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी हालत बिगड़ने पर बुधवार सुबह लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही प्रियंका ने दम तोड़ दिया। वह मूल रुप से जौनपुर की रहने वाली थी। डेंगू से जिले में ये पहली मौत है। एसएपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया, कांस्टेबल प्रियंका को 3 दिन पहले बुखार और डेंगू के लक्षण मिले थे। इलाज के लिए उसे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में डेंगू की पुष्टि हुई थी। इस दौरान हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही प्रियंका की मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। प्रियंका 2011 बैच की सिपाही हैं। उनके पति फार्मासिस्ट है। वह चौरी-चौरा में 3 साल के बच्चे और पति के साथ किराए के कमरे में रहती थीं। स्क्नार्थ मनोज अवस्थी ने प्रियंका की मौत की पुष्टि की है।

बीएचयू आएंगे 20 देशों के 800 साइंटिस्ट

वाराणसी। पूर्वांचल के गांव को ग्लोबल विलेज का रूप दिया जाएगा। अगले 8 साल में गांवों को हर तर्ज पर स्मार्ट बनाने के लिए सरकार को प्रपोजल देने की तैयारी है। इसके लिए काशी हिंदू विश्वविद्यालय में 11 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 7th आदर्श ग्राम सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह राष्ट्रीय सम्मेलन क्क॥ स्थित मैनेजमेंट फैकल्टी में तीन दिन यानी कि 13 नवंबर तक चलेगा। आज बीएचयु स्थित मैनेजमेंट फैकल्टी में प्रेस वार्ता के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि दक्षिण भारत के कृषि विशेषज्ञों की टीम अब पूर्वांचल के किसानों और नीति नियंताओं को खेती-किसानी के गुर सिखाएंगे। दक्षिण भारत के 4 राज्यों के 200 से ज्यादा गांवों को आदर्श रूप दिया जा चुका है। वहीं अब उत्तर भारत के पूर्वांचल से इसकी शुरुआत की जा रही है। दक्षिण भारत में कृषि विकास को लेकर काम करने वाली संस्थान व्हील ग्लोबल फाउंडेशन के स्मार्ट विलेज डेवलपमेंट के प्रमुख प्रदीप कपूर ने कहा कि यह इस तीन दिवसीय कांफ्रेंस में अमेरिका और यूरोप समेत 20 देशों के 800 से ज्यादा शोधार्थी और वैज्ञानिक आएंगे। वहीं, 50 से अधिक कंपनियों और विश्वविद्यालयों के डेलीगेट्स आ रहे हैं। कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार को बेस्ट प्रैक्टिस का प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी। इसमें विजेताओं को कैश प्राइज भी दिए जाएंगे। पहला आदर्श ग्राम सम्मेलन 15 जून, 2016 में अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ स्टैनफोर्ड में हुआ था। इसी में एक आदर्श गांव की परिकल्पना की गई थी। इस गांव में इंटरनेट की बेहतर कनेक्टिविटी, रूरल हेल्थ, एग्रीकल्चर, जल और सैनिटेशन, हेल्थ, केयर, न्यूट्रिशन, एजुकेशन, स्किल, एनर्जी, एनवार्यामेंट, आजीविका को लेकर बेहतर काम किया गया है।

व्यापारी से रुपये लूटने का आरोपी गिरफ्तार

काकोरी। नर्सरी संचालक को कार में लिफ्ट देकर लूटने के आरोपी को दुबग्गा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। व्यापारी से ढाई लाख रुपये और मोबाइल फोन छीनने के बाद बदमाशों ने उसे सड़क किनारे फेंक दिया था। वारदात में शामिल दो आरोपी फरार है, जिनकी तलाश जारी है। डीसीपी दक्षिण राहुल राज ने बताया कि फर्रुखाबाद शमसाबाद निवासी रितेश भारद्वाज उर्फ सचिन को कूड़ा चौराहे के पास से पकड़ा गया है। जिसने 12 सितंबर की रात नर्सरी संचालक राहत अली को दुबग्गा से मलिहाबाद तक छोड़ने के बात कहते हुए कार में बैठा लिया था। रितेश के साथ उसके साथी विकास और सर्वेश भी शामिल थे। सीतापुर बाईपास से कुछ दूर चलने के बाद रितेश और उसके साथियों ने व्यापारी को बुरी तरह से पीटा था। बंधक बनाकर काफी देर तक कार में घूमते रहे। फिर करीब दो लाख 80 हजार रुपये और मोबाइल फोन लूट लिया था। देर रात राहत अली को बदमाश बुधड़िया के पास सड़क किनारे फेंक कर भाग निकले थे।

मेरिट में नाम फिर भी काउंसलिंग में नहीं बुलाया

लखनऊ। आयुष कॉलेजों में दाखिले के नाम पर मेधावी बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया। नीट मेरिट में छेड़छाड़ कर मेधावियों को पीछे धकेल दिया गया। जबकि कम अंक पाने वालों को डॉक्टर बनने का मौका दिया गया। बुधवार को नीट मेरिट में शामिल कई ऐसे छात्र आयुर्वेद निदेशालय पहुंचे। अधिकारियों को पीड़ा बताने की कोशिश की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जवाहर भवन स्थित नौवें तल पर बुधवार को गहमागहमी का माहौल रहा। आयुर्वेद निदेशालय में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी किसी से बात नहीं कर रहे हैं। कई अभ्यर्थी काउंसलिंग में गड़बड़ी की खबर मिलने के बाद पहुंचे। उत्तराखंड से आए एक अभ्यर्थी ने कहाकि उसका नाम नीट मेरिट सूची में था।

अखिलेश-जयंत साथ मिलकर लड़ेंगे उपचुनाव

खतौली में रालोद तो मैनपुरी-रामपुर में सपा का होगा प्रत्याशी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रामपुर, मैनपुरी और खतौली में होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल मिलकर लड़ेंगे। समाजवादी पार्टी ने अपले हैंडल से ट्वीट कर इसकी पुष्टि की है। इसके साथ ही पार्टी ने ये भी साफ कर दिया कि इन तीन सीटों में से कौन सी सीट किस के खाते में जाएगी और किस सीट पर सपा या आरएलडी के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। रामपुर और मैनपुरी में सपा प्रत्याशी चुनाव उड़ेंगे और खतौली से रालोद अपना प्रत्याशी उतारेगी।

आपको बता दें कि यूपी में तीन सीटों पर उपचुनाव होने की डेट तय हो चुकी है। 5 दिसंबर को यूपी उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे और 8 दिसंबर को नतीजे आएंगे। दो विधानसभा सीट और एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव होना है। इसमें मैनपुरी लोकसभा सीट सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव निधन के बाद सीट खाली हुई है।

रामपुर विधानसभा सीट सपा नेता आजम खान की सदस्यता रद्द होने के बाद खाली हो गई है। वहीं खतौली विधानसभा सीट भी बीजेपी विधायक विक्रम सैनी की सदस्यता जाने के बाद खाली हुई है।

उपचुनाव के लिए 10 नवंबर से नामांकन

तीनों सीट रामपुर, मैनपुरी और खतौली उपचुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई।

इन तीनों सीटों पर उपचुनाव के लिए 10 नवंबर से नामांकन शुरू होगा और 17 नवंबर तक नामांकन हो सकेगा। पांच दिसंबर को मतदान कराने की घोषणा की है और आठ दिसंबर को मतगणना होगी।

इंजीनियरों ने प्रदर्शन किया

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने बुधवार को निर्माण भवन में धरना-प्रदर्शन किया। नाराज अभियंताओं ने पीडब्ल्यूडी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर संगठन के जनपद अध्यक्ष राजकरण पटेल ने कहा कि संवर्गीय समस्याओं के लम्बे अरसे से लम्बित होने के कारण संगठन लगातार पत्राचार का समस्याओं के निराकरण की मांग कर रहा है। प्रमुख अभियंता की संवर्गीय समस्याओं के प्रति विभागीय उदासीनता के कारण अभियंताओं में व्यापक आक्रोष है। क्योंकि प्रमुख अभियंता द्वारा 16 सूत्रीय मांगों पर कोई कार्रवाई न किये जाने से प्रदेश के समस्त सदस्य अवर अभियंता/ सहायक अभियन्ता आक्रोषित हैं।

नवागत जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में नवागत जिलाधिकारी रमेश रंजन ने बुधवार को जिला अस्पताल रविंद्रनगर धूस का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने पैथोलॉजी, डेंगू वार्ड, सामान्य वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र, सिटी स्कैन, डायलिसिस सेंटर, सीसीटीवी, बायोमैट्रिक अटेंडेंस आदि का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने विभिन्न वार्डों में पहुंचकर वहां भर्ती मरीज एवं उनके परिजनों से बातचीत की। उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जाना, उनकी भर्ती कब हुई इसके बारे में भी जानकारी ली। रंजन ने सभी वार्ड के संबंधित स्टाफ एवं डॉक्टर को बुला कर उपस्थिति पुस्तिकाएं, मरीज से संबंधित रजिस्टर आदि की भी जांच की। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सत्येंद्र कुमार वर्मा को अस्पताल में साफ सफाई की व्यवस्था, टूटे हुए फर्नीचर, डॉक्टर की अनुपस्थिति इत्यादि मुद्दों पर फटकार लगाई तथा इन्हें दुरुस्त करने को कहा। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कक्ष में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से पूछताछ के क्रम में पूछा कि जिला अस्पताल में कितने डॉक्टर्स की नियुक्ति है, कितने पद खाली हैं।

बुलंदशहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में मंगलवार देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस करने पर लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। अभी तक किसी भी प्रकार की जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूविज्ञान केन्द्र के अनुसार भूकंप के तेज झटके कल देर रात लगभग दो बजे महसूस किए गए। उस समय अधिकांश लोग अपने घरों में सोए हुए थे। तेज झटका लगने से लोगों की नींद खुल गई अनेक इलाकों में भूकंप से बचने के लिए लोग घरों से बाहर आकर खुले में इकट्ठे हो गए।

जज और पत्नी पर दो दर्जन लोगों ने किया हमला

लखनऊ। लखनऊ के पारा में जज और उनकी पत्नी पर जमीन पर निर्माण के विवाद में दो दर्जन लोगों ने हमला बोला। विरोध करने पर पति-पत्नी पर लाठी डण्डों से वार किया और दोनों की चेन छीन ली। जज के डेढ़ लाख रुपये लूट लिये। यही नहीं उनकी रिवाल्वर व रायफल छीन ली। जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पीड़ित दम्पति ने दो नवम्बर को हुई घटना के सम्बन्ध में पारा कोतवाली में तहरीर दी। पांच दिन बाद मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।
पारा इंस्पेक्टर दधिबल तिवारी के मुताबिक गाजीपुर के रहने वाले शोभनाथ सिंह सिविल जज मुरादाबाद के पद पर तैनात हैं। उनका परिवार पारा के सरोसा-भरोसा में रहता है। शोभनाथ सिंह की तहरीर के अनुसार मोहल्ले में रहने वाले अब्बास, शमशाद, इरफान, इसकी पत्नी व 20-25 अन्य लोगों ने दो नवम्बर को प्लाट पर बनी चहारदीवारी गिरा दी। यहां रखी 60 बोरी सीमेंट, ईंट, बालू, मौरंग उठा ले गये। इस बारे में पता चलने पर शोभनाथ सिंह अपनी पत्नी के साथ तीन नवम्बर को सुबह वहां पहुंचे।

पत्नी को पीटा, रायफल व रिवाल्वर लूट ली

शोभनाथ सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्हें वहां देख कर आरोपितों ने फिर हमला बोल दिया। इन लोगों ने उन दोनों को पीटा। दोनों की चेन व डेढ़ लाख रुपये व मोबाइल लूट लिया। दबंगों ने उनकी पत्नी पर तमंचा भी तान दिया था जिससे वह काफी डर गई।
न्यायिक अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि दबंगों ने भागते समय उनकी रिवाल्वर व रायफल भी लूट ली। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच रास्ते को लेकर विवाद चल रहा है। मोहल्ले में ही रहने वाले इरफान की पत्नी ने भी न्यायिक अधिकारी के खिलाफ तहरीर दी है। इसकी जांच की जा रही है। इस मामले में कई लोगों से पूछताछ की गई है।

बागपत में प्रेमी युगल की धारदार हथियार से की हत्या

एजेंसी

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत के रमाला थाना क्षेत्र में ऑनर किलिंग की घटना से जिले में हड़कंप मच गयी है। युवती के भाइयों ने प्रेमी युगल की तेज धारदार हथियारों से हत्या करने का मामला सामने आया है।

इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गयी है। युवती का शव असारा तथा युवक का शव छपरौली के लूम्ब गांव के जंगल से बरामद किया गया है। दोनों की हत्या करने के बाद युवती के एक भाई ने थाने जाकर खुद सरेंडर भी कर दिया। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

दरअसल यह पूरा मामला रमाला थाना क्षेत्र के असारा गांव का है। गांव के ही रहने वाले आरिफ (30) का काफी समय से गांव की विवाहिता महजबीन (27) के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लगभग 20 दिन से दोनों फरार चल रहे थे। दोनों की तलाश परिजन और पुलिस भी कर रही थी। आरिफ गांव-गांव में फेरी पर कॉस्मेटिक का सामान बेचने का काम करता था। आरिफ की तीन लड़कियां हैं जबकि महजबीन को भी तीन बच्चे हैं।

दोनों को कल रात मेरठ में देखे जाने की सूचना मिली। युवती पक्ष के लोग मौके पर गए और दोनों को पकड़कर गांव ले आए। रात में युवती के भाइयों ने दोनों की जमकर पिटाई की और बाद में तेज धारदार हथियारों से हत्या कर दी। हत्यारे भाइयों ने आरिफ का शव छपरौली थाना क्षेत्र के लूम्ब गांव में तथा महजबीन का शव असारा गांव के जंगल में फेंक दिया।

इस घटना की सूचना मिलने पर पर रमाला पुलिस गांव पहुंची और युवती का शव बरामद करने के बाद युवक के शव की भी तलाश में जुट गई। कुछ ही देर बाद थाना छपरौली पुलिस ने आरिफ का शव भी लूंब गांव के जंगल से बरामद कर लिया।

पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना को अंजाम देने के बाद महिला के एक भाई ने थाना रमाला पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस लाइन में घुसकर महिला सिपाही के साथ छेड़छाड़ और मारपीट

बरेली। बरेली पुलिस लाइन में रहने वाली महिला सिपाही ने मुरादाबाद में सिरसखेड़ा के आरएचएम कॉलेज के प्रबंधक रुकशाद अली और उसके तीन साथियों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला सिपाही ने उन पर मारपीट, जानलेवा हमला, छेड़छाड़ और दलित उत्पीड़न का आरोप लगाया है।
महिला सिपाही का कहना है कि उनके पति का कॉलेज प्रबंधक से वेतन संबंधी विवाद चल रहा है। इसको लेकर हाईकोर्ट में उनकी याचिका विचाराधीन है। 11 अक्तूबर की रात करीब ढाई बजे वह अपनी तीन साल की बेटी और नाबालिग ननद के साथ पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर में मौजूद थीं। तभी प्रबंधक रुकशाद अली अपने तीन साथियों के साथ वहां पहुंचे। याचिका वापस लेने का दबाव बनाया। विरोध पर उनका गला दबाने लगे।
महिला सिपाही का आरोप है कि उनकी ननद के साथ भी आरोपियों ने छेड़छाड़ कर मारपीट की।

सोनभद्र के बिल्ली जंक्शन पर एनआई कार्य के कारण कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

सोनभद्र। पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल के सोनभद्र जिले में स्थित बिल्ली जंक्शन पर नॉन इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य के मद्देनजर चार जोड़ी ट्रेनों का परिचालन रद्द, दो जोड़ी ट्रेनों का आंशिक समापन/प्रारंभ एवं नौ ट्रेनों का परिचालन परिवर्तित मार्ग से किया जायेगा।
धनबाद मंडल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया की 09, 11 और 13 नवंबर को चोपन से चलने वाली ट्रेन संख्या 18614 चोपन-रांची एक्सप्रेस, 10,12,14 नवंबर को रांची से चलने वाली गाड़ी संख्या 18613 रांची चोपन एक्सप्रेस, 10,12 और 14 को चोपन से खुलने वाली गाड़ी संख्या 18632 चोपन रांची एक्सप्रेस, 09 11 और 13 को रांची से चलने वाली गाड़ी संख्या 18631 रांची चोपन एक्सप्रेस रद्द किया गया है।
इसी तरह 09 नवंबर से 15 नवंबर तक प्रयागराज से चलने वाली गाड़ी संख्या 13310 प्रयागराज चोपन एक्सप्रेस, 10 से 15 नवंबर तक चोपन से खुलने वाली गाड़ी संख्या 13309 चोपन प्रयागराज एक्सप्रेस, 09 से 14 नवंबर तक गोमो से चलने वाली गाड़ी संख्या 03343 गोमो चोपन स्पेशल, 10 से 16 नवंबर तक चोपन से खुलने वाली गाड़ी संख्या 03344 चोपन गोमो स्पेशल का परिचालन रद्द कर दिया गया है।

अतीव अद्वितीय व अनूठा रहा द्विदिवसीय कौमुदी महोत्सव

सोनभद्र। सोनभद्र के घोरावल परिक्षेत्र में द्विदिवसीय कौमुदी महोत्सव अतीव अद्वितीय व अनूठा रहा। दूसरे दिन सोनभद्र का घोरावल नगर गुलजार हो उठा प्रकीर्णित ज्योत्सना से। देवदीपावली कार्तिक पूर्णिमा पर बीते दस वर्षों से चली आ रही कौमुदी महोत्सव की ज्योति इस बार प्रखरता पर पहुंची। घोरावल के दशमी तालाब के पूरे परकोटे जाज्वल्यमान हो उठे 5151 दीपों के जलाए जाने से।

मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी श्याम प्रताप सिंह का मंच से सम्मान समारोह आयोजित हुआ माल्यार्पण के साथ स्मृतिचिन्हे, अंगवस्त्र उत्तरीय अर्पित किया डॉ0 परमेश्वर दयाल पुष्कर ने व ताजपोशी श्रृंखला के तहतसर पर टोपीमुकुट से सम्मानित किया गया। देव अवतरण की कथा बताते हुए यह भी कहा कि गुरु ज्ञान सर्वोपरि है तो दैवीय शक्ति समष्टि हित कामना को पराकाष्ठा पर प्रतिष्ठित करती है।आगे कहा कि धवल चाँदनी चंद्रिका का आलोड़न विलोड़न सृष्टि सृजन को सतत निखारता है। इन्हीं संदर्भों में भगवान शंकर त्रिपुरारी भी कहे गए।

द्वितीय दिवस महोत्सव का आगाज दशमी सरोवर ताल पर शिवमंदिर में पूजन से हुआ जहां पाँच वेदपाठी विप्रों ने सविधि मंत्रोच्चार करते पूजन पर बैठे डॉ0 परमेश्वर दयाल पुष्कर व राजीव कुमार से पूजा अर्चना कराई। इसी श्रृंखला में दीपोत्सव प्रक्रिया का शुभारंभ भी हुआ।

अगला चरण रहा सरोवर में तैरते स्थापित आकर्षक शिवलिंग के पीछे घाट पर चार चौकी मंच से विप्रवर द्वारा उद्घोषित वैदिक मंत्रों व आरती का सस्वर करने का जो देर तक अभिगुंजित रहा वायुमंडल में। वृहद आस्थावान भीड़ जनसमुदाय मौजूद रहे आरती वेला में और सहभागी रहे पूरी पूजन प्रक्रिया में जिसकी परिणति रही समूचे नगर सरोवर तक गुंजायमान होने की।

मंच से सात विप्रवर अंगवस्त्र व अन्यान्य सामग्रियों को भेंट करते सम्मानित किये गए जिसमें पंडित प्रभाशंकर पाठक, गणेश देव पाण्डे, उमेश शुक्ल, विनय कुमार शुक्ल आदि रहे। आयोजन में प्रमुख सहभाग करने वाले कार्यक्रम प्रवन्धक राजीव कुमार राजू, अध्यक्ष डॉ0 परमेश्वर दयाल पुष्कर, संयोजक शिप्पू अग्रहरि, उपाध्यक्ष उदितलाल अग्रहरि, शालिक राम साहू, लवकुश कुमार उमर, महामंत्री, परमेश्वर अग्रहरि रिंकू, बाबूलाल शर्मा के साथ सर्वेश शुक्ल, शिवेन्द्र त्रिपाठी,जयप्रकाश सेठ,रवि मोदनवाल,अनुराग अग्रहरि, वेदांश,मनोज मौर्य,शुभम भोजवाल, गोविंद मोदनवाल,अमरेश सिंह, दिव्यांश , श्लोक, अंकित सोनी, प्रदीप चौरसिया, सूरज सोनी,प्रदीप ,रवि,आशीष उमर समेत अन्य वरिष्ठ व प्रमुख लोगों की सक्रिय सहभागिता रही दोनों दिन कौमुदी महोत्सव के आयोजन में। सफल संचालन रहा प्रधानाचार्य गणेशदेव पाण्डे का जबकि अध्यक्षीय उद्बोधन में मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी श्याम प्रताप सिंह व उपस्थित जनसमूह तथा नगर क्षेत्रवासियों के आभार ज्ञापित किया डॉ0 परमेश्वर दयाल पुष्कर ने।

कर्नाटक से आये हथियों को पीलीभीत टाइगर रिजर्व को सौंपा

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) को बुधवार को एक बड़ी सौगात मिली। शासन से मिली अनुमति के बाद कर्नाटक से हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर हाथियों का एक दल पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंच गया।

राज्य के वन मंत्री अरुण सक्सेना ने माला रेंज पहुंच कर विधिवत पूजा अर्चना कर हाथियों को फल खिलाये। जंगल की गश्त और निगरानी के लिए वन क्षेत्र के अधिकारियों एवं पीलीभीत की जनता को शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर वन मंत्री अरुण सक्सेना ने बताया कि इस पर्यटन सत्र की शुरुआत होने से ये हाथी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

हाथियों को वन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर पीलीभीत टाइगर रिजर्व नवीन खंडेलवाल सहित वन विभाग की टीम कर्नाटक से हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर पीलीभीत टाइगर रिजर्व लेकर आये है। श्री खंडेलवार ने मीडिया को बताया कि हाथियों के दल में सबसे विशालकाय 12 वर्षीय निसर्गा के अतिरिक्त सात और 14 वर्षीय सूर्या नाम सहित आठ वर्षीय मादा हथिनी मनीकांता सम्मलित है। इन सभी को पीलीभीत टाईगर रिजर्व क्षेत्र में होने वाली मानव एवं वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए लाया गया है।

उन्होंने बताया सैकड़ों किलोमीटर में फैले इस पीलीभीत टाईगर रिजर्व क्षेत्र की गश्त के माध्यम से निगरानी कराई जाएगी। जंगल से सटे ग्रामीण इलाक़ो में होने वाली मानव एवं वन्य जीव सँघर्ष की घटनाओं को रोकने के साथ साथ जंगल से बाहर आए बाघों को रेस्क्यू कर उन्हें जंगल के भीतर ले जाने के लिए इन हाथियों से विशेष मदद मिलेगी।

इन चार हाथियों के दल की सम्पूर्ण सेवा उनके खाने पीने से लेकर उनके रख रखाव सीख कमांड देने के लिए आठ महावतों को भी पीलीभीत लाया गया है। जिनमें अमजद पाशा, मंसूर, हिदायत पाशा और शिव कुमार के साथ मनु, दीनू, राजेश वाला और अन्ना सभी महावत हाथियों को काबू करेंगे।

औरैया में गड्ढा मुक्ति अभियान में पकड़ा गया खेल

फाइल से गायब मिले टेंडर प्रकाशन के दस्तावेज

औरैया। औरैया की सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए 1.60 करोड़ के टेंडर में बड़ा खेल सामने आया है। अधिशासी अभियंता टेंडर खुलवाने के लिए एडीएम के पास पहुंचे तो यह खेल सामने आया। दरअसल फाइल में टेंडर प्रकाशन के दस्तावेज नहीं थे। एडीएम ने दस्तावेज मांगे तो अधिशाषी अभियंता दो दिन तक नहीं दे सके। बाद में जो दस्तावेज दिए, उन्हें जांच में एडीएम ने फर्जी पाया। एडीएम ने टेंडर निरस्त कर कार्रवाई के लिए डीएम को लिखा है।
मुख्यमंत्री ने सड़कें ठीक करने को 15 नवंबर की समय सीमा तय की है। मंत्री सड़कों को खरोंच कर गुणवत्ता परख रहे हैं। दूसरी तरफ विभाग में खेल जारी है। यह मामला इसी की एक कड़ी माना जा रहा है। निर्माण खंड दिबियापुर से 21 कामों के लिए 1.60 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला गया। तीन नवंबर को टेंडर खोलने की तिथि नियत थी। प्रभारी अधिशाषी अभियंता अभिषेक यादव टेंडर खोलने के लिए एडीएम एमपी सिंह के पास पहुंचे।

फाइल से गायब मिले टेंडर प्रकाश के दस्तावेज

एडीएम ने बताया, 'मैंने टेंडर की फाइल देखी तो उसमें टेंडर का विज्ञापन छापने वाले समाचार पत्रों की प्रतियां नहीं थीं। एडीएम ने प्रतियां मांगी तो अधिशाषी अभियंता नहीं दे सके। थोड़ी देर में लेकर आने की बात कहकर चले गए और लौटे ही नहीं। दो दिन बाद वह प्रतियां दे गए। जिनकी जांच सूचना विभाग से कराई तो प्रतियों में लगे पेज अलग से छाप कर लगाए गए प्रतीत हुए। यह गुमराह करने और कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने व लाभ कमाने के उद्देश्य से किया गया है। मूल पत्र से मिलान पर इसकी पुष्टि हो गई। मैंने टेंडर निरस्त कर कार्रवाई के लिए डीएम को रिपोर्ट भेजी है।' उधर अधिशाषी अभियंता ने कहा कि टेंडर लखनऊ से छपते हैं।

बुलडोजर बाबा गाने को लेकर दो पक्षों के बीच ईंट पत्थर, पांच पर बलवा केस दर्ज

गुलरिया। गोरखपुर में बहूभोज कार्यक्रम में डीजे पर बुलडोजर बाबा गाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। वहीं सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराते हुए पांच लोगों के खिलाफ बलवा समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया। ये मामला गुलरिहा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक के मुताबिक रघुनाथपुर के अंबिका यादव के घर शनिवार को बहूभोज का कार्यक्रम था। इस दौरान डीजे पर गाना बज रहा था। तभी बुलडोजर वाला गाना को लेकर विवाद हो गया। ईंट पत्थर चलने से दो सगे भाइयों का सिर फट गया। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया। वही अंबिका यादव ने पांच के विरुद्ध तहरीर दी। अंबिका यादव ने बताया कि जब डीजे पर बुलडोजर वाला बाबा गाना चल रहा था, तभी ऐतराज जताते हुए बालेश्वर यादव अपने भाई और भांजों केस साथ लाठी डंडे लेकर आ गया औक गाली गलौज करने लगा। आरोप है कि मना करने के बावजूद डांस करने वाले बच्चों को अवैध असलहा दिखाकर जाने से मारने के इरादे से हवाई फायरिंग की। इसके अलावा घर में घुसकर मारमीट की। गुलरिहा पुलिस ने लिखित तहरीर पर बालेश्वर यादव, बालकेस, राहुल, सूरज और धर्मेंद्र यादव के खिलाफ बलवा समेत अन्य केस दर्ज कर लिया।

शार्ट न्यूज

मुर्मू दो दिन के दौरे पर ओडिशा जायेंगी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को दो दिन के ओडिशा दौरे पर जायेंगी। राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनका पहला ओड़िशा दौरा है। मुर्मू गुरुवार को अपनी यात्रा के पहले दिन पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में प्रार्थना करेंगी। इसके बाद वह भुवनेश्वर में जाने-माने स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। शाम को वह उनके सम्मान में राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। राष्ट्रपति शुक्रवार को भुवनेश्वर में तपोवन हाई स्कूल, राजकीय बालिका उच्च विद्यालय यूनिट-दो और कुंतला कुमारी साबत आदिवासी महिला हॉस्टल यूनिट-दो में जायेंगी तथा छात्रों एवं अध्यापकों के साथ बातचीत करेंगी। उसी दिन वह शिक्षा मंत्रालय की अनेक योजनाओं को जयदेव भवन से शुरू करेंगी।

रुपया 45 पैसे मजबूत

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में नरमी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 45 पैसे मजबूत होकर 81.47 रुपये प्रति डॉलर हो गया। इसी तरह पिछले कारोबारी दिवस रुपया 43 पैसे की तेजी लेकर 81.92 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। शुरुआती कारोबार में रुपया 41 पैसे की बढ़त लेकर 81.43 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान बिकवाली की बदौलत 81.23 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट और लिवाली के दबाव में यह 81.62 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतर गया। अंत में पिछले दिवस के 81.92 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में यह 45 पैसे मजबूत होकर 81.47 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

टोयोटा ने किया सीएनजी सेगमेंट में प्रवेश

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज सीएनजी सेगमेंट में प्रवेश करने की घोषणा करते हुये टोयोटा ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर हाइराइडर के सीएनजी मॉडल उतारे हैं। ई सीएनजी प्रौद्योगिकी के साथ टोयोटा ग्लैंजा की प्रतिस्पर्धी कीमत 843,000 रुपए और ग्रेड जी व एस की कीमत 946,000 रुपये है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि टोयोटा ग्लैंजा इस साल के शुरू में लॉन्च किया गया था। अब मैनुअल ट्रांसमिशन में एस एंड जी ग्रेड में सीएनजी रूपांतर के साथ मैनुल ट्रांसमिशन पावरट्रेन के साथ उपलब्ध होगी। इस सेगमेंट में अपनी तरह का पहला अर्बन क्रूजर हाइराइडर भी अब एस एंड जी दोनों ग्रेड में फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ उपलब्ध होगा। दोनों ग्रेड में मैनुअल ट्रांसमिशन (एमटी) पावरट्रेन से युक्त, सीएनजी रूपांतर सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक के साथ-साथ नियो ड्राइव रूपांतर के अतिरिक्त होगा, जो पहले से ही बाजार में उपलब्ध हैं और हैं जिन्हें ग्राहकों से बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। टोयोटा के दोनों मॉडलों में सीएनजी ग्रेड की शुरूआत टीकेएम को टिकाऊ वाहन प्रौद्योगिकी पेशकशों की अपनी सीमा को बढ़ाने के साथ-साथ ग्राहकों के चुनने के लिए पर्यावरण के अनुकूल और किफायती विकल्प प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। इस तरह, भारतीय उपभोक्ताओं की विभिन्न किस्म की गतिशीलता आवश्यकताएं पूरी की जाएंगी।

श्रीराम इंश्योरेंस को पहली छमाही में 75 करोड़ रुपये का लाभ

नयी दिल्ली। श्रीराम समूह की जीवन बीमा प्रदान करने वाली कंपनी श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 75 करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली छमाही में उसे 45.8 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। अप्रैल-सितंबर 2022 छमाही में कंपनी का सकल प्रीमियम 969 करोड़ रुपये दर्ज किया गया जो एक वर्ष पूर्व समान अवधि में 850 करोड़ रुपये था। आलोच्य छमाही में कंपनी के प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) की राशि 23 प्रतिशत के उछाल के साथ 8,149 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी जो अप्रैल-सितंबर 2021 में 6,762 करोड़ रुपये थी। श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ कैस्परस जेएच क्रॉमहौट ने कहा, वर्तमान में हम एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में अधिक ग्राहकों तक पहुंचने में सक्षम हैं। कुशल ग्राहक सेवा प्रक्रियाओं के माध्यम से ग्राहकों को उत्पादों का उचित लाभ प्रदान कर रहे हैं जैसा की दूरस्थ स्थानों में भी 12 घंटे के भीतर बीमा पर दावे का निपटान है।

बैंक ऑफ इंडिया के होम लोन की ब्याज दर घटी

कोलकाता। बैंक आफ इंडिया का स्टार होम लोन अब 8.30 प्रतिशत प्रतिवर्ष की सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धी ब्याज दर में शामिल हो चुका है, जिसकी सबसे सस्ती ईएमआई 7.55 लाख रूपये से शुरू होती है। बैंक द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ग्राहक अन्य बैंकों या वित्तीय संस्थानों से अपने वर्तमान होम लोन का स्थानांतरण बैंक ऑफ इंडिया में कर सकते हैं। होम लोन आवेदनकर्ता को एक ओवरड्राफ्ट सुविधा भी मिलता है और वे कम ब्याज दर, आसान नगदी और कर लाभ जैसे तीन व्यक्तिगत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस सुविधा का लाभ जमीन खरीदने या घर बनाने, पुराने या नए फ्लैट खरीदने या मौजूदा फ्लैट/घर की मरम्मत या सुधार करने के लिए उठाया जा सकता है। बैंक ऑफ इंडिया का स्टार होम लोन 30 वर्षों तक लोन चुकाने का समय देता है। यह ग्राहक को ऋण अवधि के दौरान लोन चुकाने के लिए विभिन्न अवधियों में विविध ईएमआई का विकल्प भी प्रदान करता है। इसके लिए कोई पूर्व भुगतान या आंशिक भुगतान शुल्क नहीं लिया जाता है और उधारकर्ताओं को चुकाए गए ब्याज और किस्तों पर कर छूट भी प्रदान की जाती है। ग्राहक को कम ब्याज राशि का भुगतान करना पड़े इसके लिए ब्याज की गणना दैनिक आधार पर की जाती है। बैंक ऑफ इंडिया टॉप-अप और फर्नीचर लोन भी देता है। यह सुविधा बैंक ऑफ इंडिया के सभी शाखाओं में उपलब्ध है और एक आसान और समय पर अनुमोदित प्रक्रिया के माध्यम से प्रदान की जाती है।

ऋषिहुड विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह

नयी दिल्ली। दिल्ली एनसीआर के सोनीपत स्थित ऋषिहुड विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह हुआ है जिसमें उनके पीजी स्नातकों के प्रारंभिक बैचों को उपाधि से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसके साथ ही 2022-2023 के आने वाले बैचों का स्वागत किया गया। भारत में खुद को एक अग्रणी सामाजिक प्रभाव संस्थान के रूप में पहचानते हुए ऋषिहुड विश्वविद्यालय ने पिछले एक साल में एक एनईपी 2020- पर आधारित शिक्षण मॉडल और पाठ्यक्रम को लागू करने का प्रयास किया है। विश्वविद्यालय के चांसलर एवं पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने समारोह की अध्यक्षता करते हुये शिक्षार्थियों से आत्म-परिवर्तन की यात्रा शुरू करने और सच्चे राष्ट्र निर्माता बनने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति शोभित माथुर ने विष्णु पुराण के एक श्लोक - सावदया या वमुतये या शिक्षा वह है जो मुक्त करती है- का आह्वान करते हुए कहा ऋषिहुड में हम अपने शिक्षार्थियों को पारंपरिक भारतीय ज्ञान को मुख्यधारा के पश्चिमी विश्वदृष्टि के साथ जुड़ने के लिए तैयार करते हैं। यह उनके दृष्टिकोण को समृद्ध बनाता है और समाधान अधिक रचनात्मक बनाता है। यह उन्हें वास्तविक दुनिया में अपने साथियों से अलग करेगा। यह उच्च शिक्षा के लिए एक नया दृष्टिकोण है, जहां भारतीय ज्ञान वैकल्पिक नहीं बल्कि नींव है।

डाबर मेसवाक ने पहला एनएफटी किया पेश

नयी दिल्ली। आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने टूथपेस्ट ब्राण्ड डाबर मेसवाक के लिए पहले एक्सक्लुज़िव एनएफटी के लॉन्च के साथ मेटावर्स/ नॉन-फंगिबल टोकन की शुरूआत की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि डाबर की ओर से पेश किया गया पहला एनएफटी, वर्ल्ड रिकॉर्ड्स युनियन द्वारा सर्टिफाईड सबसे बड़ा डिजिटल गणपति म्यूरल है, जिसे देश भर के लोगों से क्राउडसोर्स किया गया है। यह डाबर मेसवाक के साथ लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने और उन्हें एकजुटता का जश्न मनाने के लिए प्रेरित करता है। डाबर मेसवाक द्वारा भव्य डिजिटल कैंपेन के तहत एनएफटी का निर्माण किया है, जिसके तहत लोगों को ब्राण्ड के सोशल मीडिया हैण्डल्स पर गणपति बप्पा के साथ उनके पसंदीदा पल बिताने के लिए आमंत्रित किया गया है।

शेयर बाजार में आई गिरावट

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक स्तर के कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर रियलटी, ऑटो सहित अधिकांश प्रमुख समूहों में हुयी बिकवाली से शेयर बाजार में आज गिरावट रही। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी एक चौथाई फीसदी उतर गया।

बीएसई का सेंसेक्स 151.60 अंक टूटकर 61033.55 अंक पर और एनएसई का निफ्टी 45.80 अंक टूटकर 18157 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली देखी गयी जिससे बीएसई का मिडकैप 0.52 प्रतिशत उतरकर 25689.06 अंक पर और स्मॉलकैप 0.33 प्रतिशत गिरकर 29197.14 अंक पर रहा।

बीएसई में बढ़त में रहने वाले समूहों में टेक 1.47 प्रतिशत, एफएमसीजी 0.22 प्रतिशत, बैंक 0.23 प्रतिशत शामिल रहा जबकि इनको छोड़कर सभी समूह गिरावट में रहा जिसमें रियलटी में सबसे अधिक 1.42 प्रतिशत शामिल है।

बीएसई में कुल 3634 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1789 गिरावट में और 1730 बढ़त में रहा जबकि 115 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बाजार हरे निशान में खुले जबकि यूरोप और एशिया के सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान में दिखे। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.21 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 0.62 प्रतिशत, जापान 0.56 प्रतिशत, हांगकांग 1.20 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.53 प्रतिशत की गिरावट में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स 119 अंकों की बढ़त लेकर 61304.29 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह शुरूआती कारोबार में ही 61447.23 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसी दौरान बिकवाली शुरू होने के दबाव में यह 60905.15 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 61185.15 अंक की तुलना में 151.60 अंक अर्थात 0.25 प्रतिशत टूटकर 61033.55 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 22 कंपनियां गिरावट में रही जबकि मात्र आठ बढ़त बनाने में सफल रही।

एनएसई का निफ्टी 86 अंकों की बढ़त के साथ 18228.25 अंक पर खुला। इस दौरान यह 18296.40 अंक के उच्चतम स्तर और 18117.50 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 18202.80 अंक की तुलना में 45.80 अंक अर्थात 0.25 प्रतिशत की गिरावट लेकर 18157 अंक पर रहा।

निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 36 को नुकसान हुआ जबकि 14 लाभ कमाने में सफल रही।

सीतारमण ने सार्वभौमिक हरित बौंड फ्रेमवर्क को किया अनुमोदित

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हरित परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने के उद्देश्य से आज देश के सार्वभौमिक हरित बौंड फ्रेमवर्क को अनुमोदित कर दिया।

वित्त मंत्रालय ने यहां जारी बयान में कहा कि इस अनुमोदन से भारत के नेशनली डिटरमाइंड कट्रीब्यूशन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में किये गये वादे को पूरा करने में मदद मिलेगी। भारत ने पेरिस संधि के तहत यह वादा किया हुआ है। इस अनुमोदन से हरित परियोजनाओं के लिए वैश्विक और घरेलू निवेश आकर्षित की जा सकेगी। इस तरह के बौंड जारी किये जाने से अर्थव्यवस्था में कार्बन उत्सर्जन को कम करने वाली सरकारी परियोजनाओं के लिए धन जुटाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो में नवंबर 2021 में कोप 26 के दौरान पंचामृत के तहत कदम उठाये जाने के वादे किये थे और यह अनुमोदन भी उसी का हिस्सा है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने चालू वित्त वर्ष के आज बजट में भी इसकी घोषणा की थी।

हरित बौंड वित्तीय उपाय है जो पर्यावरण एव जलवायु के अनुकूल वाली परियोजनाओं में निवेश को गति देगा। इस माध्यम से जुटायी गयी पूंजी की लागत भी नियमित रूप से मिलने वाली पूंजी की तुलना में कम होगी। फ्रेमवर्क के तहत सौर्वभौमिक हरित बौंड जारी करने के निणर्य को मान्यता देने के उद्देश्य से ग्रीन फाइनेंस वर्किंग कमेटी का गठन का भी प्रावधान है।

पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर

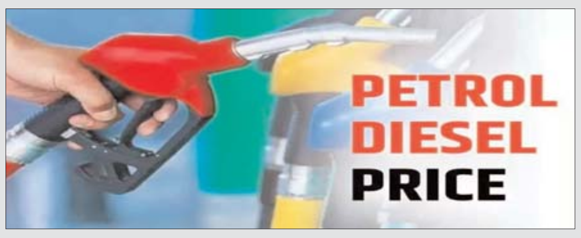

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आ रही गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में बुधवार को भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.24 प्रतिशत फिसलकर 95.13 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.29 प्रतिशत की गिरावट लेकर 88.65 डॉलर प्रति बैरल हो गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

शिवराज मुंबई में शीर्षस्थ उद्योगपतियों से करेंगे मुलाकात

भोपाल। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश आमंत्रित करने के उद्देश्य से इंदौर में आगामी जनवरी माह में आयोजित होने वाले इंवेस्टर्स समिट की तैयारियों के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को मुंबई की यात्रा के दौरान देश के शीर्षस्थ उद्योगपतियों और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्री चौहान 10 नवंबर को मुंबई में महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. अनीश शाह, हिन्दुस्तान यूनिलिवर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजीव मेहता तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के निदेशक अनंत अंबानी व धनराज नाथवानी, सिएट टायर्स के प्रबंध निदेशक अनंत गोयनका, यू.एस. फार्मा के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक तपन संघवी, केमेरिक्स लाइफ साइंसेज के निदेशक ए.के. मिश्रा, एनक्यूब ऐथिकल फार्मा के प्रबंध निदेशक मेहुल शाह, ग्यूफिक बायोसाइंसेज के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक जयश चौकसी और पीरामल ग्रुप के उपाध्यक्ष डॉ. स्वाति पीरामल से भेंट करेंगे। इस अवसर पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों का दल भी मौजूद रहेगा।

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री श्री चौहान फार्मा और मेडिकल उपकरणों के निर्माण से संबंधित इकाइयों की राज्य में स्थापना की संभावनाओं पर इस क्षेत्र में कार्यरत उद्योगपतियों से विशेष रूप से चर्चा करेंगे।

इसके अंतर्गत गोदरेज, एलेम्बिक फार्मा, आदित्य बिरला ग्रुप, हीरानंदानी ग्रुप, सन फार्मास्युटिकल्स, टाटा संस, प्रोक्टर एंड गेम्बल इंडिया, लार्सेन एंड ट्यूबरो, परस्सिटेंट सिस्टम्स और पंचशील रियल्टी रिजर्व के प्रमुखों और पदाधिकारियों से भी चर्चा करेंगे।

श्री चौहान ने अपनी मुंबई यात्रा से पहले कल यहां उद्योग और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में चर्चा की। इस दौरान श्री चौहान ने कहा कि उद्योगपतियों और निवेशकों के लिए जनवरी 2023 में इंदौर में होने वाली इंवेस्टर्स समिट परिणाममूलक हो, इस उद्देश्य से प्रदेश की आवश्यकताओं, निवेश के अवसरों और संभावनाओं की निवेशकों और उद्योगपतियों को विस्तार से जानकारी दी जाना चाहिए। प्रदेश में कृषि उपकरणों के निर्माण और फार्मा तथा मेडिकल डिवाइस निर्माण से संबंधित उद्योगों की संभावनाओं से इस क्षेत्र में कार्यरत उद्योगपतियों को विशेष रूप से अवगत कराया जाए।

मुख्यमंत्री अपनी मुंबई यात्रा के दौरान जनवरी 2023 में इंदौर में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट के लिए उद्योगपतियों और निवेशकों को आमंत्रित भी करेंगे।

नए थर्मल पावर प्लांट के लिए रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन करना हो सकता है जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिजली मंत्रालय ने टैरिफ नीति 2016 में संशोधन का प्रस्ताव दिया है।

प्रस्ताव के तहत अप्रैल 2024 के बाद अगर कोई थर्मल पावर उत्पादक उत्पादन बढाते हैं या नई यूनिट लगाते हैं तो उन्हें उतनी ही मात्रा में रिन्यूएबल एनर्जी या तो बनानी या खरीदनी होगी।

यह प्रस्ताव भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान यानी के उस लक्ष्य को पूरा करने की दिशा अहम कदम है जिसके तहत देश के कुल एनर्जी उत्पादन में गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाकर 50 फीसदी करने की है। इस कदम से राज्य के स्वामित्व वाली एनटीपीसी लिमिटेड और अदाणी पावर पर असर पड़ सकता है। यही दो कंपनियां हैं जो देश में मुख्य रूप से थर्मल पावर का उत्पादन करती हैं और इनकी उत्पादन बढ़ाने की भी योजना है। एनटीपीसी 66 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाला सबसे बड़ा थर्मल पावर उत्पादक है, उसके पास निर्माणाधीन 11 गीगावाट थर्मल पावर परियोजनाएं हैं। इसने 2032 तक 60 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन क्षमता के निर्माण की योजना की भी घोषणा की है। वर्तमान में एनटीपीसी की रिन्यूएबल एनर्जी की उत्पादन क्षमता 1.1 गीगावाट है। अदाणी पावर के पास कुल 8.7 गीगावाट के पांच थर्मल पावर प्लांट पाइपलाइन में हैं। अदाणी पावर ने अगले चार सालों में अपनी रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन क्षमता को तीन गुना करके 63 प्रतिशत करने की भी घोषणा की है। वहीं टाटा पावर, जेएसडब्ल्यू एनर्जी जैसी अन्य प्रमुख कंपनियों ने कोयला आधारित बिजली उत्पादन में आगे कोई निवेश नहीं करने की घोषणा की है।

एक अन्य राज्य के स्वामित्व वाली इकाई जो थर्मल पावर में निवेश कर रही है, वह है पनबिजली उत्पादक सतलुज जल विद्युत निगम। यह बिहार के बक्सर में 1.3 गीगावाट कोयला बिजली संयंत्र का निर्माण कर रहा है।

फाइवस्टार बिजनेस फाइनेंस के आईपीओ को पहले दिन दो प्रतिशत अभिदान

नयी दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी फाइवस्टार बिजनेस फाइनेंस के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के पहले दिन बुधवार को दो प्रतिशत अभिदान मिला। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, आईपीओ के तहत 3,04,88,966 शेयरों की पेशकश पर 7,21,742 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों ने 4.30 लाख शेयरों के लिए बोली लगाई। पात्र संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) श्रेणी में 2.55 लाख शेयरों के लिए बोली लगाई गई है। आईपीओ 11 नवंबर को बंद होगा। फाइवस्टार बिजनेस फाइनेंस ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 450 से 474 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

वित्त मंत्रालय ने सॉवरेन हरित बॉन्ड के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिया

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वैश्विक मानकों के अनुरूप सॉवरेन हरित बॉन्ड जारी करने की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार चालू वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी छमाही के दौरान हरित बॉन्ड जारी करके 16,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह दूसरी छमाही के लिए ऋण कार्यक्रम का एक हिस्सा है। सूत्रों ने कहा कि रूपरेखा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। बजट में ऐसे बॉन्ड जारी करने की घोषणा की गई थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल अपने बजट भाषण में घोषणा की थी कि सरकार हरित अवसंरचना ढांचे के लिए संसाधन जुटाने की खातिर सॉवरेन हरित बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव रखती है। उन्होंने बजट 2022-23 में कहा था, ''इस राशि को सार्वजनिक क्षेत्र की उन परियोजनाओं में लगाया जाएगा, जो अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को कम करने में मदद करती हैं।'' सरकार की चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-मार्च अवधि के दौरान कुल 5.92 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेने की योजना है। 2022-23 के बजट में सरकार ने 14.31 लाख करोड़ रुपये के सकल बाजार ऋण का अनुमान लगाया था। इसमें से इस वित्त वर्ष के दौरान 14.21 लाख करोड़ रुपये उधार लेने का फैसला किया है, जो बजट अनुमान से 10,000 करोड़ रुपये कम है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि हरित बॉन्ड जारी करके जुटाई गई राशि का इस्तेमाल जीवाश्म ईंधन के उत्पादन और वितरण के लिए नहीं किया जा सकता है।

पाक सरकार 2027 तक ब्याज मुक्त बैंक व्यवस्था लागू करेगी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इसहाक डार ने बुधवार को कहा कि देश इस्लामिक कानून के तहत 2027 तक ब्याज मुक्त बैंक प्रणाली की ओर बढ़ सकता है। समाचार पत्र 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री डार ने पांच साल में देश से ब्याज व्यवस्था खत्म करने के संघीय शरीयत अदालत (एफएससी) के अप्रैल के फैसले के खिलाफ अपनी अपील वापस लेने के सरकार के इरादे से अवगत कराया। उसके बाद उक्त घोषणा की गयी। संघीय शरीयत अदालत के अनुसार पाकिस्तान में मौजूदा ब्याज वाली बैंक व्यवस्था शरीयत कानून के तहत खिलाफ है। अखबार ने वित्त मंत्री के हवाले से लिखा है, ''प्रधानमंत्री की मंजूरी और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के गवर्नर के परामर्श से मैं सरकार की तरफ से घोषणा कर रहा हूं कि एसबीपी और नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय से अपने अपील वापस लेंगे। और हमारी सरकार जितनी जल्दी हो सके, देश में इस्लामिक व्यवस्था लागू करने का पूरा प्रयास करेगी।''

उन्होंने यह भी कहा कि संघीय शरीयत अदालत के फैसले को लागू करने में चुनौतियां होंगी और पूरी बैंकिंग प्रणाली और उसके कामकाज को एकदम से नई व्यवस्था में तब्दील नहीं किया जा सकता।

मेटा ने 11,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली। Facebook की मूल कंपनी मेटा ने अपने 13 फीसदी या लगभग 11,000 कर्मचारियों की छंटनी की है। कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को कर्मचारियों को लिखे पत्र में कहा कि कमाई में गिरावट और प्रौद्योगिकी उद्योग में जारी संकट के चलते यह फैसला करना पड़ा।

छंटनी के बारे में जुकरबर्ग ने बयान में कहा, 'दुर्भाग्य से, यह मेरी अपेक्षा के अनुरूप नहीं हैं।'

उन्होंने कहा, 'ऑनलाइन कॉमर्स के पिछले रुझान वापस आ गए हैं, लेकिन इसके साथ ही व्यापक आर्थिक मंदी, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और विज्ञापन घटने के संकेत के चलते हमारी आय, मेरी अपेक्षा से बहुत घट गई है। मैंने इसे गलत ढंग से समझा और मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। इससे पहले अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद वहां बड़े पैमाने पर कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था। पिछले सप्ताह ट्विटर ने अपने 7,500 कर्मचारियों में से लगभग 50 फीसदी को बाहर कर दिया था। दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों की तरह स्र्द्गह्लडु ने भी महामारी के चलते लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान जोरदार वृद्धि दर्ज की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग घर पर रहे और उन्होंने अपने फोन तथा कंप्यूटर पर अधिक वक्त बिताया।

हालांकि, लॉकडाउन खत्म होने के बाद लोग बाहर जाने लगे और इन कंपनियों की कमाई डगमगाने लगी। मेटा की आय के सबसे बड़े स्रोत - ऑनलाइन विज्ञापन में कमी और आर्थिक मंदी के चलते कंपनी के लिए संकट बढ़ा। इस गर्मी में मेटा ने अपने इतिहास में पहली बार किसी तिमाही के दौरान आय में गिरावट का सामना किया।

मेटा द्वारा 'मेटावर्स' में प्रतिवर्ष 10 अरब डॉलर से अधिक निवेश करने से भी निवेशक चिंतित हैं, क्योंकि ऐसे में उसका ध्यान सोशल मीडिया कारोबार से हट रहा है। मेटा और उसके विज्ञापनदाता संभावित मंदी का सामना कर रहे हैं। एप्पल के गोपनीयता टूल से भी चुनौती मिल रही है, जिसके कारण फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैप जैसे सोशल मीडिया के लिए सहमति के बिना लोगों को ट्रैक करना और टारगेट विज्ञापन देना कठिन होता जा रहा है।

ईंट निर्माताओं की सरकार से जीएसटी को घटाकर एक प्रतिशत करने की मांग

एजेंसी

नयी दिल्ली। करीब चार महीने से हड़ताल पर चल रहे ईंट निर्माताओं ने सरकार से ईंट पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर छह प्रतिशत से घटाकर पहले के एक प्रतिशत के स्तर तक कम करने की मांग की है।

ऑल इंडिया ब्रिक एंड टाइल मैन्युफैक्चरर्स फेडरेशन (एआईबीटीएमएफ) के महासचिव ओमवीर सिंह भाटी ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पीटीआई-भाषा को बताया कि नयी जीएसटी दर एक अप्रैल, 2022 से प्रभावी है।

इससे पहले कंपोजिशन स्कीम के तहत ईंट निर्माताओं पर एक प्रतिशत जीएसटी लगता था। उन्होंने कहा, ''हम कठिन समय का सामना कर रहे हैं। पूरे देश में हमारे भट्टे इस समय बंद हैं क्योंकि मांग के अभाव और उच्च लागत के कारण हमारे लिए कारोबार करना मुश्किल हो रहा है। हम सरकार से जीएसटी को कम करने की मांग करते हैं।'' उन्होंने ईट बनाने वाली इकाइयों के बंद होने के कारणों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले तीन से चार महीनों से भट्ठा मालिक देशव्यापी हड़ताल पर हैं।

डेढ़ करोड़ रुपये तक के कारोबार करने वाले व्यवसायों पर एक प्रतिशत जीएसटी था। एआईबीटीएमएफ के अधिकांश सदस्यों का कारोबार इसी सीमा में है।

भाटी ने इस मुद्दे के बारे में कहा कि हालांकि, सरकार ने केवल ईंट उद्योग के लिए जीएसटी को बढ़ाकर छह प्रतिशत कर दिया है और यह दूसरी अन्य चीजों के लिए पहले की ही तरह है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दर में वृद्धि का निर्णय पिछले साल जीएसटी परिषद की बैठक में लिया गया था। उन्होंने कहा कि ईंटों के लिए कच्चे माल में से एक कोयले पर भी जीएसटी दर को पहले के पांच प्रतिशत की तुलना में बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया है। यह एक श्रम प्रधान उद्योग है और सरकार को जीएसटी बढ़ाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। भारत में लगभग 1.5 लाख से अधिक ईंट भट्टे हैं। भाटी ने कहा कि बंद के कारण करीब तीन करोड़ कर्मचारी काम से दूर हैं।

टोयोटा ने ग्लैंजा, अर्बन क्रूजर हाइडराइडर का सीएनजी संस्करण पेश किया

नयी दिल्ली । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर हाइडराइडर के नए संस्करण पेश करने के साथ सीएनजी श्रेणी में कदम रखने की घोषणा की है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि ग्लैंजा के दो सीएनजी मॉडल की कीमत क्रमशः 8.43 लाख रुपये और 9.46 लाख रुपये है। हालांकि, कंपनी ने अर्बन क्रूजर हाइडराइडर के सीएनजी मॉडल की कीमत का खुलासा नहीं किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिक्री और रणनीति विपणन के एसोसिएट उपाध्यक्ष अतुल सूद ने कहा कि ग्राहक केंद्रित होने के नाते कंपनी उपभोक्ताओं के हित को सबसे आगे रखने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा, ''टोयोटा में हमारा लक्ष्य हमेशा ग्राहकों की आकांक्षाओं पर ध्यान देते हुए अपने ग्राहकों को सबसे व्यवहार्य उत्पाद और सेवाएं प्रदान करके बाजार की जरूरतों को पूरा करना रहा है।''

शार्ट न्यूज

हसरंगा बने टी20 के नंबर एक गेंदबाज

दुबई। श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज वानिंदु हसरंगा ने टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में राशिद खान को पछाड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार हसरंगा 704 रेटिंग पॉइंट के साथ टी20 गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर हैं, जबकि राशिद 698 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि राशिद ने दो हफ्ते पहले ही ऑस्ट्रेलिया के जॉश हेजलवुड को पछाड कर शीर्ष स्थान काबिज किया था। हेजलवुड फिलहाल 690 अंकों के साथ तीसरे नंबर के टी20 गेंदबाज हैं। दूसरी ओर, भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव 869 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप के पांच मैचों में 190 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 225 रन बना चुके हैं।

दिसंबर में होगी आईपीएल 2023 की नीलामी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सत्र के लिये खिलाड़ियों की नीलामी 23 दिसंबर को केरल के कोच्चि में आयोजित होगी। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह 2022 में हुई 'मेगा ऑक्शन' के बरक्स छोटे स्तर की 'मिनी ऑक्शन' होगी। इस नीलामी में फ्रेंचाइजी मेगा ऑक्शन में बची धनराशि के साथ-साथ अतिरिक्त पांच करोड़ रुपये खर्च कर सकेंगी। साथ ही, यदि एक फ्रेंचाइजी किसी खिलाड़ी को टीम से बाहर करेगी तो उसकी कीमत के बराबर रुपयों का प्रयोग भी नीलामी में कर सकेगी। आईपीएल 2022 से पहले हुई नीलामी में पंजाब किंग्स के पास सर्वाधिक 3.45 करोड़ रुपये शेष बचे थे, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपना पूरा पर्स खाली कर दिया था। चेन्नई सुपर किंग्स 2.95 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 1.55 करोड़, राजस्थान रॉयल्स 95 लाख जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स नीलामी से 45 लाख रुपये बचा ले गई थी। गत चैंपियन गुजरात के पर्स में 15 लाख रुपये शेष हैं जबकि मुंबई इंडिन्स, सनराइज़र्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के पर्स में 10-10 लाख रुपये हैं। आईपीएल प्रबंधन दिसंबर की शुरुआत तक नीलामी के लिए खिलाड़ियों के नाम निर्धारित कर सकता है। टीमों के लिये बाहर किये गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने की आखिरी तिथि 15 नवंबर है। नीलामी सूची में इस वर्ष बेन स्टोक्स, सैम करेन और कैमरन ग्रीन के नाम होने की संभावना है। पंजाब, दिल्ली और लखनऊ ने पिछली नीलामी में सिर्फ सात विदेशी खिलाड़ी खरीदे थे, जबकि एक फ्रेंचाइजी अधिकतम आठ विदेशी खिलाड़ियों को स्क्वाड में शामिल कर सकती है।

सीआईएसएफ, नेशनल यूनाइटेड की बड़ी जीत

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के नेहरु स्टेडियम में सीआईएसएफ प्रोटेक्टर ने बुधवार को फुटबॉल दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग में दिल्ली यूनाइटेड एफसी को 8-0 से बड़ी जीत हासिल की। दिन के दूसरे मैच में नेशनल यूनाइटेड ने सफिला डेली की तिकड़ी से यूनाइटेड भारत को 5-2 से हराया। सीआईएसएफ की जीत का आकर्षण राजदीप और भोला सिंह के जमाए दो-दो गोल रहे। पवन, असवाल, इमरान और मैन ऑफ द मैच चंद्रा कुमार ने एक-एक गोल किया। नेशनल यूनाइटेड की जीत में डेली ने तिकड़ी जमाई, जबकि प्रथम और दिविज ने एक-एक गोल किया। पराजित टीम के गोल दिवास और विष्णु ने बांटे। नेशनल यूनाइटेड के गोलकीपर स्नेह त्यागी को उनके शानदार क्षेत्ररक्षण के लिये मैन ऑफ द मैच चुना गया। सीनियर डिवीजन लीग में गुरुवार को खेले जाने वाले मैचों में यंगमेन को अहबाब से जबकि गढ़वाल डायमंड को सिटी से खेलना है।

मस्क ने बेचे टेस्ला के करीब चार अरब डॉलर के शेयर

लॉस एंजेलिस। दुनिया के सबसे बड़े धनाड्य एलन मस्क ने अपनी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला के के 3.95 अरब डालर कीमत के 1.95 करोड़ और शेयर बेचे हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार करीब एक पखवाड़ा पहले 44 अरब डालर से ट्विटर पर अपना अधिग्रहण कर चर्चा में आये मस्क की कंपनी टेस्ला इस साल की शुरूआत से ही संकट में दिखने लगी थी। इस साल की शुरुआत से टेस्ला के शेयर की कीमत में 50 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार पावर स्टीयरिंग की समस्या के कारण टेस्ला अमेरिका में बिक्री किये गये 40 हजार से अधिक वाहनों को बाजार से वापस ले रही है। इलेक्ट्रिक कार निर्माता का कहना है कि वाहनों का पावर-स्टीयरिंग सिस्टम उबड़-खाबड़ सड़कों पर या गड्ढे से टकराने के बाद फेल हो सकता है। इससे पहले अप्रैल में मस्क ने टेस्ला के 8.5 अरब डालर और अगस्त में सात अरब डालर के शेयर बेचे थे। टेस्ला की शेयरों की बिक्री से मस्क की कुल संपत्ति भी 20 अरब डालर से नीचे आ गई है। इसके पीछे ट्विटर में हिस्सेदारी खरीदने को जिम्मेदार माना जा रहा है, हालांकि वह अब भी दुनिया के सबसे धनवान शख्स बने हुए हैं।

ब्रिटेन के मंत्री का इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सरकार में कैबिनेट मंत्री गेविन विलियम्सन ने अपने सहयोगियों के धमकाने के आरोप में पद से इस्तीफा दे दिया है। विलियम्सन ने मंगलवार को ट्विटर पर दिए गए त्यागपत्र में कहा कि वे मैसेज प्राप्तकर्ता से माफी मांग चुके हैं और जांच में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने दूसरी घटना में धमकाने के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, मैं इन दावों का खंडन करता हूं लेकिन यह भी मानता हूं कि यह सरकार द्वारा किए जा रहे अच्छे कामों के प्रति ब्रिटिश लोगों का ध्यान जा रहा है। इसलिए मैंने सरकार से हटने का फैसला लिया है जिससे मैं शिकायत की प्रक्रिया का पूरी तरह से पालन कर सकूं और किसी भी गलत काम में लगे आरोपों में खुद को निर्दोष साबित कर सकूं। सुनक ने कहा कि उन्होंने विलियम्सन का इस्तीफा बड़े दुखी मन से स्वीकार कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, विलियम्सन पर पिछले माह टोरी के एक सहयोगी सांसद को अपमानजनक संदेश भेजने और रक्षा सचिव के रूप में एक वरिष्ठ सिविल सेवक को धमकाने का आरोप लगा है। संडे टाइम्स में उनके द्वारा टोरी के सांसद और तत्कालीन मुख्य सचेतक वेंडी मॉर्टन को भेजे गए अपशब्द संदेशों की एक श्रृंखला प्रकाशित हुई थी, तब से सर गेविन दबाव में थे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति बाली के जी-20 शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इंडोनेशिया के बाली में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। यह जानकारी बुधवार को यूक्रेन के सरकारी एजेंसी सुस्पिल्ने ने राष्ट्रपति के प्रवक्ता सर्गी निकिफोरोव के हवाले से दी। निकीफोरोव ने मंगलवार को कहा था कि निश्चित रूप से वोलोडिमिर जेलेंस्की जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे, बहुत अधिक संभावना है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ऑनलाइन प्रारूप में इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इंडोनेशिया के बाली में 15-16 नवंबर को होने वाले 17वें जी-20 शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय रिकवर टुगेदर, रिकवर स्ट्रॉन्गर होगा।

नेपाल में आया 6.6 तीव्रता का भूकंप, छह की मौत

काठमांडू। पश्चिम नेपाल में बुधवार तड़के आए 6.6 तीव्रता के भूकंप में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केन्द्र के अनुसार अनुसार मध्यरात्रि के बाद 2:12 बजे, 6.6 तीव्रता का भूकंप आया और इसका केंद्र खापताद नेशनल पार्क था। काठमांडू पोस्ट के अनुसार डोटी में जिला पुलिस कार्यालय में कार्यवाहक प्रमुख पुलिस उपाधीक्षक भोला भट्टा ने बताया कि पुरीचौकी ग्रामीण नगर पालिका के गैरा गांव निवासी छह लोगों की मौत हो गयी जिसमें एक 8 वर्षीय लड़का, एक 13 वर्षीय लड़की, दो 14 वर्षीय लड़कियां, 40 वर्षीय महिला और 50 वर्षीय एक पुरुष शामिल हैं। भट्टा ने बताया कि भूकंप के दौरान क्षतिग्रस्त हुए घर के मलबे में दबने से इन सभी पीड़ितों की मौत हो गई।

इतिहास दोहराने से सिर्फ एक कदम दूर पाकिस्तान

सिडनी। पाकिस्तान ने फॉर्म में लौटे कप्तान बाबर आज़म (53) और मोहम्मद रिज़वान (57) के अर्द्धशतकों की बदौलत बुधवार को टी20 विश्व कप 2022 के पहले सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड को सात विकेट से मात दी।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 153 रन का लक्ष्य दिया, जिसे बाबर की टीम ने पांच गेंद रहते हुए हासिल कर लिया।

कप्तान बाबर और रिज़वान ने पूरे टूर्नामेंट के रनों के सूखे को सेमीफाइनल मैच में समाप्त करते हुए टी20 विश्व कप 2022 में पहली बार 50 रन का आंकड़ा छुआ। बाबर ने 42 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 53 रन बनाये, जबकि रिजवान ने 43 गेंदों पर पांच चौकों के साथ 57 रन का योगदान दिया। बाबर-रिजवान ने पहले विकेट के लिये 105 रन की शतकीय साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे प्रतिभावान युवा बल्लेबाज मोहम्मद हारिस ने 26 गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाकर 26 रन बनाये, जबकि शान मसूद (03 नाबाद) ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाकर पाकिस्तान को फाइनल में पहुंचाया।

मेलबर्न में रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में पाकिस्तान का सामना भारत या इंग्लैंड में से किसी एक टीम से होगा। पाकिस्तान इससे पहले यूनुस खान की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2009 जीत चुका है।

भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में भी आमने-सामने थे, जहां महेंद्र सिंह धोनी के धुरंधरों ने मिस्बाह-उल-हक़ की टीम को हराया था। इसके अलावा भारत ने अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत भी पाकिस्तान को हराकर की थी।

उल्लेखनीय है कि फाइनल मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा, जहां पाकिस्तान ने इमरान खान की कप्तानी में एकदिवसीय विश्व कप 1992 का फाइनल खेलकर शीर्ष टूर्नामेंट जीता था।

न्यूजीलैंड ने आज टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन उसने महज 49 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद डेरिल मिचेल (53 नाबाद) और केन विलियम्सन (46) ने 68 रन की साझेदारी करके कीवी टीम को मुसीबत से उबारा।

विलियम्सन ने अपनी 46 रन की पारी में 42 गेंदें खेलकर एक चौका और एक छक्का लगाया। दूसरी ओर, टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के नायक रहे मिचेल ने यहां भी 35 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ 53 रन बनाये। इसके अलावा डेवन कॉनवे ने 21(20) रन जबकि जेम्स नीशम ने 12 गेंदों पर नाबाज 16 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान ने शुरुआती 10 ओवरों में न्यूजीलैंड को सिर्फ 59 रन बनाने दिये, लेकिन मिचेल-विलियम्सन की साझेदारी की मदद से न्यूजीलैंड ने अंतिम 10 ओवरों में 93 रन जोड़कर पाकिस्तान को सिडनी की धीमी पिच पर चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया।

पाकिस्तान के लिये शाहीन अफरीदी ने चार ओवर में 24 रन देकर दो विकेट लिये, जबकि मोहम्मद नवाज़ को एक विकेट हासिल हुआ।पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विस्फोटक शुरुआत की और पावरप्ले में 55 रन जोड़ लिये।

बाबर को शून्य रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना 30वां अर्द्धशतक जड़ा, जबकि रिज़वान भी टी20 विश्व कप 2022 में पहली बार पचास के आंकड़े तक पहुंचे। ट्रेंट बोल्ट (33/2) ने दोनों को आउट किया।

इससे पहले बाबर और रिजवान ने पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े। यह टी20 विश्व कप में बाबर-रिज़वान की तीसरी शतकीय साझेदारी है। यह सलामी जोड़ी 2021 में खेले गये शीर्ष टूर्नामेंट में भारत (152) और नामीबिया (113) के खिलाफ भी शतकीय साझेदारियां कर चुकी है।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये हारिस ने एक बार फिर आक्रामक रुख अपनाते हुए दो चौके और एक छक्का लगाकर 30 रन का योगदान दिया। जब पाकिस्तान को जीत के लिये सात गेंदों पर दो रन की दरकार थी तब हारिस आउट हो गये, हालांकि टिम साउदी ने आखिरी ओवर की पहली गेंद वाइड फेंक दी, जबकि मसूद ने अगली गेंद पर एक रन लेकर पाकिस्तान को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। पाकिस्तान को फाइनल में भारत या इंग्लैंड में से किसी एक का सामना करना है।

भारत-इंग्लैंड गुरुवार को एडिलेड ओवल पर खेले जाने वाले सेमीफाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगी।

नेशन्स कप में सविता करेंगी भारतीय महिलाओं की कप्तानी

बेंगलुरू। हॉकी इंडिया ने 2022 में पहली बार होने वाले एफआईएच महिला नेशन्स कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा बुधवार को की।

एफआईएच महिला राष्ट्र कप अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन है क्योंकि यह टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग के 2023-2024 सीज़न में पदोन्नत किया जाएगा।

भारत को कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ पूल-बी में रखा गया है, जबकि आयरलैंड, इटली, कोरिया और स्पेन पूल-ए में हैं।

गोलकीपर सविता पूनिया भारतीय महिलाओं की कप्तानी करेंगी जबकि दीप ग्रेस एक्का उपकप्तान होंगी। युवा फॉरवर्ड ब्यूटी डुंगडुंग इस टूर्नामेंट में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करेंगी। साथ ही अनुभवी मिडफील्डर नवजोत कौर कोविड-19 के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 से चूकने के बाद टीम में लौट आई हैं।

सविता के साथ बिछू देवी खरीबम को बतौर गोलकीपर स्क्वाड में शामिल किया गया है, जबकि दीप ग्रेस के साथ गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता और इशिका चौधरी भारतीय डिफेंस का हिस्सा होंगी। मिडफील्ड पर निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनीका, नेहा, सोनिका, ज्योति और नवजोत कौर मोर्चा संभालेंगी। फॉर्वर्ड लाइन में डुंगडुंग को वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवनीत कौर और संगीता कुमारी का अनुभव मिलेगा।

पंत, कार्तिक दोनों सेमीफाइनल का हिस्सा होंगे : रोहित

एडिलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक से जुड़ी बहस को विराम देते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में दोनों विकेटकीपर निश्चित रूप से खेलेंगे। उल्लेखनीय है कि टीम में फिनिशर की भूमिका निभाने वाले कार्तिक सुपर-12 के शुरुआती चार मैचों में एकादश का हिस्सा रहे थे, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछले मैच के लिये पंत को टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां संवाददाताओं से कहा, ऋषभ एकमात्र खिलाड़ी है, जिसे इस दौरे पर खेलने का मौका नहीं मिला था, सिवाय उन दो मैचों के जो हमने पर्थ में खेले। वह भी एक अभ्यास मैच था। हम उन्हें विकेट पर समय देना चाहते थे और सेमीफाइनल या फाइनल में बदलावों के लिये एक विकल्प भी रखना चाहते थे। कार्तिक ने जहां अपनी तीन पारियों में जहां 4.67 की औसत से रन बनाये, वहीं पंत जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ तीन रन का योगदान दे सके थे।

उन्होंने कहा, यह हमारी रणनीति भी थी क्योंकि हम यह नहीं जानते थे कि जिम्बाब्वे के मैच के बाद हम किस टीम से सेमीफाइनल में खेलेंगे, इसलिए हम एक बाएं हाथ के बल्लेबाज को न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के स्पिनरों स्पिनरों का मुकाबला करने का मौका देना चाहते थे। कल क्या होने वाला है यह मैं आपको आज नहीं बता सकता, लेकिन दोनों विकेटकीपर खेल का हिस्सा होंगे।

भारतीय कप्तान ने इस अवसर पर सूर्यकुमार यादव के विस्फोटक अंदाज की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें बड़े मैदानों पर खेलना पसंद है। सिर्फ 20 माह पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले सूर्यकुमार भारत के प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने भारत के लिये अपना पहला मैच इंग्लैंड के खिलाफ ही खेला था और सेमीफाइनल में भी भारत को इंग्लैंड का सामना करना है। रोहित ने कहा, सूर्यकुमार इसी तरह बल्लेबाजी करना पसंद करता है, चाहे हमारा स्कोर 10/2 या 100/2 हो। वह बाहर जाकर खुद को अभिव्यक्त करना पसंद करता है और शायद यही कारण है कि वह पिछले (टी20) विश्व कप में टीम में था।

बंगलादेश की स्पीकर ने कानून में महिलाओं की भागीदारी की वकालत की

ढाका। बंगलादेश की संसद की स्पीकर डॉ. शिरीन शर्मिन चौधरी ने बुधवार को कहा कि संसद सदस्य महिला, शांति और सुरक्षा संबंधित राष्ट्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कानून बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमेशा युद्ध, प्राकृतिक आपदा और जलवायु परिवर्तन से ज्यादा प्रभावित होती रही हैं। उन्होंने शांति और सुरक्षा स्थापित करने वाली प्रक्रियाओं में निर्णय लेने हेतु महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया।

वह बुधवार को राजधानी ढाका में बंगबंधु अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में संयुक्त राष्ट्र महिला के सहयोग से बंग्लादेश राष्ट्रीय महिला प्रगति संगठन द्वारा आयोजित 'महिला, शांति और सुरक्षा पर राष्ट्रीय कार्य योजना के स्थानीयकरण पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

बोल रही थीं।

इस अवसर पर बीएनपीएस की कार्यकारी निदेशक रोकेया कबीर ने स्वागत भाषण दिया और लैंगिक विशेषज्ञ शिपा हफीजा ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। विदेश मंत्रालय के महानिदेशक (यूएन विंग) तौफीक इस्लाम शातिल ने महिला, शांति और सुरक्षा पर राष्ट्रीय कार्य योजना के प्रगति की बात की।

बंगलादेश में कनाडा उच्चायोग की राजनीतिक काउंसलर ब्रैडली कोट्स, संयुक्त राष्ट्र महिला की देश में प्रतिनिधि गीतांजलि सिंह और बंग्लादेश में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त जेरेमी ब्रेवर ने सम्मानित अतिथियों के रूप में इसे संबोधित किया।

स्पीकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2000 में महिला, शांति और सुरक्षा पर संकल्प 1325 को अपनाया था। इसको ध्यान में रखते हुए, बंग्लादेशी सरकार ने महिलाओं की भागीदारी, निर्णय लेने में महिलाओं की भूमिका और महिलाओं की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2019 में एक राष्ट्रीय कार्य योजना बनाई थी और उसके बाद से बंग्लादेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार मुद्दों के लिए हमेशा मुखर रहा है। स्पीकर ने कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में उचित समय पर नीति निर्माण होने के कारण, सभी क्षेत्रों में महिलाओं की उपस्थिति दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया गया है, जिससे निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने महिला, शांति और सुरक्षा संबंधित राष्ट्रीय कार्य योजनाओं को स्थानीय बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका अंतर्निहित है और यही कारण है कि वह स्थानीय संवाद और बातचीत में एक प्रभावी भूमिका निभाने में सक्षम हैं। उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं का कौशल विकास करने पर भी बल दिया। इस अवसर पर सांसद मीर मुश्ताक अहमद, शबनम जहां, सैयदा रुबीना अख्तर, काजी कनिज सुल्ताना, मोनिरा सुल्ताना मोनी, सेलिमा अहमद, अरमा दत्ता, अदीबा अंजुम मीता सहित महिला, शांति और सुरक्षा पर राष्ट्रीय कार्य योजना के स्थानीयकरण अन्य लोगों ने अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी।

चीन ने उठाया एंटी-ड्रोन 'हार्ड एंड सॉफ्ट किल' सिस्टम से पर्दा

एजेंसी

बीजिंग। चीन के मानव रहित युद्ध के लिए अनुकूल होने का संकल्प इस सप्ताह उसके प्रमुख हथियार प्रदर्शनी में एक चौतरफा एंटी-ड्रोन सिस्टम के अनावरण के साथ दिखाई दे रहा है।

साउथ चीन मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, देश के मुख्य मिसाइल निर्माता चीन एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन (कैसिक) ने कहा कि मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) प्रणाली हाल के वैश्विक संघर्षों से प्रेरित थी जिसमें यूक्रेन में युद्ध भी शामिल है। वहां विभिन्न तरह के ड्रोनों का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।

चीन सैन्य और नागरिक उपयोग के लिए ड्रोन का एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ता है, इसके कुछ गैर-सैन्य उत्पादों को युद्ध के मैदान में भी देखा जाता है। चीनी सेना पहले से ही कई प्रकार के ड्रोन तैनात कर रही है और साथ ही उसके जवाबी उपाय विकसित करने की इरादे साफ हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में मंगलवार से शुरू हुए झुहाई एयर शो में इस प्रणाली को पेश किया गया जिसमें सभी तरह के यूएवी के खिलाफ अपनी शुरुआत करने वाली प्रणाली में सभी प्रकार के यूएवी के खिलाफ 'पहचान, टोही, हस्तक्षेप, नियंत्रण, अवरोधन और मूल्यांकन' का पूरा पुलिंदा है।

कैसिक ने गैर-यूएवी प्रणाली के संदर्भ में कहा कि यह प्रमुख कठिनाइयों में उपकरणों का मुकाबला करने के लिए एक व्यापक समाधान प्रदान करता है। आमतौर पर इनका पता लगाना मुश्किल होता है क्योंकि यह छोटे होते हैं और हवाई रक्षा हथियारों का उपयोग करना बहुत महंगा होता है।

निर्माता ने कहा, एंटी-यूएवी सिस्टम सभी प्रकार के यूएवी लक्ष्यों के खिलाफ एक व्यापक रक्षा क्षमता बनाता है और यह हार्ड और सॉफ्ट किल से करीब या दूर, ऊंचाई पर हो यह निचाई पर आसानी से निशाना लगा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि हार्ड किल का मतलब है दुश्मन ड्रोनों पर वार करना जबकि सॉफ्ट किल का अर्थ उनके इलेक्ट्रॉनिक्स को बाधित कर या सेंसर को तैनात करना है।

कैसिक के गैर-यूएवी की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली में कम ऊंचाई वाला रडार है जिसकी झुहाई में शुरुआत हो रही है। इसमें एक इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल रडार है जो कम-उड़ान वाले ड्रोन के साथ-साथ उनके जमीन से तैनात करने वाले वाहनों का पता लगा सकता है।

जापान में मालाबार बहुपक्षीय नौसैनिक युद्ध अभ्यास का आगाज

टोक्यो। क्वाड देशों, भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के बीच बहुपक्षीय अभ्यास मालाबार 2022, बुधवार को जापान के योकोसुका में जेएस ह्यूगा पर जापानी मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। भारतीय नौसेना ने बताया कि रियर एडमिरल संजय भल्ला ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें कमांडिंग ऑफिसर और आईएनएस शिवालिक और आईएनएस कामोर्टा युद्धपोतों के चालक दल शामिल है। कमांडर इन चीफ सेल्फ डिफेंस फ्लीट जेएमएसडीएफ के वाइस एडमिरल युसा हिदेकी, कमांडर, यूएस नेवी सेवेंथ फ्लीट वाइस एडमिरल कार्ल थॉमस और ऑस्ट्रेलियाई फ्लीट के कमांडर रियर एडमिरल जोनाथन अर्ली ने भी अपनी-अपनी नौसेनाओं के कर्मियों के साथ समारोह में भाग लिया।

जापान में भूकंप के झटके

टोक्यो। जापान के पूर्वी प्रांत इबारकी में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किये गये जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 मापी गयी लेकिन सुनामी के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। यह जानकारी जापान के विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने दी। जेएमए ने कहा कि यह भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 5:40 मिनट पर दक्षिणी इबारकी प्रांत में लगभग 50 किलोमीटर की गहराई में आया, जापान की भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.0 मापी गई। एजेंसी द्वारा सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई और भूकंप के बाद जानमाल का नुकसान होने की कोई खबर नहीं है। एनएचके समाचार चैनल ने जापान परमाणु ऊर्जा कंपनी के हवाले से कहा कि इस भूकंप से इबारकी प्रांत के टोकाई नंबर 02 परमाणु ऊर्जा संयंत्र में कोई असामान्य घटना नहीं हुई।

अमेरिकी सीनेट के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स ने हासिल की महत्वपूर्ण सीट

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट पर नियंत्रण के लिये हो रहे मध्यावधि चुनाव में कांटे की टक्कर के बीच डेमोक्रेट्स ने प्रमुख राज्य पेनसिल्वेनिया में जीत हासिल की है। पिछली मई में स्ट्रोक का शिकार डेमोक्रेट जॉन फेट्टरमैन, ने अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी मेहमत ओज़ को हरा दिया। वर्तमान में डेमोक्रेट्स के पास 48 सीटें हैं जबकि रिपब्लिकन का 47 सीटों पर कब्जा है। बीबीसी के अनुसार न्यू हैम्पशायर में डेमोक्रेट मैगी हसन ने कड़ी चुनौती पेश की मगर जीत रिपब्लिकन जेडी वेंस के खाते में गयी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार संभावना है कि रिपब्लिकन प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण अपने हाथ में लेने में सफल होंगे। बीबीसी ने कहा कि गवर्नरों की सीटों के लिए रिपब्लिकन ब्रायन केम्प ने जॉर्जिया में डेमोक्रेट स्टेसी अब्राम्स को हराया और फ्लोरिडा में रिपब्लिकन रॉन डेसेंटिस ने जीत हासिल की। अध्यक्ष के लिए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा समर्थित प्रतिनिधि केविन मैकार्थी ने दावा किया है कि रिपब्लिकन प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अमेरिका को फिर से पटरी पर लाएगी। मैकार्थी ने कहा, मैं आपको बता दूं कि आप देर से आए हैं, लेकिन जब आप कल उठेंगे तो हम बहुमत में होंगे और नैन्सी पेलोसी अल्पमत में होंगी। स्पीकर के लिए वोट एक आंतरिक प्रक्रिया है और केवल सदन के सदस्य ही वोट डालते हैं। सदन के वर्तमान अध्यक्ष डेमोक्रेट पेलोसी हैं। हालांकि अभी अंतिम नतीजों का इंतजार है।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर की ओर एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने दक्षिण प्योंगन प्रांत के सुकचोन या उसके आसपास के क्षेत्र से दोपहर बाद करीब 3:31 बजे प्रक्षेपण का पता लगाया। उत्तर कोरिया की ताजा उकसावे की कार्रवाई तब की गयी है, जब अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में मतपत्रों की गिनती हो रही है। 'विजिलेंट स्टॉर्म' नामक अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बड़े पैमाने पर संयुक्त हवाई अभ्यास के विरोध में प्योंगयांग ने पिछले बुधवार से शनिवार के बीच पूर्व और पीले समुद्र में 35 मिसाइलों का प्रक्षेपण किया था। जेसीएस ने कहा कि नयी मिसाइल ने मैक 6 की रफ्तार से 290 किमी की उड़ान भरी और उत्तर के दक्षिण हामग्योंग प्रांत के तट से दूर पानी में एक सुनसान द्वीप से टकराई। मिसाइल को प्योंगयांग के नए एसआरबीएम में केएन-23 अथवा केएन-24 में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि उसने मिसाइल के प्रभाव क्षेत्र के आसपास उड़ान भरने वाले उत्तर कोरियाई युद्धक विमानों का पता लगाया है और यह विश्लेषण कर रहा है कि क्या हवाई अभ्यास मिसाइल प्रक्षेपण से संबंधित था। जेसीएस ने कहा, मिसाइल प्रक्षेपण के बाद दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक संयुक्त बैठक की और उत्तर कोरिया द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने और उत्तर कोरिया की धमकियों और उकसावे की कार्रवाई के खिलाफ अपनायी जाने वाली रणनीति पर विचार विमर्श किया। उन्होने कहा, उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की श्रृंखला उकसाने का एक गंभीर कृत्य है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कॉलेज की छात्राओं ने किया ढोसी हिल्स का ट्रैकिंग

जानिए! ढोसी हिल्स की विशेषताओं के बारे में, प्राचार्य डॉ. अनिता तँवर ने महर्षि च्यवन के बारे में कराया अवगत , पर्वतारोहण प्रतियोगिता में छात्रा नचिता, प्रिया, अंतिम और कृपा रही विजेता

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। शहर के बैजनाथ चौधरी राजकीय महिला महाविद्यालय की 50 छात्राओं के दल ने बुधवार को ढोसी पहाड़ी नारनौल नजदीक गांव कुलताजपुर स्थित ढोसी का ट्रैकिंग किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अनीता तवर ने अपरान्ह नौ बजे हरी झंडी दिखाकर ट्रैकिंग टीम को रवाना किया।

इस दौरान प्राचार्या ने ढोसी हिल्स की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए, मनसा माता आदि के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। डॉ. अनीता तंवर ने छात्राओं को ढोसी की पहाड़ी पर रहने वाले महर्षि च्यवन की तपोभूमि भी के बारे में भी बताया साथ ही उन्होंने कहा कि, महर्षि च्यवन ने सबसे पहले च्व्यवनप्राश की शुरुआत की। उन्होंने कहा, यहाँ पहले औषधियुक्त जड़ी-बूटियाँ उपलब्ध होती थी। अब वह सब नहीं रही और अब च्व्यवनप्राश में भी मिलावट होने लगी है। अधिकांश च्व्यवनप्राश ड् ?यूप्लिकेट आता है। प्राकृतिक चीज़ अब नहीं रही है। उन्होंने छात्राओं को बताया कि, यहाँ हिल्स पर जड़ी-बूटियों के साथ-साथ सोना-चाँदी, ताँबा आदि माइंस से प्राप्त होता था। डॉ. अनीता तंवर ने कहा कि, ढोसी हिल्स से पहले प्राकृतिक बरसात पानी एवं शिवकुंड जल से कॉफी लाभ मिलता था। चर्म, कुष्ठ रोग, पेट रोगियों को औषधि का कार्य करता था।

कॉलेज टूर पर्वतारोहण के दौरान ढोसी भ्रमण प्रतियोगिता करवाई गई, जिसका समय एक घंटे रखा गया। इस प्रतिस्पर्धा में उत्साह सहित अधिकांश छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर बीए वर्ष की छात्रा नचिता, द्वितीय स्थान पर बीए प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया और बीए प्रथम वर्ष की अंतिम संयुक्त रूप से और तृतीय स्थान पर बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कृपा विजेता रही।

इस प्रतियोगिता का संचालन महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सुशीला यादव की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. पिंकी प्रजापत, डॉ. सुदेश, डॉ. ममता यादव, डॉ. सरोजबाला, डॉ. राजबाला, राजेंद्र एवं गजराज आदि उपस्थित रहे द्य

ढोसी बनेगा जल्द पर्यटन स्थल

बता दें कि, नारनौल नजदीक गांव कुलताजपुर में स्थित ढोसी की पहाड़ी का जल्द ही कायाकल्प होगा। मीडिया रिपोर्ट अनुसार बीते वर्ष 23 अक्तूबर को मुख्यमंत्री द्वारा भी इस पहाड़ी का निरीक्षण करने के बारे में बताया गया है। यहां पर पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार जिला महेंद्रगढ़, विधानसभा क्षेत्र नारनौल एवं रेवाड़ी को टूरिज्म सर्किट के रूप में जोड़ रही है।

जानें ढोसी हिल्स के पीछे की कहानी

जिला महेंद्रगढ़ के अंतर्गत ढोसी की पहाड़ी देश व प्रदेश में प्रसिद्ध है। यहाँ प्रत्येक सोमवती अमावस्या को मेला लगने के साथ-साथ हर वर्ष श्रावण माह में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा सकती है। बताया जाता है कि, यहाँ द्वापर युग में पाण्डवों ने अज्ञातवास के दौरान पहाड़ से उत्पन्न हुए शिवलिंग की विशेष पूजा-अर्चना की। यहाँ शिव परिवार समेत हनुमान जी की प्रतिमा और कई सिद्धी युक्त महर्षियों की चरण पादुकाएँ भी स्थापित हैं। जिसमें एक चरण प्रतीक महाराज रामेश्वर दास के भी स्थापित हैं।

ढोसी पर किसने की तपस्या और कौन थे महर्षि च्यवन

ढोसी की पहाड़ी महर्षि च्यवन की तपोभूमि भी है। च्यवन ऋषि भृगु ऋषि के पुत्र थे। इस पहाड़ी का आधा हिस्सा राजस्थान व आधा हिस्सा हरियाणा की सीमा में लगता है। इस पर बना मंदिर व शिव कुंड हरियाणा की सीमा में आते हैं। बताते हैं कि महर्षि च्यवन तपस्या करते हुए उनके शरीर को दीमक लग गई थी। राजा शर्याति परिवार समेत ढ़ोसी की पहाड़ी पर भ्रमण करने को आए थे। राजा की लड़की सुकन्या ने महर्षि च्यवन की दोनों आंखों में लकड़ी के टुकड़े से घाव कर दिया जिससे महर्षि च्यवन की दोनों आंखों से रक्त की धार बहने लग गई।

रक्त की धार बहने से राजा की लड़की सुकन्या व उसकी सहेली घबराकर राजा शर्याति के पास आई और सारी कहानी राजा को बताई।

राजा ने सुकन्या को साथ लेकर महर्षि च्यवन की तपस्या स्थल पर जाकर देखा तो राजा शर्याति की आंखें नम हो गई। उसी वक्त राजा ने आदेश दिया कि राजकुमारी महर्षि की सेवा के लिए ढोसी पर रहेगी व राजकुमारी सुकन्या का पाणिग्रहण भी महर्षि च्यवन के साथ कर दिया। राजकुमारी सुकन्या की कम आयु को देखकर देवताओं ने च्यवन महर्षि को एक औषधि बताई जिससे महर्षि च्यवन ने उपयोग की और युवा हो गए। जिससे उस औषधि का नाम बाद में च्यवन हुआ जिसे आज लोग शक्ति, च्यवनप्राश के नाम से जानते हैं। जो स्वास्थ लाभ के लिए ग्रहण करते है।

इस क्षेत्र के प्रसिद संत बाबा रामेश्वर दास ने भी ढोसी मंदिर से ही दीक्षा ली थी। पहाड़ी में अनेक औषधि हैं।

लेकिन परखने वाला नहीं है। पहाड़ी पर बना शिव कुंड में नहाने से चर्म रोग दूर होता है। ढोसी पहाड़ की चोटी पर उपलब्ध विस्तृत स्थान पर महर्षि च्यवन की तपोस्थली के महत्व के अनुरूप ही वहां एक पर्यटन केंद्र स्थापित करने के साथ-साथ एक ऐसा महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र बनाने के लिए अन्य ऐतिहासिक स्थलों को जोड़कर पर्यटन की एक पूरी श्रृंखला तैयार करने की योजना सरकार द्वारा उपलब्ध होनी चाहिए।

लोकेशन

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टूपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टूपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टूपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टूपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टूपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

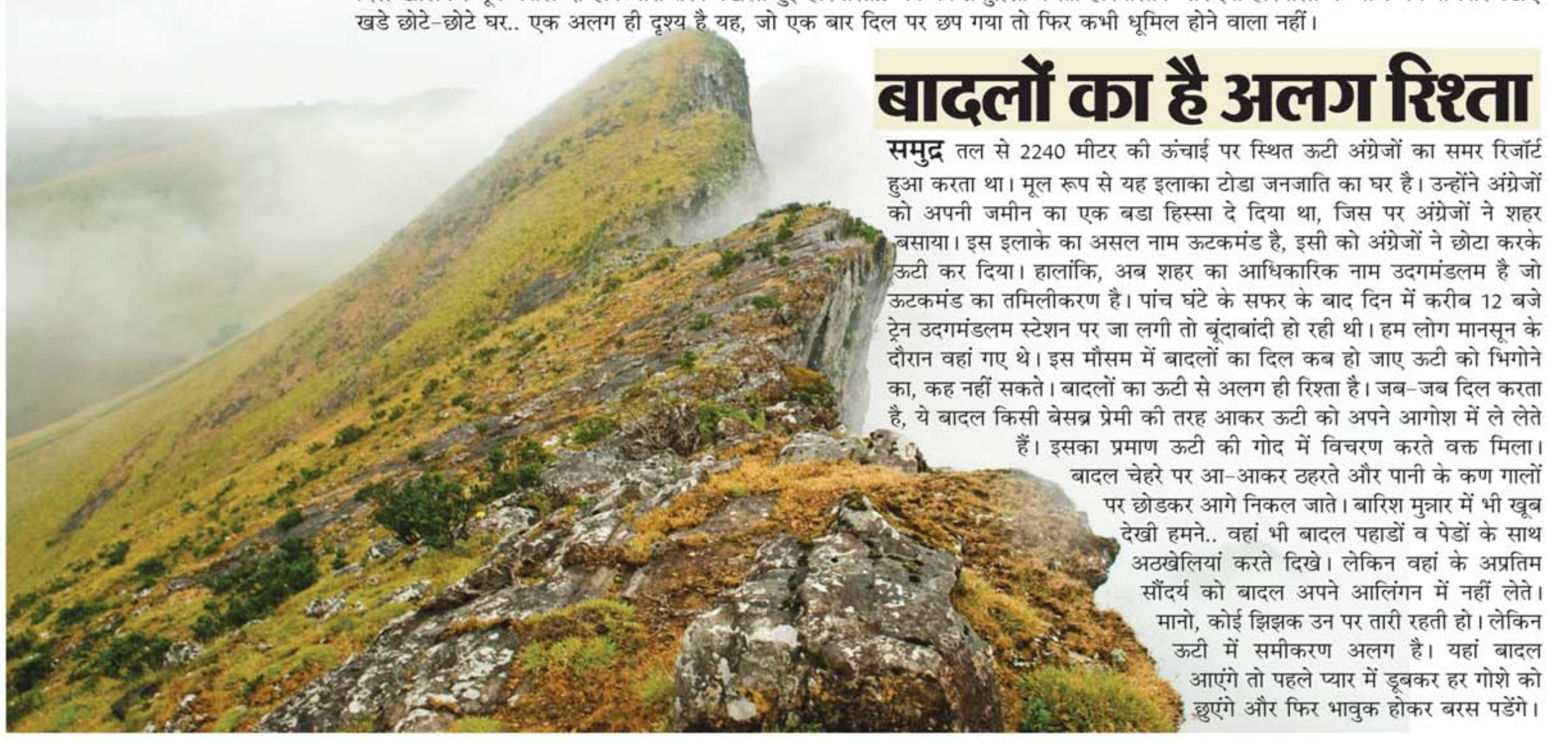

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था। घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी। हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।